शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 180 | गुवाहाटी | सोमवार, 29 जनवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भगवा झंडों की रिकॉर्ड बिक्री, 26 जनवरी पर भी तिरंगे की मांग में रही कमी पेज 2
बरपेटा लोकसभा सीट माकपा छोड़ने को तैयार नहीं, इंडी गठबंधन में फंसा पेंच पेज 3
भरोसे लायक नहीं हैं नीतीश कुमार : कैप्टन अजय यादव पेज 5
ऐतिहासिक ग्रैंड स्लैम जीतने के बाद मालामाल हुए रोहन बोपन्ना, इनाम में ... पेज 7

नीतीश कुमार की नई सरकार ने शपथ ली

सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा बने उपमुख्यमंत्री

पटना। बिहार में रविवार को बड़ा सियासी घटनाक्रम देखने को मिला है। रविवार की सुबह बिहार में राजनीतिक उठा पटक के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने पद से इस्तीफा राज्यपाल को सौंप दिया। इसके बाद महागठबंधन की सरकार का बिहार में अंत हो गया। वहीं नीतीश कुमार ने एनडीए का साथ देते हुए राज्य में एक बार फिर से सत्ता कायम की और मुख्यमंत्री पद की शपथ कुछ ही घंटे के भीतर ग्रहण कर ली है। नीतीश कुमार ने 9वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। उनके साथ सम्राट चौधरी और विजय सिंह -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम ने दी बधाई

नई दिल्ली। नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण के बाद पीएम मोदी ने बिहार की एनडीए सरकार में शामिल मंत्रियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि बिहार में बनी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार राज्य के लोगों की आकांक्षा को पूरा करने में कोई कसर बाकी नहीं रखेगी। पीएम मोदी ने नौवीं बार सीएम पद की शपथ लेने वाले नीतीश कुमार के -शेष पृष्ठ दो पर

8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन डिब्रूगढ़ में आयोजित

स्वदेशी धर्म को पुनर्जीवित करना हमारा संकल्प : मुख्यमंत्री

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने डिब्रूगढ़ में 8वें त्रैवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और बुजुर्गों की सभा का उद्घाटन किया। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत सहित लगभग 33 देशों के आध्यात्मिक नेता मौजूद रहे। दरअसल, इंटरनेशनल सेंटर फॉर कल्चरल स्टडीज के तत्वावधान में पांच दिवसीय सम्मेलन डिब्रूगढ़ के शिक्षा वैली स्कूल में आयोजित हो रहा है। 1 फरवरी तक चलने वाले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आध्यात्मिक नेता वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए सामूहिक रूप से काम करने के लिए रोडमैप तैयार करने के तरीकों और

साधनों पर विचार-विमर्श करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि दुनियाभर में स्वदेशी धर्मों को पुनर्जीवित करना और हमारी सांस्कृतिक विरासत को नष्ट करने के प्रयासों की जांच करना हमारा सामूहिक संकल्प है। भारत की संस्कृति, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को नष्ट करने वाली ताकतों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि देश के लोगों को ऐसी ताकतों को हराने के लिए एक निवारक बनाना चाहिए। वह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और बड़ों की सभा के लिए सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत के साथ मंच साझा करके खुश हैं। यह सम्मेलन दुनियाभर के -शेष पृष्ठ दो पर

अस्पताल, योग व प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान की रखी गई आधारशिला

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। डिब्रूगढ़ में 100 बिस्तरों वाले अस्पताल एवं पूर्वोत्तर भारत के पहले केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान की आधारशिला आज समारोहपूर्वक रखी गई। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग तथा आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ के खामतीघाट, मानकोटा में इसके लिए आज भूमि पूजन की। डिब्रूगढ़ जिला प्रशासन के सहयोग से केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री रामेश्वर तेली, राज्य के स्वास्थ्य मंत्री केशब महंत, उद्योग, वाणिज्य और सार्वजनिक -शेष पृष्ठ दो पर

प्राचीन परंपराओं को जीवित रखने का करें प्रयास : भागवत

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि लोग *हम और वे, हमारे और उनके* में विभाजित हैं। जो लोग इन समूहों से परे जाना चाहते हैं और मानवता को बचाना चाहते हैं, वे अंत में एक अलग समूह बन जाते हैं। डॉ. भागवत आज इंटरनेशनल सेंटर फॉर कल्चरल स्टडीज के तत्वावधान में *प्राचीन परंपराओं और संस्कृतियों के बुजुर्ग* विषयक पांच दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन का आयोजन डिब्रूगढ़ स्थित वैली स्कूल परिसर में किया गया है। संघ प्रमुख ने 30 से अधिक देशों की 33 से अधिक प्राचीन परंपराओं का प्रतिनिधित्व करने वाली परंपराओं और संस्कृतियों के बुजुर्गों को -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांচল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

बिस्मिता गोगोई, अंकिता दत्ता और दीपांक नाथ भाजपा में

गुवाहाटी (हि.स.)। भाजपा के असम प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी में सर, मैडम जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने की संस्कृति नहीं है। हम सभी भाई-बहन की तरह हैं। हम एक-दूसरे को दादा-बाइदेओ कहकर संबोधित करते हैं। हमारी पार्टी में कांग्रेस की तरह किसी को भी *सर-मैडम* कहकर संबोधित नहीं करना है। भारतीय जनता पार्टी सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि यह एक अनुशासित परिवार भी है। वे आज पार्टी के प्रदेश मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित एक समारोह में बोल रहे थे। ऑल असम स्टूडेंट्स -शेष पृष्ठ दो पर

खेला अभी बाकी है : तेजस्वी यादव

पटना। बिहार में रविवार को हुई राजनीतिक उथल-पुथल पर अब राजद नेता और पूर्व मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का भी बयान आ गया है। तेजस्वी यादव ने कहा है कि नीतीश कुमार पहले भी आदरणीय थे और आज भी आदरणीय है। उन्होंने कहा कि उनके 45 विधायक है, ऐसे में हम क्रेडिट क्यों नहीं लेंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि यही नीतीश कुमार पहले कहा करते थे कि नौकरी देना संभव नहीं है। हम ही राज्य में स्पोर्ट्स पॉलिसी लेकर आए और 70 दिन के अंदर ही 2 लाख से अधिक नौकरियां युवाओं को दी। महज 17 महीने की सरकार में ही जेडीयू और नीतीश कुमार से राज्य में बहुत काम करवाया मगर यह एक थके हुए मुख्यमंत्री है। तेजस्वी -शेष पृष्ठ दो पर

देश में आया राम गया राम जैसे कई लोग : खड़गे

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री पद से नीतीश कुमार के इस्तीफे देने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बिहार के उपमुख्यमंत्री (तेजस्वी यादव) और लालू प्रसाद यादव ने इस बारे में संकेत दिया था और आज यह सच हो गया। *ऐसे देश में बहुत सारे लोग हैं, आया राम गया राम...* ।बता दें कि राज्यपाल ने नीतीश कुमार का इस्तीफा स्वीकार कर लिया और नई सरकार के गठन तक उन्हें कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहने को कहा। नीतीश कुमार जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल की बंगाल यात्रा पर कांग्रेस के नेता ने उठाए सवाल

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल कांग्रेस नेता ने रविवार को तृणमूल और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ संबंधों को लेकर पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व पर सवाल उठाया है। कांग्रेस नेता कौस्तव बागची ने एक्स पर पोस्ट किया कि राहुल गांधी, क्या आप बंगाल के कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एआईसीसी का अभिन्न अंग मानते हैं? यदि हां, तो इसे स्पष्ट रूप से समझें। ममता बनर्जी और तृणमूल व्यक्तिगत रूप से आपको स्वीकार्य हो सकते हैं -शेष पृष्ठ दो पर

Door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने के खिलाफ मणिपुर का आदिवासी संगठन

इंफाल। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के एक आदिवासी संगठन ने कहा कि वह भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने के केंद्र के फैसले का विरोध करेगा। दरअसल, आईटीएलएफ द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम ने शनिवार को जिला मुख्यालय शहर में एक सार्वजनिक परामर्श आयोजित किया, जहां भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने और मुक्त आंदोलन व्यवस्था को रद्द करने के केंद्र के फैसले का विरोध करने का संकल्प लिया गया। मुक्त आवाजाही व्यवस्था सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों को बिना वीजा के एक-दूसरे के क्षेत्र में 16 किमी की यात्रा करने की अनुमति देती है। चार -शेष पृष्ठ दो पर

संसद भवन में गेस्ट के लिए व्यवस्था में बदलाव

नई दिल्ली। संसद भवन में सुरक्षा चूक के बाद अब बजट सत्र में अब परिसर में दर्शकों के प्रवेश के लिए नई व्यवस्था लागू कर दी गई है। दर्शकों को पहले संसद में विजिट के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा और उसके अप्रूवल के बाद उनके फोन पर एक क्यूआर कोड दिया जाएगा, जो मोबाइल पर आएगा। दर्शकों को मोबाइल पर आए क्यूआर कोड का प्रिंट आउट लेकर संसद जाना होगा। साथ में आधार कार्ड भी लाना होगा। वहीं प्रवेश के लिए संसद पहुंचने पर सबसे पहले क्यूआर कोड अप्रूवल -शेष पृष्ठ दो पर

लंबी छुट्टियों के मुद्दों का हो समाधान : सीजेआई

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने रविवार को कहा कि एक संस्था के रूप में प्रासंगिक बने रहने के लिए न्यायपालिका की क्षमता को चुनौतियों को पहचानने और *कठिन बातचीत* शुरू करने की आवश्यकता है। सीजेआई ने *स्थगन संस्कृति* और लंबी छुट्टियों जैसे मुद्दों पर प्रकाश डाला। उन्होंने हाशिए पर मौजूद वर्गों का प्रतिनिधित्व बढ़ाने और पहली पीढ़ी के वकीलों को समान अवसर प्रदान करने पर भी जोर दिया। सीजेआई देश में सुप्रीम कोर्ट की स्थापना के डायमंड जुबली के उद्घाटन के अवसर पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा आयोजित एक समारोह में बोल रहे थे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि थे। सीजेआई ने भारत में हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तनों पर भी प्रकाश डाला और कहा कि कानूनी पेशे में पारंपरिक रूप से कम प्रतिनिधित्व वाली महिलाएं अब जिला न्यायपालिका की कामकाजी ताकत का 36.3 प्रतिशत हैं। सीजेआई चंद्रचूड़ ने इसे देश के इतिहास में एक *महत्वपूर्ण अवसर* करार देते हुए -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

किसी लक्ष्य की सिद्धि में कभी शत्रु की साथ न करें।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

राहुल गांधी के डुप्लीकेट का पता बताएंगे हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि वह राज्य में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा कथित तौर पर इस्तेमाल किए गए *बॉडी डबल* का नाम और पता साझा करेंगे। शर्मा ने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में न्याय यात्रा के दौरान कांग्रेस सांसद द्वारा बॉडी डबल का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। उन्होंने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया था कि यात्रा बस में बैठा और लोगों की ओर हाथ हिलाने वाला व्यक्ति राहुल गांधी बिल्कुल नहीं हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

अबु धाबी में 700 करोड़ से हिंदू मंदिर तैयार, पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

अबु धाबी। अयोध्या में राम मंदिल की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अब एक कट्टर मुस्लिम देश में हिंदू मंदिर का उद्घाटन होने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 फरवरी बसंत पंचमी के अवसर पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबू धाबी में विशाल राम मंदिर जैसे इस भव्य मंदिर (बीएपीएस) का उद्घाटन करेंगे। अबू धाबी के सांस्कृतिक जिले में 27 एकड़ क्षेत्र में बना यह हिंदू मंदिर यूएई की सद्भाव और सह-अस्तित्व की नीति की मिसाल बनेगा। इसकी आधारशिला 6 साल पहले रखी गई थी। मंदिर का मुख्य गुंबद पृथ्वी, जल, अग्नि, -शेष पृष्ठ दो पर

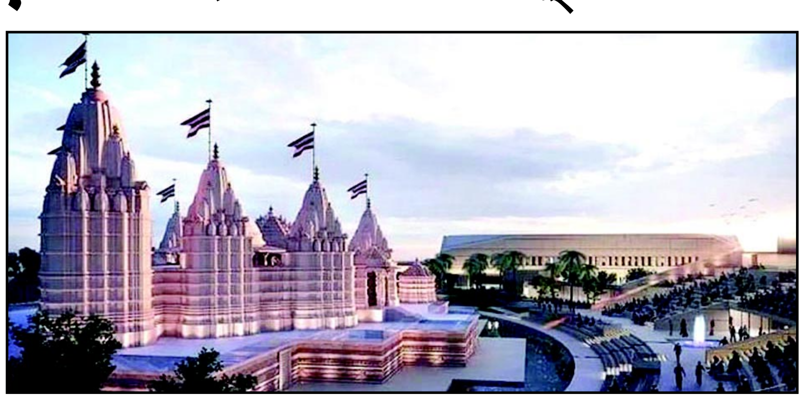

भीषण आग से घर में सो रहे पांच लोगों की जिंदा जलने से मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले से 25 किलोमीटर दूर कस्बा फरीदपुर में एक ही परिवार के पांच लोगों की घर में लगी आग में जिंदा झुलसकर मौत हो गई। मरने वालों में तीन बच्चे भी शामिल थे। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले पर गहरा दुख प्रकट करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। पुलिस के अनुसार अजय गुप्ता उर्फ टिंकल पेशे से हलवाई थे और वह अपने परिवार के साथ तीन वर्ष से फरीदपुर के मोहल्ला फर्रखपुर में एक रिश्तेदार के मकान में किराए -शेष पृष्ठ दो पर

पाक अत्याचारों तंग लोग क्वेटा की ओर

पेशावर। पाकिस्तान के अत्याचारों के खिलाफ शनिवार को क्वेटा में बलूच यकजेहती समिति (बीवाईसी) के विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए बलूचिस्तान के कुछ हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए। बीवाईसी ने हाल ही में पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में दो महीने का विरोध प्रदर्शन संपन्न किया था और विरोध प्रदर्शन में लोगों से भारी भागीदारी का आह्वान किया था। बलूचिस्तान पोस्ट ने स्थानीय मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए बताया कि जब क्वेटा में सरकार द्वारा धारा 144 लागू की गई थी तब भी लोग विरोध में शामिल हुए। एक्स के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भगवा झंडों की रिकॉर्ड बिक्री, 26 जनवरी पर भी तिरंगे की मांग में रही कमी

नई दिल्ली। राम मंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम के कारण इस साल पूरे देश में भगवा झंडों की रिकॉर्ड बिक्री हुई है। पूरे देश में लोगों ने खूब बढ़चढ़कर भगवा झंडे खरीदे और इसे अपने घरों, वाहनों और कार्यालयों पर लगाया। भगवा झंडों की मांग इतनी ज्यादा थी कि उद्घाटन का दिन आते-आते देश के ज्यादातर हिस्सों में झंडों की कमी हो गई और हर झंडे को दो गुना से पांच गुना तक ज्यादा कीमत पर बेचा गया। जबकि इसी दौरान गणतंत्र दिवस पर तिरंगा झंडे की बिक्री में रिकॉर्ड कमी देखी गई। हर साल 26 जनवरी पर भारी संख्या में तिरंगे झंडे बिकते थे, लेकिन इस साल लोगों ने भगवा झंडों की खरीद ज्यादा की। करोल बाग में झंडे और चुनाव सामग्री की थोक बिक्री करने वाले व्यापारी प्रवीण कुमार शर्मा ने बताया कि इस वर्ष भगवा झंडों की रिकॉर्ड बिक्री हुई है। उनकी तरह ज्यादातर व्यापारियों को अनुमान था कि राम मंदिर उद्घाटन के कारण 22 जनवरी के आसपास भगवा झंडों की मांग में तेजी रह सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए सामान्य मांग की तुलना में दो से तीन गुना तक ज्यादा झंडे बनवाए गए थे। प्रवीण कुमार शर्मा ने बताया कि उनके लिए यह आश्चर्य का विषय था कि 10 जनवरी आते-आते ही उनके सभी भगवा झंडे बिक चुके थे। भारी मांग को देखते हुए आनन-फानन में अतिरिक्त कारीगर लगाकर भगवा झंडे बनवाए गए, लेकिन यह भी मांग पूरा करने में सफल नहीं हुआ। इसका परिणाम हुआ कि भगवा झंडों की खूब ब्लैक मार्केटिंग हुई। सदर बाजार थोक बाजार के लिए पूरे देश में जाना जाता है। सदर बाजार में जो झंडा थोक के रेट में 8000 रुपए प्रति बंडल (80 रुपए में एक) की कीमत पर उपलब्ध हो रहा था, उसकी कीमतें बढ़कर 15,000 रुपए तक हो गई। 20 रुपए से लेकर 600 रुपए तक के सभी झंडों की कीमत में दो गुना से लेकर पांच गुना तक की बढ़ोतरी हो गई थी। यही हाल गांधी नगर, करोलबाग, सदर बाजार और चांदनी चौक तक था। 26 जनवरी के आसपास तिरंगे झंडे की तेज बिक्री हर साल होती है। लोग इसे अपने घरों-कार्यालयों और वाहनों पर लगाने के लिए खूब खरीदते हैं। लेकिन इस बार तिरंगे की जगह भगवा झंडों ने ले ली। ज्यादातर लोगों ने आज भी अपने घरों पर भगवा झंडा लगा रखा है, जबकि इसी दौरान बिकने वाले तिरंगे झंडे बहुत कम बिके।

हमारे पीएम हर एक वर्ग के बारे में सोचते हैं : सीएम माणिक साहा

अगरतला। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम *मन की बात* का 109वां एपिसोड कई मायनों में महत्वपूर्ण है। साथ ही, उन्होंने कहा कि देश को ऐसा पीएम पाकर खुशी है, जो हर किसी के बारे में सोचता है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री ने अगरतला के रामनगर में रामनगर विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या-4 के पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच पीएम मोदी की मन की बात सुनी। त्रिपुरा के सीएम ने कहा कि यह पीएम मोदी का 2024 का पहला मन की बात एपिसोड था। हर कोई पूरी उत्सुकता से उन्हें सुनने के लिए यहां इकट्ठा हुआ था। समाज के हर क्षेत्र के लोगों को पद्मश्री के लिए चुना गया था। सभी को एक संदेश दिया गया था, अगर कोई समाज के लिए काम करता है, तो देश उसकी सराहना करेगा। सीएम ने कहा कि हमारा देश भाग्यशाली है कि उनके पास ऐसा पीएम है, जो देश के सभी लोगों के बारे में सोचता है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे पीएम पाकर खुशी है, क्योंकि वह देश के सभी लोगों के बारे में सोचते हैं। हाल ही में पद्मश्री पुरस्कार घोषित किए गए और त्रिपुरा के दो व्यक्तियों को भी पुरस्कार मिला। यह पीएम नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण है कि हर योग्य व्यक्ति को राष्ट्र की ओर से उचित सम्मान मिले। त्रिपुरा के सीएम ने कहा कि पीएम मोदी ने विभिन्न खेलों, विशेष रूप से द्वीपों में समुद्र तट खेलों पर भी चर्चा की है, जिससे यह तथ्य सामने आता है कि हमारे पीएम को हर चीज के बारे में पता है। आज हमें उनकी बात सुनकर खुशी हुई और हम फिर से सुनना चाह रहे हैं। यह देखते हुए कि उनके नेतृत्व में पद्म पुरस्कार प्रदान करने की प्रक्रिया *पूरी तरह से* बदल गई है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि इस साल शीर्ष नागरिक सम्मानों के लिए प्राप्त नामांकन 2014 की तुलना में 28 गुना अधिक थे। 2024 के अपने पहले मन की बात संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पद्म पुरस्कारों की विश्वसनीयता और सम्मान हर साल बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि दोस्तों, मुझे बहुत खुशी है कि पिछले दशक में पद्म पुरस्कार प्रदान करने की प्रक्रिया पूरी तरह से बदल गई है। अब यह लोगों का पद्म बन गया है। पद्म पुरस्कार प्रदान करने की प्रणाली में कई बदलाव हुए हैं। लोगों के पास भी मौका है अब खुद को नामांकित कर सकते हैं। यही कारण है कि इस बार 2014 की तुलना में 28 गुना अधिक नामांकन प्राप्त हुए। इससे पता चलता है कि पद्म पुरस्कार की प्रतिष्ठा, इसकी विश्वसनीयता और सम्मान हर साल बढ़ रहा है। मैं एक बार फिर पद्म पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी लोगों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं।

गुवाहाटी एवं बिश्वनाथ में आरएसएस का पथ संचालन आयोजित

गुवाहाटी/बिश्वनाथ (हि.स.)। असम के अन्य क्षेत्रों के साथ ही राजधानी गुवाहाटी एवं बिश्वनाथ जिला में भी आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने प्रांतीय पथ संचलन का कार्यक्रम आयोजित किया। गुवाहाटी में आर्य विद्यापीठ कालेज खेल मैदान से पथ संचलन निकला। जिसमें बड़ी संख्या में स्वयंसेवक परंपरागत पोशाक में शामिल हुए। पथ संचलन में बिगुल वादक एवं बैंड वादक भी शामिल थे। गुवाहाटी के विभिन्न हिस्सों से गुजरते हुए पथ संचलन पुन: कालेज मैदान में पहुंचकर संपन्न हुआ। पथ संचलन का आयोजन राज्य के सभी जिलों में आने वाले दिनों में आयोजित किया जाएगा। इसी कड़ी में बिश्वनाथ चारिआली स्थित कमलाकांत क्षेत्र से बिश्वनाथ नगर परिसर में पथ संचलन निकाला गया। बिश्वनाथ के विधायक प्रमोद बरठाकुर भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। दोपहर के समय बिश्वनाथ नगर खंड माध्यम से आरंभ पथ संचलन 11 खंड सेक्टरों से निकला। पथ संचलन में काफी संख्या में स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। इस संबंधन में उत्तर असम प्रांत के एक पदाधिकारी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य स्वयंसेवक, सुनागरिक निर्माण और कार्यकर्ताओं का निर्माण करना है जो नि:स्वार्थ भाव से देश की सेवा करेंगे। इस मौके पर बिश्वनाथ जिला के जिला कार्यवाह अनिल बरूवा, आरएसएस के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पृष्ठ एक का शेष

नीतीश कुमार की ...

ने भी उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। सम्राट चौधरी और विजय सिंह दोनों ही नए चेहरे हैं जिन पर भाजपा ने एक बार फिर से दांव लगाया है। भाजपा ने इस बार बिहार में सम्राट चौधरी और विजय सिंह को डिप्टी सीएम बनाने का फैसला किया। उपमुख्यमंत्री पद के लिए भाजपा ने दो नए चेहरों पर भरोसा जताया है। इसके साथ ही बिहार भाजपा ने सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता और विजय सिंह को उप नेता चुना है। बिहार में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को पटना में होना है। शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी पटना पहुंचें। बिहार के राज्यपाल राजेंद्र अरलेकर ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई है। इसके साथ ही वह नौवीं बार शपथ लेने वाले मुख्यमंत्री बन गए हैं। उपमुख्यमंत्री मंत्री पद के लिए सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा को शपथ दिलाई गई है। नई सरकार में जदयू के विजेंद्र प्रसाद यादव ने भी मंत्री पद की शपथ ली है। जदयू के ही अन्य विधायक विजय कुमार चौधरी और श्रवण कुमार ने भी मंत्री पद की शपथ ग्रहण की। हिंदुस्तानी आता मोर्चा के अध्यक्ष डॉक्टर संतोष कुमार सुमन ने भी नई सरकार में मंत्री पद की शपथ ली। निर्दलीय विधायक को सुमित कुमार सिंह को भी मंत्री परिषद में शामिल किया गया है। जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और कहा कि उन्हें इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) और *महागठबंधन* में *स्थिति ठीक नहीं लग रही थी* इसलिए उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ नया गठबंधन और नई सरकार बनाने का निर्णय लिया। नीतीश 18 महीने पहले भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को छोड़कर महागठबंधन में शामिल हुए थे। कुमार के शाम तक नई सरकार का गठन करने की संभावना है।

पीएम ने दी ...

साथ-साथ उनकी सरकार में डिप्टी सीएम पद की शपथ लेने वाले सम्राट चौधरी औप विजय सिन्हा को भी बधाई दी। पीएम मोदी ने भरोसा जताया कि सीएम नीतीश कुमार की सरकार एक टीम के रूप में बिहार के लोगों की सेवा पूरे समर्पण भाव से करेगी। उन्होंने बिहार की जनता को परिवारजनों कहकर संबोधित किया। प्रधानमंत्री का बधाई संदेश भी चुनावी सरगर्मियों के बीच व्यापक संदेश वाला माना जा रहा है। इससे पहले जदयू नेता नीतीश कुमार को राज्यपाल आर्लेकर ने मुख्यमंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। राज्यपाल ने सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा को उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई। इनके साथ कई मंत्रियों को भी शपथ दिलाई गई है। समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद रहे। समर्थकों ने मंत्रियों के शपथग्रहण के बाद जमकर नारे भी लगाए। बिहार के राजभवन में आयोजित समारोह में नौवीं बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले नीतीश कुमार की नई सरकार में दो डिप्टी सीएम के अलावा छह मंत्रियों ने भी पद और गोपनीयता की शपथ ली। इन मंत्रियों में डॉ. प्रेम कुमार, विजय चौधरी, विजेंद्र यादव, श्रवण कुमार, संतोष कुमार सुमन (हम) और निर्दलीय विधायक सुमित सिंह शामिल रहे। संतोष कुमार सुमन पूर्व मुख्यमंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हाम) के प्रमुख जीतन राम मांझी के बेटे हैं।

स्वदेशी धर्म को ...

आध्यात्मिक नेताओं के साथ विचार मंथन से सामाजिक बंधन को मजबूत करने में मदद करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान युग स्वदेशी परंपराओं और विश्वासों पर नकारात्मक वैश्विक प्रभाव का है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए यह जरूरी है कि स्वदेशी धर्मों में निहित ज्ञान को आकर्षित करने और एक स्थायी भविष्य के लिए इन विश्वासों के संरक्षण और प्रसार के लिए एक पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए एक ठोस प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि भारत में प्रमुख धर्मों के अलावा कई स्वदेशी विश्वास फले-फूले, जो राष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता को दर्शाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में स्वदेशी विश्वास केवल धार्मिक प्रथाएं नहीं हैं, वे ज्ञान के भंडार हैं। वे समुदायों और प्राकृतिक दुनिया के बीच घनिष्ठ संबंध को रेखांकित करते हैं। इन विश्वास प्रणालियों को संरक्षित करना धर्म में विविधता की रक्षा करने के बारे में है। स्वदेशी आस्था की विशाल भूमिका को देखते हुए डॉ. शर्मा ने एक ऐसा विभाग बनाने में राज्य सरकार के कदम के बारे में कहा कि जो विशेष रूप से स्वदेशी जनजातीय आस्था और संस्कृति से संबंधित है। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि सम्मेलन स्वदेशी आस्था और संस्कृति को पुनर्जीवित करने और वर्तमान समाज में हो रहे सांस्कृतिक क्षरण को रोकने में मदद करेगा। यह वर्तमान पीढ़ी को अतीत के आंतरिक मूल्यों से जोड़ने में भी मदद करेगा। एक तरह से यह वर्तमान लोगों को देश के प्राचीन अतीत और इसकी संसाधनशीलता को फिर से देखने में मदद करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सम्मेलन लाभार्थियों को वर्तमान समाज को साझा दृष्टि तक ले जाने और सामूहिक शांति और कल्याण के रोडमैप पर काम करने में मदद करेगा। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने सरसंघचालक मोहन भागवत के मार्गदर्शन के लिए उनका आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने डिब्रूगढ़ में 8वें त्रैवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन के लिए इंटरनेशनल सेंटर फॉर कल्चरल स्टडीज के अध्यक्ष शशिबाला को भी धन्यवाद दिया। सरसंघचालक डॉ. भागवत ने भी इस अवसर पर भारत के समृद्ध अतीत के साथ वैश्विक शांति को अभूतपूर्व ऊंचाई पर ले जाने के लिए विश्व नेताओं की ओर से सामूहिक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर इंटरनेशनल सेंटर फॉर कल्चरल स्टडीज के अध्यक्ष शशिबाला, बुजुर्गों के आध्यात्मिक नेता लिथुआनिया इनिजा तेनकुने, ग्वाटेमाला के आध्यात्मिक नेता एलिजाबेथ अराजाओ, अमेरिका के बुजुर्गों की आध्यात्मिक नेता ज्योति, अफ्रीका के बुजुर्गों के आध्यात्मिक नेता एडमंड, इदु मिसमी अचा मिमी के आध्यात्मिक नेता, शिक्षा वैली के प्रबंध निदेशक पुलिन चंद्र गोगोई के साथ अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

अस्पताल, योग व...

उद्यम और सांस्कृतिक मामलों के राज्य मंत्री बिमल बोरा, एआईडीसी के अध्यक्ष प्रशांत फूकन, आयुष मंत्रालय के उप महानिदेशक सत्यजीत पॉल, विधायक और अन्य सम्मानित गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे। इस संस्थान को 45-बीघा की विशाल भूमि पर बनाने की योजना है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य को बदलना है। 100 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत के साथ यह परियोजना 2026 तक पूरी होने वाली है।

प्राचीन परंपराओं को ...

बधाई दी। उन्होंने कहा कि वे अपने आसपास अत्यधिक आक्रामक वातावरण के बावजूद अपने प्राचीन परंपराओं एवं विश्वासों को जीवित रखने का प्रयास करें; क्योंकि दुनिया को अब उनके ज्ञान की जरूरत है। उन्होंने कहा कि दो हजार साल की प्रगति और भौतिक समृद्धि के बावजूद, दुनिया संघर्षों का सामना कर रही है। बाहर या भीतर कोई शांति नहीं है। बच्चे बंदूक के साथ स्कूलों में जाते हैं और बिना किसी स्पष्ट कारण के लोगों को गोली मार देते हैं। ईर्ष्या और अहंकार है और मन की संकीर्णता के कारण संघर्ष है, जहां लोग हम और वे, हमारे और उनके में विभाजित हैं। जो लोग इन समूहों से परे जाना चाहते हैं और मानवता को बचाना चाहते हैं, वे अंत में एक अलग समूह बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि नेता और विचारक पर्यावरण बचाने की बात करते रहे हैं लेकिन बातचीत के अलावा कुछ भी ठोस नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि कैसे 1951 में संयुक्त राष्ट्र के एक प्रस्ताव में प्राचीन दर्शन को खत्म करने और तेजी से आर्थिक प्रगति के एक लक्ष्य के लिए पुरानी सामाजिक संस्थाओं के विघटन के बारे में बात की गई थी। डॉ. भागवत ने कहा कि इसे स्वीकार करना पड़ा कि वैश्विक विकास के लिए विकास की नीतियों में संस्कृति का एकीकरण आवश्यक था। हम, विभिन्न परंपराओं से संबंधित प्राचीन ज्ञान प्रणालियों को जानते थे। सरसंघचालक डॉ. भागवत ने एक कहानी का जिक्र किया, जिसका सबक यह था कि सही ज्ञान के साथ, हम एक साथ आ सकते हैं और स्थिति को बदल सकते हैं और संघर्षों एवं पर्यावरणीय आपदा से मुक्त एक नई दुनिया बना सकते हैं। एक ऐसी दुनिया जिसमें प्राचीन ज्ञान के साथ शांति भी हो।

बिस्मिता गोगोई, अंकिता...

यूनियन के पूर्व अध्यक्ष दीपांक नाथ, पूर्व मंत्री बिस्मिता गोगोई, आसू के पूर्व सलाहकार प्रकाश चंद्र दास, मिसिंग स्वायत्त परिषद के ईएम पुरुषोत्तम दलै, युवा कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष अंकिता दत्ता और महासचिव श्यामल नारायण देब औपचारिक रूप से आज भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। बैठक में प्रदेश भाजपा के सांगठनिक महासचिव रवींद्र राजू, असम सरकार के मंत्री पीयूष हजारिका और जयंत मल्लबरुवा, विधायक दिगंत कलिता और मानव डेका और राज्य भाजपा के नेता भी मौजूद थे। असम विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष और सिलचर के पूर्व विधायक दिलीप पाल और पटाचारकुची के फणि पाठक, जिन्होंने पार्टी के राज्य महासचिव दिगू रंजन शर्मा द्वारा संचालित एक ज्वाइनिंग समारोह में आज भारतीय जनता पार्टी में लौट आए। गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी में औपचारिक रूप से शामिल होने के तुरंत बाद पूर्व मंत्री बिस्मिता गोगोई और युवा नेता अंकिता दत्ता ने कांग्रेस पार्टी में अपने कड़वे अनुभवों को सुनाया। उधर, ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन के पूर्व अध्यक्ष दीपांकर नाथ ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में ही असम की राजनीति और असमिया लोगों का भविष्य सुरक्षित है। दीपांक नाथ के अनुसार, केवल भाजपा की विचारधारा ही असमिया जाति को वास्तविक सुरक्षा दे सकती है। इसी तरह, आसू के पूर्व सलाहकार प्रकाश दास ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा असम और पूर्वोत्तर के सर्वांगीण विकास के लिए की गई योजनाओं के हित में भाजपा में शामिल हुए हैं।

खेला अभी बाकी...

यादव ने कहा कि अभी खेल शुरू हुआ है। खेल अभी बाकी है। 2024 में जदयू खत्म हो जाएगी। राजद ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार, चिकित्सा में, रोजगार, पॉलिसी लाना जैसे कई काम किए है। राजद ही थी जिसने रात में घूम घूम कर काम किया है। भले ही आज नीतीश कुमार और जदयू के लोग शपथ लें मगर यह कुर्सी पर कितने दिन काबिज रहेंगे यह कोई नहीं कह सकता। तेजस्वी यादव ने कहा कि डिप्टी सीएम रहते हुए मैंने और राजद के मंत्रियों ने बहुत काम किया है। कैबिनेट में लाख नौकरियां की फाइल को रोका गया है। हमारी सरकार नहीं ईमानदारी से काम किया है लेकिन अभी खेला बाकी है। भाजपा नेताओं के बयान पर तेजस्वी यादव ने कहा कि दूसरों की टिप्पणी पर क्या ही कहा जाए। इसका जवाब जनता देगी। मंच से नीतीश कुमार हमारे साथ काम गिनवाते थे। तेजस्वी यादव ने कहा कि जिस वीजन के साथ आए थे उसी विजन के साथ दोबारा जनता के बीच जाएंगे। जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और कहा कि उन्हें इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) और *महागठबंधन* में *स्थिति ठीक नहीं लग रही थी* इसलिए उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ नया गठबंधन और नई सरकार बनाने का निर्णय लिया। नीतीश 18 महीने पहले भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को छोड़कर महागठबंधन में शामिल हुए थे। कुमार के शाम तक नई सरकार का गठन करने की संभावना है। उन्होंने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को अपना इस्तीफा सौंपने के बाद यहां पत्रकारों से कहा कि मैंने अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंप दिया है। अभी तक जो सरकार थी वह अब समाप्त हो गई है। उन्होंने कहा कि वह *महागठबंधन* से अलग होकर नया गठबंधन बनाएंगे। यह पूछे जाने पर कि उन्होंने यह फैसला क्यों किया, नीतीश ने कहा कि अपनी पार्टी के लोगों से मिल रही राय के अनुसार मैंने आज अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि हमने पूर्व के गठबंधन (राजग) को छोड़कर नया गठबंधन बनाया था लेकिन इसमें स्थितियां ठीक नहीं लगी।

देश में आया...

के वरिष्ठ मंत्री बिजेंद्र यादव के साथ राजभवन गए थे। नीतीश ने अपने आधिकारिक आवास पर पार्टी विधायकों की एक बैठक की अध्यक्षता करने के बाद इस्तीफा दिया है। सूत्रों ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के समर्थन से शाम तक नई सरकार के गठन की संभावना है। नीतीश कुमार 9वीं बार बिहार के सीएम बनेंगे। नीतीश कुमार के इस्तीफा देने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनको फोन कर बधाई दी है। नीतीश कुमार ने राज्यपाल को सौंपे अपने इस्तीफे में कहा कि हमने महागठबंधन से नाता तोड़ने का फैसला लिया है। उन्होंने इस्तीफे के बाद कहा कि ....यह स्थिति इसलिए आई क्योंकि सब कुछ ठीक नहीं चल रहा था...मैं सभी से राय ले रहा था। मैंने उन सभी की बात सुनी। आज हमने इस्तीफा दे दिया और सरकार को समाप्त कर दिया है... गौरतलब हो कि अगस्त 2022 में भाजपा से नाता तोड़ने के बाद नीतीश कुमार लालू प्रसाद की पार्टी राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन में शामिल हो गए थे। उस वक्त नीतीश ने भाजपा पर जद(यू) में विभाजन की कोशिश करने का आरोप लगाया था। नीतीश कुमार ने भाजपा को केंद्र में सत्ता से उखाड फेंकने के लिए देश भर में सभी विपक्षी दलों को एक साथ लाने का अभियान शुरू किया जिसकी परिणति विपक्षी गठबंधन *इंडिया* के गठन के रूप में हुई। वहीं अब नीतीश के राजग में लौटने के फैसले से विपक्षी गठबंधन को भी बड़ा झटका लगा है।

राहुल की बंगाल ...

लेकिन बड़े पैमाने पर बंगाल के कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नहीं। कौस्तव बागची ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तारीफ करने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश पर भी निशाना साधा। बागची ने पोस्ट में कहा कि उनकी प्रशंसा करना बंगाल के कांग्रेस कार्यकर्ताओं का घोर अपमान है, जो पिछले 46 वर्षों से विपक्ष में रहने के बावजूद पार्टी के प्रति वफादार रहे हैं।

भारत-म्यांमार सीमा...

भारतीय राज्य – अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर और मिजोरम, म्यांमार के साथ 1,643 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं। बयान में कहा गया है कि आईटीएलएफ ने *कुकी जो* लोगों के राजनीतिक भविष्य के लिए मिजोरम सरकार से संपर्क करने का भी फैसला किया है। खबरों के मुताबिक, फरवरी 2021 में पड़ोसी देश में सैन्य तख्तापलट के बाद म्यांमार के 31,000 से अधिक लोगों ने मिजोरम में शरण ली है। कई लोगों ने मणिपुर में भी शरण ली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 20 जनवरी को गुवाहाटी में कहा कि सरकार भारत-म्यांमार सीमा पर लोगों की मुक्त आवाजाही को समाप्त कर देगी और इसे पूरी तरह से बाड़ लगा देगी, ताकि इसे बांग्लादेश के साथ देश की सीमा की तरह संरक्षित किया जा सके।

संसद भवन में ...

कराना होगा। वहीं इन सबकी पड़ताल करने के बाद रिसेप्शन पर दर्शकों का बायोमेट्रिक होगा और फोटोग्राफ लिया जाएगा। इसके बाद दर्शक को विजिटर्स गैलरी के लिए स्मार्ट कार्ड जारी किया जाएगा। इसके बाद लोगों को दर्शक दीर्घा में प्रवेश के लिए स्मार्ट कार्ड टैप करना होगा उसके बाद ही बैरियर खुलेगा। वहीं संसद से वापस जाने के पहले दर्शकों को स्मार्ट कार्ड वापस जमा कराना होगा। अगर कोई कार्ड जमा नहीं कराता है तो उस दर्शक को ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा और उसकी आगे कभी भी संसद परिसर में एंट्री नहीं होगी। सांसदों को कहा गया है कि अपने विजिटर्स के पास के लिए कम से कम तीन दिन पहले अप्लाई करें ताकि पुलिस वेरिफिकेशन हो सके। एक फरवरी को अंतरिम बजट के लिए भी दर्शक दीर्घा में प्रवेश के लिए 31 जनवरी शाम चार बजे तक आवेदन हो सकता है। सांसदों से कहा गया कि इस दिन के लिए वे दर्शक दीर्घा के लिए केवल एक ही पास के लिए आवेदन करें। हालांकि सांसद के जीवनसाथी को प्राथमिकता दी जाएगी। दर्शक दीर्घा की क्षमता के हिसाब से पास बनने के बाद तुरंत बंद कर दिया जाएगा। सांसदों से कहा गया है कि वे अंतरिम बजट के लिए गैलरी पास के लिए केवल ऑनलाइन ही आवेदन करें।

लंबी छुट्टियों के...

कहा कि अब भारत में महिलाओं को महत्वपूर्ण पदों पर देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि समाज के हाशिए पर मौजूद वर्गों के व्यापक समावेशन पर ध्यान केंद्रित किया गया है। युवा आबादी का अपने पेशेवर जीवन में सफल होने का आत्मविश्वास भी उतना ही प्रेरणादायक है। भारत का सर्वोच्च न्यायालय 28 जनवरी, 1950 को अस्तित्व में आया। यहां वर्तमान भवन में स्थानांतरित होने से पहले यह शुरू में संसद भवन से कार्य करता था।

अबु धाबी में ...

आकाश और वायु के साथ-साथ अरबी वास्तुकला में चंद्रमा का प्रतिनिधित्व करता है, जिसका मुस्लिम समुदाय में भी बहुत महत्व है। यह मंदिर सभी धर्मों का स्वागत करेगा और भारतीय और अरब संस्कृति के मिश्रण का एक उदाहरण होगा। मंदिर प्रांगण में एक दीवार का भी निर्माण किया गया है। मंदिर की दीवारों पर अरब क्षेत्र, चीनी, एज्टेक और मेसोपोटामिया की संस्कृतियों के बीच संबंधों को दर्शाती 14 कहानियां होंगी। बीएपीएस स्वामीरायण संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय प्रमुख ब्रह्मविहारी स्वामी ने कहा कि यह किसी अरब देश में पहला विचार-आधारित बीएपीएस होगा। 1997 में जब गुरु प्रधान स्वामी महाराज यहां आए तो उन्हें यहां एक हिंदू मंदिर बनाने का सपना आया। आज 27 साल बाद ये सपना पूरा हो रहा है। मंदिर के द्वार पर रेत का टीला बना हुआ है, जो सातों अमीरों से रेत लाकर बनाया गया है। आगे गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम है, मुख्य प्रवेश द्वार से पहले सीढ़ियों के दोनों ओर गंगा और यमुना बहती हैं और प्रकाश के साथ सरस्वती नदी की कल्पना की जाती है। गंगा के किनारे 96 घंटियां लगाई गई हैं, जो 96 वर्षों की तपस्या का प्रतिनिधित्व करती हैं। मंदिर की ओर जाने वाली सड़क पर ठंडी रहने वाली नैनो टाइलें लगाई गई हैं। इसके साथ ही मंदिर के दाहिनी ओर गंगा घाट है, जिसमें गंगा जल उपलब्ध कराया जाएगा। मंदिर में सात शिखर हैं जो संयुक्त अरब अमीरात के सात अमीरातों का प्रतिनिधित्व करते हैं। मंदिर में राम-सीता, शिव-पार्वती समेत सात देवता विराजेंगे। बाहरी दीवारों के पत्थरों पर महाभारत और गीता की कहानियां खुदी हुई हैं। संपूर्ण रामायण, जगन्नाथ यात्रा और शिव पुराण भी दीवारों पर पत्थरों से उकेरे गए हैं। मंदिर परिसर में प्रार्थना कक्ष, सामुदायिक केंद्र, पुस्तकालय, बच्चों का पार्क और एम्फीथिएटर है। नींव के पत्थरों पर सेंसर लगाए गए हैं जो शोध के लिए कंपन, दबाव, हवा की गति और अन्य प्रकार के डेटा प्रदान करेंगे। गुजरात और राजस्थान के 2000 कारीगरों ने 3 साल में 402 सफेद संगमरमर के खंभे तैयार किए। अन्य मूर्तियां भी बनाई गईं। अबू धाबी में मंदिर का निर्माण अंतिम चरण में है। 700 करोड़ रुपए की लागत वाले इस मंदिर में किसी भी लोहे या स्टील का इस्तेमाल नहीं किया गया है। स्वयंसेवक योगेश ठक्कर ने बताया कि खंभों से लेकर छत तक नक्काशी की गई है। भारत से 700 कंटेनरों में 20,000 टन से अधिक पत्थर, संगमरमर भेजा गया है।

भीषण आग से ...

पर रहते थे। शनिवार रात सभी लोग एक ही कमरे में सोए थे। तड़के पड़ोसियों ने घर से धुआं निकलता देखा तो पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। कमरे का दरवाजा बाहर से बंद था और ताला लगा हुआ था। पुलिस दरवाजा तोड़कर कमरे में दाखिल हुई। अंदर पांच शव झुलसी हुई अवस्था में पड़े थे। कमरे में रखा सारा सामान जल चुका था। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना मिलते ही मृतक के परिजन व रिश्तेदार पहुंच गए। पुलिस के अनुसार घटना शनिवार-रविवार रात की है। रविवार सुबह सूचना मिलने पर बरेली के जिलाधिकारी रविंद्र कुमार और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) घुले सुशील चंद्रभान भी घटनास्थल पर पहुंचे। घटनास्थल पर मौजूद एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान ने बताया कि फरीदपुर कस्बे में अजय गुप्ता उर्फ टिंकल (38), पत्नी अनीता (36), बेटा दिव्यांश (नौ), बेटी दिव्यांका (छह) और सबसे बेटा दक्ष (तीन) की जिंदा जलकर मौत हो गई। एसएसपी ने बताया कि गुप्ता के घर में बाहर से ताला लगा हुआ था और प्रतीत होता है कि घटना के वक्त सभी पीड़ित घर के अंदर ही थे। पुलिस घटना के संबंध में गंभीरता से हर पहलू से जांच कर रही है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने *एक्स* पर एक पोस्ट में कहा कि उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने बरेली जिले में अग्निकांड में हुई जनहानि पर गहरा दुख प्रकट करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। मुख्यमंत्री ने प्रभु श्री राम से दिवंगत आत्माओं की शांति की कामना की है। जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार को पांच लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है। मृतकों के दाह संस्कार का पूरा खर्च जिला प्रशासन वहन करेगा।

पाक अत्याचारों तंग ...

अनुसार, बलूचिस्तान के सूचना मंत्री जान अचकजई ने घोषणा की थी कि अगले दो हफ्तों के लिए खतरे की चेतावनी के कारण क्वेटा में सभी प्रकार की सार्वजनिक सभा पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके अलावा रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि बीवाईसी द्वारा आयोजित धरना-प्रदर्शन ने क्वेटा के लोगों के बीच महत्वपूर्ण आकर्षण पैदा किया। क्वेटा की आम जनता ने उन प्रतिभागियों का स्वागत किया जो अपनी आवाज उठाने के लिए शहर में एकत्र हुए थे। बीवाईसी ने क्वेटा में होने वाले सबसे हालिया विरोध प्रदर्शन की घोषणा करते हुए बलूचिस्तान के लोगों से भारी संख्या में इकट्ठा होने की अपील की थी। बलूचिस्तान पोस्ट की समाचार रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर 2023 की न्यायेतर हत्याओं के बाद विरोध प्रदर्शनों का सिलसिला शुरू हुआ, जो अंतत: देशव्यापी प्रदर्शनों का कारण बना। विरोध प्रदर्शनों के बीच, राजनीतिक कार्यकर्ता डॉ महरंग बलूच ने प्रांतीय सरकार द्वारा क्वेटा में धारा 144 लगाए जाने की आलोचना की। बलूच कार्यकर्ता ने इसे *शांतिपूर्ण सभा के हमारे अधिकार को बाधित करने और परेशान करने का प्रयास कहा* और कहा कि सार्वजनिक समारोहों पर रोक लगाने के लिए क्वेटा में प्रांतीय सरकार द्वारा शुक्रवार (26 जनवरी) से 10 दिनों के लिए धारा 144 लागू की गई है। बीवाईसी के एक प्रमुख नेता डॉ. महरांग बलूच ने भी एक वीडियो संदेश जारी कर बलूचिस्तान की महिलाओं से क्वेटा में होने वाली सभा में भाग लेने का आग्रह किया था। वीडियो में महरंग बलूच ने कहा कि बलूचिस्तान का संघर्ष बलूचिस्तान के सभी लोगों का है, चाहे उनका लिंग कुछ भी हो।

राहुल गांधी के ...

शोणितपुर जिले में एक कार्यक्रम से इतर मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं सिर्फ बातें नहीं करता। डुप्लिकेट का नाम और अन्य सभी विवरण साझा करूंगा। बस कुछ दिनों तक इंतजार करें। पत्रकारों के एक सवाल पर भाजपा नेता ने कहा कि मैं कल डिब्रूगढ़ में रहूंगा। इसके अगले दिन भी मैं गुवाहाटी से बाहर रहूंगा। एक बार जब मैं गुवाहाटी वापस आऊंगा, तो डुप्लिकेट का नाम और पता बताऊंगा।

बरपेटा लोकसभा सीट माकपा छोड़ने को तैयार नहीं, इंडी गठबंधन में फंसा पेंच

बरपेटा (हिंस)। असम की बरपेटा लोकसभा सीट को लेकर हालांकि अभी तक इंडी गठबंधन में कोई फैसला नहीं हुआ है, लेकिन माकपा यह सीट किसी भी कीमत पर कांग्रेस के लिए छोड़ने को तैयार नहीं है। सरभोग से माकपा विधायक मनोरंजन तालुकदार ने रुख साफ किया है कि उनकी पार्टी असम में एक के खिलाफ एक उम्मीदवार उतारने की नीति पर अडिग है। माकपा विधायक तालुकदार ने कांग्रेस की संभावित उम्मीदवारों की सूची पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि माकपा बरपेटा लोकसभा सीट पर दावा कर रही है, लेकिन कांग्रेस प्रद्युत बोरदोलोई को इस सीट पर उतारने की इच्छुक है। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा है कि माकपा असम में एक के खिलाफ एक उम्मीदवार उतारने की नीति पर अडिग है। माकपा इंडी फ्रंट की शर्तों के अनुसार बरपेटा में चुनाव लड़ेगी और इस मुद्दे पर कांग्रेस से बातचीत भी हुई है। विधायक तालुकदार ने यह भी खुलासा किया है कि 15 पार्टियों के इंडी गठबंधन ने राज्य में सीट बंटवारे के मुद्दे पर न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी के साथ बातचीत की थी। उम्मीदवारों की सूची पर न तो कांग्रेस ने और न ही गठबंधन ने फैसला किया है, यह मीडिया की रचना है। जब उनसे पूछा गया कि अगर बरपेटा सीट माकपा को नहीं दी गई तो पार्टी की स्थिति क्या होगी, विधायक तालुकदार ने कहा कि अंतिम क्षण तक बरपेटा निर्वाचन क्षेत्र की मांग से पीछे हटने का कोई सवाल ही नहीं है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी बरपेटा निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने पर अडिग है। उन्होंने कहा कि असम में इंडी गठबंधन सही दिशा में है, साथ ही इंडी गठबंधन के कई दलों ने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। इसलिए सीटों के बंटवारे को लेकर कोई दिक्कत नहीं होगी। इस बीच कांग्रेस और अन्य दलों के कई नेताओं के भाजपा में जाने को लेकर तालुकदार ने कहा कि चुनाव से पहले एक पार्टी से दूसरी पार्टी में जाना लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है। ये अवसरवादी नेता हैं, जो राजनीतिक फायदा उठाने के लिए ऐसा करते हैं। विचारधारा का यहां कोई स्थान नहीं है। उधर, कमल मेधी के भाजपा में जाने की चर्चा के बीच मनोरंजन तालुकदार ने कहा कि यह उनका निजी विचार हो सकता है। विधायक तालुकदार ने आसू नेता पर भाजपा में जाने को लेकर कटाक्ष करते हुए कहा कि आसू के नेता राजनीतिक अलग-अलग पार्टियों में जाते रहते हैं। उन्होंने 2024 के चुनाव में 400 सीटें मिलने के भाजपा के दावे पर कहा कि इसकी जानकारी प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को होगी। उन्होंने 400 सीटें मिलने के दावे को खारिज करते हुए आंकड़ा बताया कि भाजपा कितनी सीटें हारेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए 2019 में मिली जीत को दोहराना संभव नहीं होगा। 400 सीटें मिलने का दावा करना भाजपा की कोरी कल्पना है। उन्होंने यह भी दावा किया कि सरकार बनाने के लिए आवश्यक संख्या 272 भी भाजपा को नहीं मिलेगी। राम मंदिर पर मनोरंजन तालुकदार ने कहा कि भाजपा राम मंदिर निर्माण का सारा श्रेय लेने के लिए अभियान चला रही है। राम मंदिर से हिंदू लोगों की धार्मिक भावनाएं जुड़ी हुई हैं, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता है कि वे भाजपा को ही वोट देंगे। यह भाजपा का चुनाव अभियान है। यहां तक कि भाजपा भी प्रचार के मामले में काफी आगे है, जिसे स्वीकार किया जाना चाहिए। प्रचार करने का प्रबंधन भाजपा के पास है, लेकिन वास्तव में उसे 400 सीटें मिलने की संभावना कम है।

राहुल गांधी भाजपा के लिए सबसे बड़े स्टार प्रचारक : मुख्यमंत्री

डिब्रूगढ़ (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कटाक्ष करते हुए कहा है कि राहुल गांधी भाजपा के सबसे बड़े स्टार प्रचारक हैं। मुख्यमंत्री आज एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी में नेतृत्व के कोई गुण नहीं हैं और वह प्रेरणाहीन हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि राहुल गांधी जहां भी पैर रखते हैं, वह जगह भाजपा के लिए अच्छी हो जाती है। मुख्यमंत्री यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहा कि राहुल जिधर से गुजरेंगे, कांग्रेस वहीं खत्म हो जाएगी। जो कुछ बचा है वह भी खत्म हो जाएगा क्योंकि वह इतने प्रेरणाहीन हैं, इतने अहंकारी हैं। उनमें नेतृत्व का कोई गुण नहीं है। वह जहां भी पहुंचते हैं, जहां भी पैर रखते हैं, वह जगह हमारे लिए महान बन जाता है, इसलिए राहुल गांधी भाजपा के लिए सबसे बड़े स्टार प्रचारक हैं। उल्लेखनीय है कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान असम में राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा पर जमकर निशाना साधा था। राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री पर कई आरोप लगाए थे। यहां तक कहा था कि देश के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने भी राहुल गांधी के विरुद्ध कई बयान दिए। वैसे भी आमतौर पर देखा गया है कि मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा राहुल के विरुद्ध बोलने का कोई भी मौका नहीं गंवाते हैं। वे हमेशा ही राहुल गांधी को लेकर कुछ न कुछ कहा करते हैं।

डॉ. श्रवण कुमार के मंत्री बनने पर सहिंप ने दी बधाई

गुवाहाटी। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नौवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही कार्यकर्ताओं में हर्षोल्ला देखी गई। इसी कड़ी में जदयू-भाजपा गठबंधन के नई सरकार के फिर से एक बार गठनबंधन बन गई है। सरकार बनने के बाद जदयू के वरिष्ठ नेता डॉ. श्रवण कुमार को मंत्री बनाए जाने पर सर्व हिंदुस्तानी युवा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर सिंह ने मंत्री को फोन पर बधाई दी और मिठाई बाटी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि श्रवण कुमार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा मंत्रिमंडल में शामिल करने से राज्य के दलित पिछड़े व वंचितों का समुचित विकास होगा। वहीं छात्र प्रदेश सचिव सद्दाम हुसैन ने सारण जिला में मंत्री डॉ. श्रवण कुमार को बधाई दी और मिठाइयां बांटी। डॉ. श्रवण कुमार को मंत्री बनने पर बिहार से असम तक में खुशी की लहर देखी जा रही हैं।

आग में 20 घर जलकर राख

बाक्सा (हिंस)। बाक्सा में अचानक लगी आग में कम से कम 20 घर जलकर राख हो गये। पुलिस ने आज बताया कि यह आग बीती रात बाक्सा जिले के खरिजा बिजनी में लगी। रात्रि के करीब 11 बजे कथित शॉर्ट सर्किट के कारण यह आग लगी। स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड को तत्काल ही सूचित किया। फायर ब्रिगेड की टीम लब्दानगुरी थाना पुलिस के साथ मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद आखिरकार आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तबतक 20 घर जलकर राख हो गए थे। इस हादसे को लेकर पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए घटना की जांच शुरू कर दी है।

फकीराग्राम में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर

कोकराझार (विभास)। कोकराझाड़ डीटीओ परिसर में नेशनल रोड सेफ्टी कार्यक्रम को देखते हुए रोड सेफ्टी जागरूकता सभा का आयोजन गिया गया। इस मौके पर जिले के फकीराग्राम पुराने बाजार में आयोजित कार्यक्रम में नेत्र जांच शिविर लगाया गया। शिविर में चालकों समेत कई अन्य लोगों की जांच कर दवाइयां दी गई। इसके अलावा जरूरतमंदों के बीच चस्मा दी गई। शिविर में करीब सैकड़ों की संख्या में चालकों और शहर के लोग उपस्थित थे। शिविर में जिले के डीटीओ धजेन बसुमतारी भी मौजूद थे।

रंगारंग तरीके से शुरू हुआ आईसीसीएस का 8वां अंतर्राष्ट्रीय विश्व बुजुर्गों का सम्मेलन

डिब्रूगढ़ (हिंस)। इंटरनेशनल सेंटर फॉर कल्चरल स्टडीज (आईसीसीएस) के तत्वावधान में प्राचीन परंपराओं और संस्कृतियों के बुजुर्गों का 8वां त्रिवार्षिक सम्मेलन *साझा सतत समृद्धि* डिब्रूगढ़ के वैली स्कूल परिसर में रंगारंग तरीके से शुरू हुआ। भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र की कुछ जनजातियों का ढोल-नगाड़ों पर भक्ति नृत्य करते हुए 33 देशों के प्रतिनिधियों के साथ एक जुलूस डिब्रूगढ़ की मुख्य सड़कों से होकर गुजरा। इस जुलूस को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत के साथ वरिष्ठ आरएसएस नेता सुरेश सोनी सहित डिब्रूगढ़ के हजारों उत्साहित नागरिकों ने देखा। गरिमामय उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने की और डॉ. मोहन भागवत ने मुख्य वक्ता के रूप में हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत शुभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके बाद दुनिया के सात महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्राचीन धर्मों के आठ प्रतिनिधियों की धार्मिक प्रार्थनाएं हुईं, जिनमें से एक अरुणाचल प्रदेश की इदु मिशमी जनजाति की थी। इस अवसर पर आईसीसीएस ने ज्ञानवर्धक लेखों और पहले के सम्मेलनों की झलकियों वाली एक स्मारिका एवं एक नई शैक्षणिक और शोध पत्रिका लांच की, जो इतिहास, मानव विज्ञान और शासन पर केंद्रित है। पांच दिवसीय सम्मेलन का समापन 1 फरवरी को आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू करेंगे। उपमुख्यमंत्री चौना मीन समापन सत्र को संबोधित करेंगे।

जामुगुरीहाट में सड़क हादसे में एक की मौत

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिलांतर्गत जामुगुरीहाट के शोलगुड़ी में राष्ट्रीय राजमार्ग 15 पर हुए हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान 70 वर्षीय सिल्वर केरकाटा के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर बीती रात चल रहे व्यक्ति को विपरीत दिशा से आ रही स्कूटी (एएस-12एएफ-4260) ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में मरने वाला शख्स का घर शोलगुड़ी का बताया जा रहा है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। वहीं हादसे के बाद स्कूटी चालक भी जख्मी हो गया। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

विश्वनाथ में आरएसएस का प्रांतीय पथ संचालन कार्यक्रम

कार्यक्रम में उपस्थित स्थानीय विधायक प्रमोद बरठाकुर

विश्वनाथ (विभास)। पूरे राज्य के साथ विश्वनाथ जिले में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर एस एस) ने प्रांतीय पथ संचलन दिवस कार्यक्रम आयोजित किया। आर एस एस ने विश्वनाथ चारिआली स्थित कमलाकान्त क्षेत्र से विश्वनाथ नगर परिसर में रोड मार्च निकाला। इलाके पहले विश्वनाथ के विधायक प्रमोद बरठाकुर के मौजूदगी में संघ ने पहले सदस्यों के साथ तैयारी बैठक की और फिर दोपहर 12 बजे विश्वनाथ नगर खंड माध्यम से एक रोड मार्च निकालकर कार्यक्रम में 11 खंड सेक्टरों और एक शहर से करीब 250 से अधिक सदस्यों ने भाग लेकर संचालन कार्यक्रम को सफल बनाया, यह आयोजन पिछले 10 वर्षों से मनाया जा रहा है। इस बात को उत्तर असम प्रांत के कार्यकर्ता भवरंजन रय ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य स्वयंसेवक, सुनागरिक निर्माण और कार्यकर्ताओं का निर्माण करना है जो निस्वार्थ भाव से देश की सेवा करेंगे। इस मौके पर विश्वनाथ जिला के जिला कार्यवाह अनिल वरुवा, आरएसएस की अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मायुमं, गुवाहाटी अमृत शाखा ने लगाया रक्तदान शिविर

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच गुवाहाटी अमृत शाखा ने अपने राष्ट्रीय कार्यक्रम के अन्तर्गत विश्व हिंदू परिषद के साथ मिलकर स्वागत अस्पताल के सहयोग से राजहुवा नामघर, नारायण नगर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस शिविर मे कुल 27 रक्तदाताओं ने अपना पंजीकरण करवाया। जिसमें से 3 रक्तदाताओं का रक्त किसी कारणवश नहीं लिया गया। शिविर मे कुल 24 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। रक्तदान शिविर में विश्व हिंदू परिषद के महानगर अध्यक्ष शुभराम बोरा एवं उनके सभी सदस्य, राष्ट्रीय स्वयसेवक संघ के विभाग प्रचारक अतुल देशपांडेय एवं उनके सदस्य, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच मंडल एके उपाध्यक्ष मितेश सुराणा एवं कार्यकारणी सदस्य मनोज पोद्दार, अमित कुमार कंसल एवं मारवाड़ी युवा मंच गुवाहाटी समृद्धि शाखा की अध्यक्ष बबिता मित्तल एवं उनके शाखा सदस्याए उपस्तिथ थे। शिविर में स्वागत अस्पताल के निर्देशक आयुष्मान खुराना एवं गुवाहाटी जीएमसी सुपर स्पेशलिस्ट अस्पताल के उप अधीक्षक डॉ. धीरेन पाणिका तथा स्वागत अस्पताल के रक्तकोष की कार्य प्रभारी डॉ. अमृता साहा भी विशेष रूप से उपस्तिथ थी। सभी का तिरंगा दुप्पटा से सम्मान किया गया। इस शिविर में समाजसेवी मनोज लोढा का विशेष सहयोग रह। इस रक्तदान शिविर में शाखा के कार्यवाहक अध्यक्ष राहुल जैन एवं उपाध्यक्ष शुभ पोद्दार ने प्रथम बार रक्तदान किया। इस शिविर के संयोजक परमेश्वर रांकावत एवं सह संयोजक परी अग्रवाल थी। ये जानकारी शाखा जनसंपर्क अधिकारी सुनीता जैन ने दी।

बच्चों के बीच लायंस उमंग ने बांटी पठन-पाठन की सामग्री

गुवाहाटी (विभास)। महिलाओं की अग्रणी संस्थाओं में से एक लायंग क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से सरकारी स्कूल के बच्चों के बीच पठन-पाठन की सामग्री वितरित कर गणतंत्र दिवस का पर्व मनाया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में नारायणनगर स्थित बद्रीदास एलपी स्कूल के 300 से अधिक बच्चों के बीच रेखा जालान के सहयोग से पठन-पाठन की सामग्री बांटी गई। इस मौके पर लायंस जिला 322जी के फीड द हंगर परियोजना के तहत बड़ी संख्या में बच्चों के लिए सुनीता मित्तल के सहयोग से 500 से अधिक बच्चों के बीच सात्विक भोजन की व्यवस्था की गई। वहीं रेहाबाड़ी स्थित ड्रीम होम के विशेष रूप से सक्षम बच्चों के लिए उर्वशी गर्ग के सहयोग से उनकी जरूरत अनुसार उनकी दवाइयां भी उपलब्ध कराई गई। इस पूरे कार्यक्रम को संपादित करने में क्लब की सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाती चौधरी, रेखा जालान, सुनीता मित्तल, सीमा सोनी, सरोज जालान, कुसुम जैन, सुनीता भड़ेच, अंजु अग्रवाल, अनिमा गोयल, उर्वशी गर्ग आदि सदस्याओं का भरपूर सहयोग रहा।

मणिपुर पुलिस ने 177 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय दंड संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 177 लोगों को हिरासत में लिया। इनके अलावा कांग्पोकपी जिले के सतांग हिल रेंज में अज्ञात उग्रवादियों के बीच फायरिंग में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर 198 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 186 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं।

बॉयलर एक्सपो का आयोजन

गुवाहाटी। आगामी फरवरी महीने में 3 दिवसीय भारत स्टीम बॉयलर एक्सपो 2024 का किया जाएगा, इसकी जानकारी आज एक संवादाता सम्मेलन के माध्यम से दी गई इस अवसर पर असम के मुख्य बॉयलर निरीक्षक श्री एन बोरा, आईओसीएल की महाप्रबंधक (एमएस, एलएंडडी) श्रीमती सीता बरुवा तथा नुमालीगढ़ रिफाइनरी के मुख्य महाप्रबंधक (निगम संबंध) नलिनी बुरागोहई उपस्थित थे 27 से 29 फरवरी तक चलने वाले एक्सपो में देसी विदेसी लगभग 100 कंपनियों के भाग लेने की जानकारी दी गई है, असम सरकार के सहयोग से आयोजित होने वाले सहयोगी संस्थाओं में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड, नुमालीगढ़ रिफाइनरी, ऑयल इंडिया लिमिटेड, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड, असम पेट्रोकेमिकल्स तथा एनटीपीसी लिमिटेड हैं अंतर्राष्ट्रीय बॉयलर एक्सपो में घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय स्टीम बॉयलर निर्माता, सहायक उपकरणों की आपूर्ति करता, सर्विस और रख रखाव कर्मी, बिजली संयंत्र, कपड़ा उद्योग, फूड प्रोसेसिंग संयंत्र, रासायनिक निर्माता तथा अन्य भाप ब्वॉयलरों पर निर्भर क्षेत्र के प्रतिनिधि सहित कई प्रतिभागियों की शामिल होने की उम्मीद है, इस प्रदर्शनी का उद्देश्य स्टीम ब्वॉयलरो का उपयोग करने वाले विभिन्न उद्योगों के विकास और दक्षता को बढ़ावा देना, ज्ञान और अनुभवों का आदान-प्रदान करना तथा हित धारकों के बीच नेटवर्किंग और व्यापारिक अवसरों को बढ़ावा देना है, भारत स्टीम बॉयलर एक्सपो 2024 के आयोजकों ने एक स्वर से बताया कि सबके सहयोग से हम बॉयलर उद्योग में नवाचार और स्थिरता का मार्ग प्रशस्त करते हैं यह एक्सपो इस महत्वपूर्ण क्षेत्र की प्रतिभा और प्रतिज्ञा को प्रदर्शित करने का हमारा एक साझा मंच है।

ऑल असम कोच सम्मेलन का तीन दिवसीय अधिवेशन आरंभ

होजाई (हिंस)। होजाई जिलांतर्गत लंका में आज से तीन दिवसीय सदो असम कोच सम्मेलन का 35वां केंद्रीय वार्षिक अधिवेशन आरंभ हुआ। अधिवेशन संयुक्त रूप से सदो असम कोच सम्मेलन, सदो असम कोच छात्र संस्था, सदो असम कोच युवा परिषद और कोच महिला परिषद के सौजन्य से शुरू हुआ। यह अधिवेशन लंका जिले के काकी दहलापाड़ा लालमाटी में तीन दिनों तक आयोजित किया गया है। होजाई जिला कोच सम्मेलन एवं कोच छात्र संस्था का 35वां वार्षिक सम्मेलन पहले दिन ध्वजारोहण के साथ शुरू हुआ। सम्मेलन में राज्य के विभिन्न हिस्सों से 500 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। क्षेत्र के विभिन्न जातीय समूहों की भागीदारी के साथ शुरू हुए सम्मेलन में कोच समुदाय के विभिन्न रीति-रिवाजों और परंपराओं को प्रदर्शित किया गया।

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के तत्वावधान निकली साइकिल रैली

शिक्षा सहयोग व फिटनेस जागरूकता का दिया संदेश

गुवाहाटी। आचार्य श्री महाश्रमण जी के आशीर्वाद से तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के तत्वाधान में सभी के लिए शिक्षा एवं स्वास्थ्य का संदेश देने के लिए रविवार को भारत तथा विश्व के लगभग 100 से अधिक शहरों में साइकिल रैली का आयोजन किया गया। गुवाहाटी में भी यह साइकिल रैली फैंसी बाजार स्थित तेरापंथ धर्मस्थल से शुरू हुई, फिर भरलुमुख से एटी रोड होते हुए वापस तेरापंथ धर्म स्थल पहुंची। साइकिल रैली का शुभारंभ नवकार मंत्र से किया गया। तत्पश्चात टी पी एफ के पूर्व अध्यक्ष अजय भंसाली एवं टीपीएफ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोज नहाटा ने झंडा दिखाकर साइक्लोथोन को रवाना किया। साइक्लोथोन के पश्चात स्थानीय तेरापंथ धर्म स्थल में एक योग तथा प्रेक्षा ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें अजय भंसाली ने विभिन्न योगासनों तथा ध्यान का अभ्यास कराया। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के अध्यक्ष संतोष पुगलिया ने कहा कि साइकिल यात्रा का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को शिक्षा में सहयोग करना व अपने आप को फिट रखने का संदेश देना था। टीपीएफ के सचिव श्री पुखराज जी सेठिया ने इस कार्यक्रम मे सहभागिता के लिए सभी का धन्यवाद किया। इस मौके पर समाज के विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी तथा सदस्यगण भी उपस्थित रहे।

संपादकीया

स्वास्थ्य सेवाओं का नियमन

हरियाणा सरकार के स्वास्थ्य विभाग की ओर से सरकारी अस्पतालों के कतिपय चिकित्सकों के व्यवहार के नियमन की पहल निस्संदेह रोगियों व उनके परिजनों के लिए राहतकारी साबित होगी। स्वास्थ्य सेवाएं हरियाणा के महानिदेशक की ओर से जारी लिखित हिदायतों में सरकारी अस्पतालों में कार्यरत सिविल सर्जनों को आगाह किया गया है कि वे मरीजों को निजी अस्पतालों में उपचार के लिये बाध्य करने की प्रवृत्ति से बचें। दरअसल, इस तरह के मामलों में साठ से अधिक शिकायतें आई थीं कि डॉक्टर निजी लाभ के लिये मरीजों को निजी अस्पतालों में उपचार करने को बाध्य कर रहे हैं। संस्तुति किये गए अस्पतालों में चिकित्सकों के निहित स्वार्थ भी शामिल हैं। आरोप लगाया गया है कि चिकित्सकों के परिजनों द्वारा निजी अस्पताल चलाए जा रहे हैं, जिनमें इलाज करवाने के लिये मरीजों को बाध्य किया जाता रहा है। विभाग ने राज्य के सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को ऐसे मामलों में जांच करने के निर्देश भी दिये हैं। साथ ही कहा गया कि उन चिकित्सकों की सूची तैयार की जाए जो मरीजों को निजी चिकित्सालयों में उपचार के लिये बाध्य करते हैं। दरअसल, स्वास्थ्य विभाग की आंतरिक जांच रिपोर्ट में भी इस बात का खुलासा हुआ है कि कई सरकारी चिकित्सा निजी प्रैक्टिस भी करते हैं। कतिपय चिकित्सकों पर मरीजों के साथ अनुचित व्यवहार करने के भी आरोप लगे हैं। निश्चिय ही यह स्थिति चिंताजनक है क्योंकि समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग व आम लोग ही उपचार के लिये बड़ी उम्मीद से सरकारी अस्पतालों में जाते हैं। यदि उन्हें यहां भी उचित उपचार व सम्मानजनक व्यवहार न मिले तो फिर वे कहां जाएंगे। हालांकि, यह भी हकीकत है कि सरकारी अस्पतालों में चिकित्सक भी भारी दबाव में काम करते हैं क्योंकि सरकारी अस्पतालों में मरीजों का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। लेकिन उस अनुपात में चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता नहीं है। कमोबेश यही स्थिति अन्य चिकित्सा सुविधाओं की भी है। लेकिन यहां यह महत्वपूर्ण है कि लोग बड़े विश्वास से सरकारी अस्पतालों में जाते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग उनमें ज्यादा होते हैं। भारतीय समाज में डॉक्टरों को दूसरा भगवान कहा जाता है। मरीजों का उनमें गहरा विश्वास होता है। दरअसल, मरीज एक तो बीमारी की त्रासदी से जूझ रहा होता है, जिसमें अच्छे व्यवहार और उपचार की उम्मीद होती है। यदि ऐसे में उसे महसूस हो कि उसके साथ न्याय नहीं हो रहा है तो यह दुखद ही है। ऐसे में स्वास्थ्य सेवाएं हरियाणा के महानिदेशक के निर्देश सकारात्मक पहल ही है। जिससे चिकित्सकों की जवाबदेही तय की जा सकेगी। इतना ही नहीं सरकार की पहल से चिकित्सातंत्र पर मरीजों का भरोसा बढ़ेगा कि सरकार उनकी समस्याओं के प्रति गंभीर है। विश्वास किया जाना चाहिए कि चिकित्सकों द्वारा व्यवस्था में सुधार की दिशा में बेहतर सहयोग मिलेगा। वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी उन कारणों की पड़ताल करनी चाहिए जिसमें कतिपय चिकित्सक अनुचित व्यवहार करते हैं। उनकी समस्याओं को भी सुना जाना चाहिए। साथ ही सरकारी चिकित्सालयों में तमाम चिकित्सा सेवाओं के आधुनिकीकरण, पर्याप्त चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों की व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे जहां मरीज व चिकित्सक अनुपात में सुधार हो सके। वहीं यदि अस्पताल में तमाम आधुनिक सुविधाएं व दवाइयां उपलब्ध होंगी, तो मरीजों को निजी चिकित्सालयों की शरण में जाने को मजबूर नहीं किया जा सकेगा। वहीं सरकार को इस पहलू पर विचार करना चाहिए कि भारी-भरकम खर्च करके डॉक्टरी की डिग्री हासिल करने वाले चिकित्सकों के आर्थिक हितों का भी ध्यान रखा जाए। व्यवस्था में उन्हें अतिरिक्त आर्थिक लाभ का विकल्प भी दिया जाना चाहिए, जिससे वे निजी प्रैक्टिस से परहेज करके सरकारी अस्पताल के मरीजों के बेहतर उपचार पर ही ध्यान केंद्रित करें। निस्संदेह, चिकित्सा का क्षेत्र एक बेहद संवेदनशील क्षेत्र है। चिकित्सक यदि सहज स्थितियों में रहेंगे तो वे बेहतर उपचार में सहायक बन सकते हैं। मरीज के हितों व सम्मान की तो रक्षा होनी चाहिए, लेकिन चिकित्सकों की गरिमा भी प्रभावित नहीं होनी चाहिए।

स्वास्थ्य सेवाएं हरियाणा के महानिदेशक की ओर से जारी लिखित हिदायतों में सरकारी अस्पतालों में कार्यरत सिविल सर्जनों को आगाह किया गया है कि वे मरीजों को निजी अस्पतालों में उपचार के लिये बाध्य करने की प्रवृति से बचें। दरअसल, इस तरह के मामलों में साठ से अधिक शिकायतें आई थीं कि डॉक्टर निजी लाभ के लिये मरीजों को निजी अस्पतालों में उपचार करने को बाध्य कर रहे हैं। संस्तुति किये गए अस्पतालों में चिकित्सकों के निहित स्वार्थ भी शामिल हैं। आरोप लगाया गया है कि चिकित्सकों के परिजनों द्वारा निजी अस्पताल चलाए जा रहे हैं, जिनमें इलाज करवाने के लिये मरीजों को बाध्य किया जाता रहा है। विभाग ने राज्य के सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को ऐसे मामलों में जांच करने के निर्देश भी दिये हैं। साथ ही कहा गया कि उन चिकित्सकों की सूची तैयार की जाए जो मरीजों को निजी चिकित्सालयों में उपचार के लिये बाध्य करते हैं। दरअसल, स्वास्थ्य विभाग की आंतरिक जांच रिपोर्ट में भी इस बात का खुलासा हुआ है कि कई सरकारी चिकित्सा निजी प्रैक्टिस भी करते हैं। कतिपय चिकित्सकों पर मरीजों के साथ अनुचित व्यवहार करने के भी आरोप लगे हैं।

बीते वर्षों की कमियों पर नजर रखते हुए उन्हें दोहराने की भूल न करने का संकल्प लेना है

राम विवाद नहीं, समाधान हैं, मोदी के इस कथन को व्यापक परिप्रेक्ष्य में समझा जाना चाहिए

ललित गर्ग

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अयोध्याधाम में प्रभु श्रीराम मंदिर के सफल प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की और एक धन्यवाद प्रस्ताव में कहा कि लोगों द्वारा उनके प्रति दिखाए गए प्यार और स्नेह ने उन्हें 'जननायक' के रूप में स्थापित किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा पढ़े गए इस प्रस्ताव में मोदी को एक नए युग का अग्रदूत बताया गया। क्योंकि उन्हीं की अगुवाई में सोमवार को अयोध्या में संपन्न कार्यक्रम में नवनिर्मित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह में श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की गई। प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि हम कह सकते हैं कि 1947 में इस देश का शरीर स्वतंत्र हुआ था और अब इसमें आत्मा की प्राण-प्रतिष्ठा हुई है। निश्चित ही मोदी अब इस नए युग के प्रवर्तन के बाद, नवयुग प्रवर्तक के रूप में भी सामने आए हैं। श्रीरामलला के नूतन विग्रह में प्राण-प्रतिष्ठा की अपूर्व एवं अलौकिक घटना भारत के लिये युगांतरकारी है। हम एक नये युग में पदार्पण कर रहे हैं। यह नवयुग एवं नया दौर आशा और विश्वास के साथ ही जिम्मेदारियों से भरा है। नरेन्द्र मोदी के महान एवं ऊर्जस्वल व्यक्तित्व को एक राजनीतिक दल के सर्वोच्च नेता के सीमित दायरे में बांधना उनके व्यक्तित्व को सीमित करने का प्रयत्न है। उन्हें नए राष्ट्र का निर्माता कहा जा सकता है। मोदी जैसे व्यक्ति दो-चार नहीं, अद्वितीय होते हैं। उनका गहन चिन्तन राष्ट्र के आधार पर नहीं, वरन् उनके चिन्तन में राष्ट्र अपने को खोजता है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण के माध्यम से स्वस्थ मूल्यों को स्थापित करके राष्ट्र को सजीव एवं शक्तिसम्पन्न बनाने का प्रयत्न किया है। राष्ट्र-निर्माण की कितनी नयी-नयी कल्पनाएं उनके मस्तिष्क में तरंगित होती रहती हैं। अयोध्या में भगवान श्रीराम के 'भव्य, दिव्य मंदिर' की प्राण-प्रतिष्ठा उनके ही संकल्पों की निष्पत्ति है। इसके साथ ही प्राण-प्रतिष्ठा की यह तारीख आने वाले हजारों वर्षों के लिये एक उजाला एवं संकल्प बनते हुए नये इतिहास का सृजन करने वाली शुभ एवं श्रेयस्कर गति है। जैसा कि नरेन्द्र मोदी ने कहा है, 'यह नये इतिहास-चक्र की भी शुरुआत' है। इस अवसर पर दिये गये संबोधन में मोदी ने अपने संकल्प 'सबका साथ, सबका विकास और सबके विश्वास' को एक नया आयाम भी दिया है। नरेन्द्र मोदी केवल व्यक्तियों के समूह को राष्ट्र मानने को तैयार नहीं हैं। उनकी दृष्टि में राष्ट्र के सदस्यों में निम्न विशेषताओं का होना आवश्यक है जिस राष्ट्र के सदस्यों में इस्पात-सी दृढ़ता, संगठन में निष्ठा, चारित्रिक उज्ज्वलता, कठिन काम करने का साहस और उद्देश्य पूति के लिए स्वयं को झोंकने का मनोभाव होता है, वह राष्ट्र अपने निर्धारित लक्ष्य तक बहुत कम समय में पहुंच जाता है। कहा जा सकता है कि नरेन्द्र मोदी के राष्ट्र-चिंतन में जो क्रांतिकारिता, परिवर्तन एवं नये दिशाबोध हैं, वे राष्ट्र के चिंतकों को भी चिंतन की नयी खुराक देने में समर्थ हैं। अयोध्या में मोदी ने अपने संबोधन में कहा है, 'राम विवाद नहीं, समाधान है'। उनके इस कथन को व्यापक परिप्रेक्ष्य में समझा और स्वीकारा जाना चाहिए। यह भी समझा जाना चाहिए कि प्रधानमंत्री का यह कथन देश में संभावनाओं के नये आयाम भी खोल रहा है। राम और राष्ट्र के बीच की दूरी को पाटने का एक स्पष्ट संकेत भी प्रधानमंत्री ने दिया है। इस बात को भी समझने की ईमानदार कोशिश होनी चाहिए कि श्रीराम की महत्ता हिंदू समाज के आराध्य होने में ही नहीं है, बल्कि उन्हें सुशासन का प्रतीक पुरुष एवं शासक समझने में भी है। तभी हमारा राष्ट्र राजनीतिक विसंगतियों से मुक्त होकर सुशासन का आधार बन सकता है। जिसमें हर नागरिक को, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति, वर्ण, वर्ग का हो, प्रगति करने का समान और पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। प्रभु श्रीराम के मन्दिर की प्राण-प्रतिष्ठा इस सोच और संकल्प के साथ आयोजित हुआ है कि हमें कुछ नया करना है, नया बनना है, नये पदचिह्न स्थापित करने हैं। बीते वर्षों की कमियों पर नजर रखते हुए उन्हें दोहराने की भूल न करने का संकल्प लेना है। हमें यह संकल्प करना और शपथ लेनी है कि आने वाले वर्षों में हम ऐसा कुछ नहीं करेंगे जो हमारे उद्देश्यों, उम्मीदों, उमंगों और आदर्शों पर प्रश्नचिह्न टांग दे। अपनी उपलब्धियों का अंकन एवं कमियों की समीक्षा कर इस अवसर पर हर व्यक्ति अपनी विवेक चेतना को जगाकर अपने भाग्य की रेखाओं में राष्ट्रीयता और जिजीविषा के रंग भरें, सामंजस्य एवं सहिष्णुता को जीवन के व्यवहार में उतारने का अभ्यास करें। केवल अपनी भावनाओं को ऊंचा स्थान दे, वह स्वार्थी होता है। स्वार्थी होने की कीमत चुकानी ही पड़ती है। दूसरों की भावना के प्रति उदार बनें। उदार होने का मतलब है आप किसी के कहे बिना भी उनकी भावनाओं को समझें। उसके बारे में सोचें, विचारें। इससे आपके जीने का अंदाज बदल जायेगा। यही जीने की आदर्श शैली का प्रशिक्षण प्राण-प्रतिष्ठा महा-महोत्सव का हार्द है। समूचा देश 'राममय' हो रहा है, इस ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय अवसर पर अपने-पराये का भेद मिटाने की आवश्यकता को भी समझना ज़रूरी है। धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर, अर्थ के नाम पर, भाषा के नाम पर होने वाला कोई भी विभाजन 'राम-राज्य' में स्वीकार्य नहीं हो सकता। सांस्कृतिक अथवा धार्मिक राष्ट्रवाद के नाम पर किसी को कम या अधिक भारतीय आंकना भी राम-राज्य की भावना के प्रतिकूल है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अयोध्या में नया मंदिर बनने के बाद हिंदू समाज में एक नया उत्साह है, जो स्वाभाविक भी है। पर हमें इस भाव की सीमाओं को भी समझना होगा। नदी जब किनारा छोड़ती है तो बाढ़ आ जाती है। सरसंघचालक मोहन भागवत ने प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर कहा भी था 'जोश के माहौल में होश की बात' करनी ज़रूरी है। यह होश ही वे किनारे हैं जो नदी को संयमित रखते हैं। जीवन का पड़ाव चाहे संसार हो या संन्यास, सीमा, संयम एवं मर्यादा जरूरी है। मर्यादा जीवन का पर्याय है। धरती, अंबर, समन्दर, सूरज, चांद-सितारें, व्यक्ति, धर्म एवं समाज सब अपनी-अपनी सीमाओं में बंधे हैं। जब भी उनकी मर्यादा एवं सीमा टूटती है, प्रकृति प्रलय एवं समाज अराजकता में परिवर्तित हो जाता है। प्रभु श्रीराम के जीवन का कण-कण हमें मर्यादा की बात सिखा रहा है। अपेक्षा है, मानव अनुशासन और संयम को अपनाकर जीवन को संवारे। प्रभु श्रीराम के मन्दिर की प्राण-प्रतिष्ठा का यह पावन अवसर सबको यही संदेश देता है कि संयम, सहिष्णुता एवं समानता से ही समस्याओं का निपटारा संभव है। पथभ्रान्त पथिक के लिये मर्यादा ही सच्चा पथदर्शन बनेगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा पढ़े गए इस प्रस्ताव में मोदी को एक नए युग का अग्रदूत बताया गया। क्योंकि उन्हीं की अगुवाई में सोमवार को अयोध्या में संपन्न कार्यक्रम में नवनिर्मित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह में श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की गई। प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि हम कह सकते हैं कि 1947 में इस देश का शरीर स्वतंत्र हुआ था और अब इसमें आत्मा की प्राण-प्रतिष्ठा हुई है। निश्चित ही मोदी अब इस नए युग के प्रवर्तन के बाद, नवयुग प्रवर्तक के रूप में भी सामने आए हैं। श्रीरामलला के नूतन विग्रह में प्राण-प्रतिष्ठा की अपूर्व एवं अलौकिक घटना भारत के लिये युगांतरकारी है। हम एक नये युग में पदार्पण कर रहे हैं।

दृष्टि कोण

कोहराः हवाई और रेल यात्रा की कब सुध ली जाएगी?

आमजन की यात्रा सुविधा के नाम पर संचालित सरकारी सेवाएं बेहद गैर जिम्मेदाराना व्यवहार कर रही हैं। चाहे हवाई यात्रा हो या रेल, हर रोज करोड़ों लोग परेशान हो रहे हैं। इनमें वो भी हैं जिन्हें हर हालत में अपनी नियत तिथि पर वांछित गंतव्य पर पहुंचना होता है और वो भी जिन्हें दो कनेक्टिविटी के सहारे यात्रा पूरी करनी पड़ती है। भारत में सही समय पर यात्रा पूरी होने की न तो किसी की गारंटी है और न ही कोई इस बदहाली को चुनौती ही दे सकता है। हर रोज पूरे देश में बड़ी संख्या में हवाई और रेल सेवाएं लेटलतीफी का शिकार हो रही हैं। जिसके जवाब में प्री रिकॉर्डेड चार शब्द 'असुविधा के लिए खेद है' काफी हैं। इन दिनों तो घने कोहरे के चलते स्थिति और भी बदतर है। देश में औसतन ढाई से तीन हजार फ्लाइट्स रोजाना लगभग 4,56,000 यात्रियों को मुकाम तक पहुंचाती हैं। वहीं 8 अक्टूबर 2023 का एक आंकड़ा बताता है कि रेलवे रोजाना 22,593 ट्रेनें चलाता है जिनमें 13,452 यात्री ट्रेनों से औसतन 2.40 करोड़ यात्री सफर करते हैं, बाकी 9141 मालगाड़ियां हैं। बसों और निजी वाहनों से सफर करने वालों की संख्या जोड़ दें यह कई गुना बढ़ जाएगी। अभी हवाई और रेल सेवा कोहरे के चलते ऐसी चरमराई हुई है कि पूछिए मत। अकेले दिल्ली से रोजाना 1400 उड़ानें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित होती हैं। कोहरे से हालात ऐसे हैं कि कई-कई दिन सूर्यदेव दर्शन नहीं देते, कोहरा छाया रहता है। ऐसे क्या टेक ऑफ, क्या लैण्ड सभी उड़ानों को रद्द, री-शिड्यूल या डायवर्ट करना पड़ता है। पूरे देश का यही हाल है। अभी दो दिन पहले 13 जनवरी को घने कोहरे के चलते मुंबई-गुवाहाटी उड़ान को बांग्लादेश के ढाका में इमरजेंसी लैंडिंग खातिर मजबूर होना पड़ा। इसमें फंसे यात्री बिना पासपोर्ट के अंतरराष्ट्रीय सीमा तो पार कर गए लेकिन कई घंटे हवाई जहाज में बैठे रहे। विदेशी धरती पर कैसे उतरते? कोहरे की मार से हमारे सभी हवाई अड्डे प्रभावित हैं। ऐसे में महंगी और सही वक्त पर पहुंचने के खातिर हवाई यात्राओं के भी कोई मायने नहीं। कमोबेश इससे भी बदतर हालत यात्री ट्रेनों की है। कोहरे की मार से रोजाना आधे से ज्यादा रेल यात्री परेशान होते हैं। जहां कोरोना के चलते रद्द कई ट्रेन शुरू नहीं हो पाईं वहीं जो चलीं वो भी कई तरह के सुधार और सुविधाओं के नाम पर रद्द, लेट या री-शिड्यूल हो रही हैं। बिलासपुर जोन ने तो ट्रेनों के रद्द करने का देश में कीर्तिमान ही बना डाला। यहां कुछ सालों में हजारों जोड़ी ट्रेन रद्द हुईं। कोयला, दूसरी खदानों व पॉवर सेक्टर वाले बिलासपुर जोन में आने-जाने वाले लाखों यात्रियों को लेटलतीफी या एकाएक ट्रेन कैंसिल होने से असहनीय परेशानी होती है। अभी यात्री गाड़ियों के खातिर कोहरे का बहाना है और मालगाड़ियां पूरी रफ्तार में हैं। आखिर हवाई और रेल यात्रियों की सुध लेगा कौन? उनकी परिस्थिति और मानसिक स्थिति को कौन समझेगा? आगे की यात्रा के लिए दो-तीन घण्टे की मार्जिन रख, कनेक्टिंग फ्लाइट्स या ट्रेन की कंफर्म टिकट लेकर महीनों पहले अपना कार्यक्रम तय कर चुके लोग ऐन वक्त पर चार शब्दों के जवाब 'असुविधा के लिए खेद है' से निपटा दिए जाते हैं और भुक्तभोगी अपना सिर नोचने के कुछ नहीं कर पाता। चाहे विमानन सेक्टर हो या रेलवे इन्हें पता होता है कि कब से कब कोहरा तो कब बारिश और कब गर्मी होगी।

कुछ अलग

दिल्ली की सेहत सुधारने का वक्त

हम में से अधिकांश लोग स्वास्थ्य के महत्व को तभी पहचानते हैं, जब वे बीमार पड़ते हैं या कोई महामारी पांव पसारती है। हालांकि, यदि हम नियमित रूप से अपनी सेहत की जांच करते रहें, तो कई स्वास्थ्य संकटों को टाला जा सकता है या उनका प्रभाव कम किया जा सकता है। अच्छी सेहत के लिए व्यक्तिगत प्रयास की निस्संदेह जरूरत है, लेकिन समाज और राष्ट्र की भूमिका भी काफी अहम है। अच्छे अस्पताल, रहन-सहन के ठीक-ठाक माहौल, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं आदि सरकारों का ही दायित्व है, जिससे आम लोगों को अपनी सेहत सुधारने में खासा मदद मिलती है। भारत की राजधानी होने के कारण दिल्ली पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने का बड़ा दायित्व है। बेशक, राष्ट्रीय राजधानी के पास सार्वजनिक और निजी स्वास्थ्य सेवाओं का एक अच्छा बुनियादी ढांचा है। यहां सरकारी व निजी अस्पतालों का विशाल नेटवर्क है और मोहल्ला क्लीनिकों के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं पर कुछ हद तक ध्यान भी दिया जाता है। इतना ही नहीं, दिल्ली उन राज्यों में से भी एक है, जो अपने बजट का बड़ा हिस्सा स्वास्थ्य पर खर्च करता है। फिर भी, यहां देश के सर्वोत्तम स्वास्थ्य संकेतकों या स्वास्थ्य सेवाओं के होने का दावा नहीं किया जा सकता, जिसका एक बड़ा कारण पड़ोसी राज्यों और देश भर के लोगों द्वारा यहां उपयोग की जा रही स्वास्थ्य सेवाएं और सुविधाएं हैं। दिल्ली की स्वास्थ्य स्थिति हमें एहसास कराती है कि स्वास्थ्य केवल बीमारियों के संदर्भ में नहीं, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय कारकों से भी निर्धारित होता है। यहां कई अनोखी चुनौतियां हैं। यहां स्वास्थ्य सेवाएं संघ और राज्य सरकारों, शहरी स्थानीय निकाय/नगर निगमों और निजी क्षेत्र सहित कई स्वास्थ्य एजेंसियों द्वारा मुहैया कराई जाती हैं, जिनमें अक्सर सीमित समन्वय होता है। फिर, यहां प्रवासी आबादी और झुग्गी-झोपड़ी के निवासियों की भी अपनी स्वास्थ्य जरूरतें हैं। उन्हें आमतौर पर निकटतम स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी नहीं होती। यहां तमाम रोगों के अलावा मधुमेह, उच्च रक्तचाप और शहरी जीवन-शैली से जुड़ी अन्य बीमारियों का बढ़ना एक बड़ी चुनौती है। जब कोई ग्रामीण श्रमिक दिल्ली जैसे शहरी परिवेश में आता है, तो यह केवल एक भौतिक बदलाव नहीं होता है। यह नया माहौल उसकी नियमित शारीरिक गतिविधि में भी बदलाव लाता है, और उसे बीमार परिस्थितियों में रहने व खराब आहार से परिचित कराता है। वह प्रदूषण के संपर्क में आता है। धूम्रपान और शराब के सेवन की भी आशंका बढ़ती है। इसलिए, दिल्ली या अन्य प्रमुख शहरों को शहरी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए शेष भारत का मार्गदर्शन करने की जरूरत है, जो आने वाले वर्षों में एक बड़ी जरूरत बनकर हमारे सामने खड़ी हो सकती है। हालांकि, दिल्ली ने सरकारी स्कूलों के लिए कार्यात्मक स्कूल स्वास्थ्य सेवाएं होने का दावा किया है, लेकिन उनकी कार्यक्षमता नाममात्र है। स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य का रिकॉर्ड रखना सीमित है और सेवाएं सालाना होने वाली स्वास्थ्य जांच तक सीमित हैं। प्रदर्शन और कार्यक्षमता का मूल्यांकन भी सीमित है। इसी तरह, मानसिक स्वास्थ्य एक ऐसा क्षेत्र है, जिस पर चर्चा तो होती रहती है, पर पर्याप्त कार्रवाई नहीं की जा रही। दिल्ली में ही मानसिक रोगियों की संख्या कम नहीं है। लिहाजा, इस मुद्दे पर सार्वजनिक ध्यान देने की जरूरत है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि सार्वजनिक संवाद और समझ को बढ़ाना होगा, क्योंकि जिस तरह लोगों को शारीरिक बीमारियों से निपटने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरत है, उसी तरह मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर भी उनको समान सोच रखनी चाहिए। मानसिक रोगों को अन्य बीमारियों की तरह देखने की समझ लोगों में बढ़ानी होगी। यहां प्रदूषण को भी नजरंदाज नहीं कर सकते।

आश्चर्य होता है कि मोदी या भाजपा के बैर ने उन्हें इतना अंधा बना दिया है कि वे सही एवं गलत में भी अंतर नहीं करना चाहते। धरने पर बैठे राहुल गांधी भगवान रामलला के भव्य मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जो बोले वह अपनी जगह है, हद तो वीरप्पा मोइली ने भी की है, किंतु इन सब के बयानों से बढ़कर यदि किसी ने इस वक्त नफरत भरी घृणित शब्दावली का प्रयोग किया है तो वह हैं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी। एक राज्य के महत्वपूर्ण संविधानिक शीर्ष पद पर बैठे किसी व्यक्ति से इस प्रकार के शब्दों के बोलने की उम्मीद कोई नहीं करता, जैसा ममता बोल गई हैं।

देश दुनीया से

ममता की घृणित राजनीति

राजनीति करते-करते किस सीमा तक गिरा जा सकता है, इसके अनेकों उदाहरण विपक्षी दल के नेताओं के इस समय देखे जा सकते हैं। आश्चर्य होता है कि मोदी या भाजपा के बैर ने उन्हें इतना अंधा बना दिया है कि वे सही एवं गलत में भी अंतर नहीं करना चाहते। धरने पर बैठे राहुल गांधी भगवान रामलला के भव्य मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जो बोले वह अपनी जगह है, हद तो वीरप्पा मोइली ने भी की है, किंतु इन सब के बयानों से बढ़कर यदि किसी ने इस वक्त नफरत भरी घृणित शब्दावली का प्रयोग किया है तो वह हैं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी। एक राज्य के महत्वपूर्ण संविधानिक शीर्ष पद पर बैठे किसी व्यक्ति से इस प्रकार के शब्दों के बोलने की उम्मीद कोई नहीं करता, जैसा ममता बोल गई हैं। 'जो काफिर हैं वो डरते हैं, मरते हैं'। दुख यह सोचकर होता है कि काफिर शब्द के बारे में क्या ममता जानती नहीं हैं? सदियों से यह शब्द किन के द्वारा किन्हें संबोधित करने के लिए उपयोग में लाया जाता रहा है और आज भी उसी तरह से उपयोग में लाया जा रहा है; क्या यह भी वे नहीं जानती हैं? भारतीय ज्ञान परंपरा में शब्द को ब्रह्म की संज्ञा दी गई है, प्रत्येक शब्द के पीछे गहरे निहितार्थ छिपे रहते हैं। ऐसे में काफिर शब्द जिस अर्थ में उपयोग किया जाता है, उस अर्थ में यह शब्द इस्लाम में भाषायी दृष्टि से यह अरबी से आया है। इसका उपयोग उनके लिए होता है जिनका विश्वास इस्लाम में नहीं है। यदि इसके अधिक विस्तार में जाएं तो ₹वह व्यक्ति जो इस्लाम की मान्यताओं के अनुसार अल्लाह और उसके रसूल प्रोफेट मोहम्मद को नहीं मानता है। फिर चाहे वह किसी भी धर्म का हो और किसी भी धर्म की मान्यता के अनुसार ईश्वर में आस्था रखता हो उसके लिए इतिहास में ₹काफिर₹ शब्द का प्रयोग है। आसान भाषा में उन लोगों के लिए ये शब्द है जो गैर-मुस्लिम है। जो इस्लाम में नहीं मानते हैं। काफिर को लेकर जो पर्यायवाची प्रायः मिलते हैं वे भी इसी अर्थ में यही बता रहे हैं कि ₹अस्वीकार करने वाला₹, ₹इनकार करने वाला₹, ₹अविश्वास करने₹, ₹ढकने वाला₹, जो खुदा और कुरआन को न मानता हो और जो गैर-मुसलमान है। जो इस्लाम को नहीं मानें वे काफिर या कुफ्र हैं। काफिर का मतलब 'मारने योग्य' भी होता है। भाषायी दृष्टि से जिस सीएम के नाम में 'ममता' शब्द है ममत्व एवं मातृत्व की जिसमें झलक सभी को समान रूप से दिखनी चाहिए, वह ममता नाम रखने वाली मुख्यमंत्री जब विभेद पैदा करनेवाली बातें अपनी जुबान से निकालती हैं, तो लगता है कि भारत में जब तक इस तरह के नेता रहेंगे यह देश कभी एकत्व को प्राप्त नहीं कर पाएगा। आश्चर्य होता है यह देखकर कि जिस समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत देश और दुनिया के तमाम देशों में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की खुशियां मनाई जा रही थीं, उस समय में ममता पश्चिम बंगाल के आम लोगों को अपनी जहरीली जुबान से भड़काने का काम कर रही थीं। वह भी 'सर्व धर्म समभाव' नाम से बुलाई गई रैली में। यहां वे लोगों को कड़ी चेतावनी देते हुए बोली हैं कि जो बीजेपी का समर्थन करते हैं या उसे वोट देते हैं। उन्हें देखेंगे।...एक बात याद रखना, बीजेपी की मदद मत करो, बीजेपी का अगर तुम लोग मदद करोगे कोई, तो अल्लाह की कसम, आप लोगों को कोई माफ नहीं करेगा, हम तो माफ नहीं करेंगे। फिर आगे बोलीं, "जो काफिर हैं, वो डरते हैं, वो मरते हैं, जो लड़ते हैं वो जिंदा रहते हैं, वो बसते हैं, वो काम करते हैं। जब सोशल मीडिया पर उनका यह विवादास्पद वीडियो आया तो लगा कि एक तरफ भारत की एकात्मता के जय घोष के स्वर अयोध्या से गुंजायमान होकर संपूर्ण विश्व को आनन्दित कर रहे हैं और दूसरी तरफ ममता जैसे लोग हैं जोकि अभी भी एक सामान्य जन में नफरत के बीज बोने में लगे हुए हैं। यहां सोचने वाली बात यह भी है कि क्या इस तरह से ममता पहली बार बोल रहीं थीं? अनेक वीडियो सोशल मीडिया में मौजूद हैं जो बता रहे हैं कि ममता बनर्जी को बहुसंख्यक हिन्दू समाज से बहुत हैं, इस संदर्भ में उनके लिए गए रामनवमी निर्णय, हिन्दू साधुओं की पिटाई मामला या फिर हिन्दू विरोधी गतिविधियों पर मूक बने रहने के रूप में देखा भी जा सकता है। हर बार उन्होंने अपने आचरण से यही बताया है कि वे मुसलमानों को खुश रखने की राजनीति करती हैं। 'खेला होबे' भी उनका इसी तरह का बयान है, सभी जानते हैं कि पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान ममता के द्वारा इस शब्द के बोले जाने के बाद पश्चिम बंगाल का क्या दृश्य था। पूरा बंगाल जल उठा था। वास्तव में आज ऐसे शीर्ष पद पर बैठे किसी भी व्यक्ति से यह उम्मीद नहीं की जा सकती, बल्कि कहना चाहिए कि अन्य किसी को भी इस प्रकार की भाषा का उपयोग नहीं करना चाहिए जोकि समाज जीवन में वैमनस्यता का कारण बने।

आप का नजरीया

चुनावी दहलीज पर परेशान पाकिस्तान

जब भारत सरकार लगातार अपनी मजबूती का इजहार कर रही है, तब पाकिस्तान सरकार की कमजोरियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जब पाकिस्तान के आम चुनावों में सिर्फ कुछ दिन बचे हैं, तब भी अगर किसी यक्ष प्रश्न की तरह थोड़े-थोड़े अंतराल पर यह पूछा जाए कि चुनाव तय समय, यानी 8 फरवरी को होंगे या टल जाएंगे, तो आप इसी निष्कर्ष पर पहुंचेंगे कि पूरे तंत्र में ही घुन लग गया है। पाकिस्तान में यही हो रहा है। राज्य के दो महत्वपूर्ण हिस्सेदारों- फौज और न्यायपालिका द्वारा स्पष्ट घोषणा के बावजूद कि देश में आम चुनाव 8 फरवरी को होंगे, कोई इस पर पूरी तरह विश्वास नहीं कर पा रहा है। इस अविश्वास के कारण भी बड़े स्पष्ट हैं। 10 अप्रैल, 2022 की आधी रात को एक अविश्वास प्रस्ताव के जरिये तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान को पद से हटना पड़ा था और तभी से वहां यही नाटक चल रहा है। विपक्ष में बैठने की जगह इमरान ने फौरन चुनाव कराने का दबाव बनाने के लिए अपनी पार्टी के साथियों सहित नेशनल असेंबली से इस्तीफा दे दिया और फौरी सफलता न मिलने के बाद पूरे देश में जनांदोलनों की झड़ी लगा दी, पर सेना के नए प्रमुख जनरल आसिफ मुनीर के समर्थन से लैस शाहबाज शरीफ सरकार ने उनको निर्ममता से कुचल दिया। एक मास्टर स्ट्रोक की तरह इमरान ने पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा की अपनी प्रादेशिक सरकारों से भी इस्तीफा दिलवा दिया कि सांविधानिक मजबूरियों के चलते चुनाव आयोग को चुनाव कराने ही पड़ेंगे, पर उनका हर दांव उलटा पड़ा। इस मौके पर इमरान खान के साथ खड़ी न्यायपालिका भी उनकी कोई मदद नहीं कर पाई और सेना के समर्थन ने सुनिश्चित किया कि चुनाव तब हों, जब इमरान और उनकी पार्टी के अधिकांश नेता जेल के भीतर चले जाएं और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के खिलाफ दायर सारे पुराने मुकदमे खत्म होकर उनके फिर से चुनाव लड़ने का रास्ता खुल जाए। इस बीच सुप्रीम कोर्ट में इमरान समर्थक चीफ जस्टिस उमर अता बल्दियाल के रिटायर होने, उनके घोषित दुश्मन काजी फायज ईसा के चीफ जस्टिस बनने और उनसे सहानुभूति रखने वाले दो अन्य जजों के इस्तीफा देने से उनकी स्थिति और भी कमजोर हो गई है। इस पृष्ठभूमि में हो रहे चुनावों में फिर क्यों आशंका उठाई जा रही है कि ये अब भी टल सकते हैं? संभवतः इनके पीछे पुराने अनुभव हैं, जिनके चलते पाकिस्तान में सांविधानिक संस्थाओं की हैसियत कभी मजबूत नहीं हो पाई, पर जैसे-जैसे चुनाव की तिथि 8 फरवरी करीब आती जा रही है, काफी हद तक तय होता जा रहा है कि चुनाव हो जाएंगे। यह अलग बात है कि चुनावी नतीजों की वैधता को लेकर संशय बरकरार रहेगा। पिछले कई चुनावों की तरह सेना ने इस बार भी अनौपचारिक रूप से अपना प्रधानमंत्री घोषित कर रखा है। इस बार नवाज शरीफ उसके उम्मीदवार हैं और बावजूद इसके कि इमरान खान लोकप्रियता के पैमाने पर उनसे बहुत आगे हैं, राजनीतिक पंडितों के मन में उनके चौथी बार प्रधानमंत्री बनने में कोई संशय नहीं है। इमरान और उनके ज्यादातर बड़े समर्थक जेलों में हैं, उनकी पार्टी पीटीआई का चुनाव चिह्न बल्ला जब्त कर लिया गया है।

भरोसे लायक नहीं हैं नीतीश कुमार : कैप्टन अजय यादव

गुरुग्राम (हिंस)। हरियाणा के पूर्व मंत्री एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के समधि कैप्टन अजय सिंह यादव ने कहा कि नीतीश कुमार स्वार्थ की राजनीति कर रहे हैं। जनता की भावनाओं की कदर नहीं कर रहे हैं। नीतीश कुमार भरोसे के लायक बिल्कुल नहीं है। उन्होंने अपनी स्वार्थपरक मानसिकता और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के लिए बिहार की जनता के साथ धोखा किया है। यह बात उन्होंने रविवार को यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ सेक्टर-15 पार्ट 1 व सेक्टर-4 में हर घर कांग्रेस घर घर कांग्रेस अभियान के दौरान कही। अजय सिंह यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की सभी नीतियां जनता के हित में है और कांग्रेस ही एक ऐसी पार्टी है जो आम आदमी का भला कर सकती है। उन्होंने निशाना साधते हुए कहा कि आज भाजपा सरकार से समाज का हर वर्ग दुखी है। सरकार की जन विरोधी नीतियों के चलते महंगाई और बेरोजगारी लगातार बढ़ती जा रही है जिससे जनता में रोष है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम की जनता आज भी सरकारी अस्पताल की बिल्डिंग, बस स्टैंड, यूनिवर्सिटी, मेट्रो का विस्तार नहीं हुआ, ओल्ड गुड़गांव जाम से जूझ रहा है, खेडड़ी डोला टोल नहीं हटाया गया, नगर निगम भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुका है, लेकिन जनता के सूध लेने वाला कोई नहीं है। कैप्टन अजय सिंह यादव ने लोगों से अपील की यदि उन्होंने अपना आशीर्वाद दिया और गुरुग्राम लोकसभा क्षेत्र से सांसद बनाया तो गुरुग्राम के रुके हुए सभी कार्य पूरे किए जाएंगे। वरिष्ठ कांग्रेस नेता पंकज डावर ने कहा कांग्रेस पार्टी ने संकल्प लिया है कि कांग्रेस पार्टी की सरकार बनने पर 500 रुपए में गैस सिलेंडर, ओल्ड पेंशन स्कीम दोबारा चालू की जाएगी। बिजली की 200 यूनिट फ्री, बुजुर्गों को 6000 रुपए पेंशन, गरीबों को मुफ्त प्लांट के अलावा महंगाई कम करने के प्रयास किए जाएंगे और युवाओं को पक्की नौकरी दी जाएगी। इस मौके पर उनके साथ वरिष्ठ कांग्रेस नेता पंकज डावर, पर्ल चौधरी, महिला जिला अध्यक्ष निर्मल यादव, सुनीता रंगा, एडवोकेट सुबे सिंह यादव, एडवोकेट के एस राव, शेखर गुज्जर, राजपाल यादव, सुनील यादव, योगेश शर्मा, राज सहरावत, रत्न सिंह दहिया, कपिल कुमार, कैप्टेन आर के शर्मा, दिनेश भारद्वाज, नरेश वशिष्ठ, मीनू शर्मा, महेंद्र राठी, अंकित यादव, मुकेश सिंगला, प्रवेश शर्मा, संजय शर्मा इत्यादि मौजूद रहे।

बिहार में जंगल राज पार्ट-2 का अंत हो गया : तारकिशोर

कटिहार (हिंस)। पूर्व उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार बनने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए की सरकार बनने से बिहार में जंगल राज पार्ट-2 का अंत हो गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, दोनों उप मुख्यमंत्री एवं उनके साथ नई सरकार के मंत्रिपरिषद में शामिल सभी मंत्रियों को बधाई देते हुए कहा कि एनडीए सरकार के गठन के बाद अब बिहार में सुशासन का राज स्थापित होगा और राज्य में विकास कार्यों को रफ्तार मिलेगी। उन्होंने कहा कि बिहार में फिर से नया सवेरा हुआ है। आने वाले दिनों में भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों का भारत बनाने में बिहार महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा और तरक्की के मार्ग पर तेजी से अग्रसर होगा।

लखनऊ में केशव मौर्य बोले, राम, कृष्ण, विश्वनाथ तीनों लेंगे एक साथ...

श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के समय लगाते थे यह नारा

लखनऊ (हिंस)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने रविवार को लखनऊ में एक मंच से कहा कि राम, कृष्ण और विश्वनाथ तीनों मंदिर लेंगे एक साथ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र व प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी, जिसकी वजह से 500 वर्ष बाद रामलला अपने जन्म स्थान पर विराजमान हुए। अभी दो दिन पहले एएसआई की रिपोर्ट भी सामने आई है, जो उन्होंने देखी है। इसके बाद उप मुख्यमंत्री ने हाथ उठाकर मंच से हर-हर महादेव का जयकारा लगाया। श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में अखिल ब्रम्हांड के नायक रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के बाद रामोत्सव के अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने लखनऊ में रामकथा का आयोजन किया था। कथावाचक देवकीनंदन ठाकुरजी महाराज रामकथा का वाचन कर रहे थे। रविवार को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या रामकथा का श्रवण करने पहुंचे थे। उप मुख्यमंत्री मौर्या ने भरे मंच से कहा कि राम, कृष्ण और विश्वनाथ तीनों मंदिर लेंगे एक साथ। केशव ने कहा कि हम कुछ भी भूले नहीं हैं। पुरानी समय को याद करते हुए कहा कि वे बचपन में आरएसएस के स्वयंसेवक रहे हैं। विश्व हिंदू परिषद के संगठन मंत्री के तौर पर भी काम किए हैं।

राजस्थान में बने विश्व के पहले ओम आकृति के शिव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 19 को

पाली (हिंस)। यूपी के अयोध्या में रामलला का प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को हो गया है। रामलला अपने गर्भगृह में विराज चुके हैं। अब राजस्थान के पाली में प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी जोरों-शोरों से चल रही है। इस सृष्टि के रचियता कहे जाने वाले त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु, महेश को (ओम) का प्रतीक माना जाता है। ओम का निराकार स्वरूप धरती पर पहली बार राजस्थान में साकार हुआ है। यहां भोलेनाथ का मंदिर ओम के आकार में 28 वर्षों से बन रहा था। मंदिर अब बनकर तैयार हो चुका है। अब सिर्फ प्राण प्रतिष्ठा के दिन का इंतजार हो रहा है। राजस्थान के पाली जिले में जाडन गांव में शिलान्यास के करीब तीन दशक बाद *ओम आकार* का भगवान शिव का मंदिर बनकर तैयार हो गया है। ओम के आकार में यह दुनिया का पहला शिव मंदिर होगा। ओम के आकार में बने शिव मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा का दिन और तारीख तय कर दी गई है। 19 फरवरी 2024 को इस भव्य शिव मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा होगी। मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, एमपी के सीएम मोहनलाल यादव, राजस्थान के सीएम भजन लाल शर्मा, राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी समेत कई अन्य अतिथि भी शामिल होंगे। भव्य व आकर्षक दिखने वाले मंदिर का शिलान्यास वर्ष 1995 में हुआ था। मंदिर के स्वामी महेश्वरानंद महाराज का दावा है कि पूरे भूमंडल पर ओम आकृति का यह पहला मंदिर है। जाडन के सचिव स्वामी फूलपुरी ने बताया कि विश्वदीप गुरुकुल में स्वामी महेश्वरानंद के आश्रम में ओम की आकृति वाले इस भव्य शिव मंदिर का निर्माण बीते 28 साल से जारी था। करीब 250 एकड़ में फैले आश्रम के बीचों-बीच इस मंदिर को बनाया गया है। ओम आकृति वाला यह शिव मंदिर चार खंडों में विभाजित है। एक पूरा खंड भूगर्भ में बना हुआ है। जबकि तीन खंड जमीन के ऊपर हैं। बीचों-बीच स्वामी माधवानंद की समाधि है। भूगर्भ में समाधि के चारों तरफ सप्त ऋषियों की मूर्तियां हैं। ओम आश्रम जाडन पाली का निर्माण उत्तर भारत की नागर शैली स्थापत्य कला व वास्तु कला के आधार पर किया गया है। करीब आधा किलोमीटर के दायरे में फैले ओम की आकृति के इस शिव मंदिर का निर्माण कार्य 1995 में शुरू हुआ था।

सबकी समस्या का निस्तारण सरकार की प्राथमिकता : योगी

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं 250 लोगों की समस्याएं

गोरखपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ाके की ठंड के बावजूद रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में 250 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सभी को आश्वस्त किया सबकी समस्या का निस्तारण करना सरकार की प्राथमिकता है। किसी के साथ अन्याय नहीं होगा। योगी ने लोगों के प्रार्थना पत्र को अधिकारियों को हस्तगत किया और समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। शनिवार शाम गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में आयोजित जनता दर्शन में वहां जुटे सभी लोगों से एक-एक कर मुलाकात की। ध्यान से उनकी बातें सुनीं और उनके प्रार्थना पत्र लिए। उन्होंने आत्मीयता से सभी को समस्या निस्तारण का भरोसा देते हुए कहा कि किसी की चिंता करने या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। सबकी समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाएगी। उन्होंने पुलिस व राजस्व से जुड़े मामलों में कार्रवाई करने में अनावश्यक विलंब न होने की हिदायत दी तो जमीन कब्जा करने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए दबंग और भू-माफिया पर नकेल कसने के निर्देश दिए। पुलिस से जुड़े कुछ मामलों पर मुख्यमंत्री ने कहा प्राथमिकी दर्ज करने और उसके बाद विधिक कार्रवाई में कोताही नहीं होनी चाहिए। इलाज में सहायता के लिए पहुंचे लोगों को भी आश्वास्त किया।

कानपुर में राम जानकी मंदिर के प्रबंधक को मिली जान से मारने की धमकी

कानपुर (हिंस)। कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित राम जानकी मंदिर के प्रबंधक को जान से मारने की धमकी मिली है। पुलिस ने रविवार को मंदिर पर चस्पा किए गए पर्चे सहित अन्य धमकी भरे पर्चों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त पूर्वी तेज स्वरुप सिंह ने बताया कि कोतवाली क्षेत्र में मेस्टन रोड स्थित राम जानकी मन्दिर में पोस्टर चिपका कर कुछ अराजकतत्वों ने मंदिर के प्रबंधक रोहित साहू को धमकी भरा पत्र लिखकर एक पर्ची दीवार में चस्पा किया है और दो तीन वहीं फेंक दिया है। मौके का निरीक्षण करने के बाद इस संबंध में मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरे सहित अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

बिहार में एनडीए की सरकार बनने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह

बेतिया (हिंस)। बिहार में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। रविवार को भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री नीरज कुमार बब्लू के नेतृत्व में कार्यकर्ताओ ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। ओबीसी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री नीरज कुमार बब्लू ने कहा कि बिहार में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनने से बिहार का चौमुखी विकास होगा और बिहार तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। सबका साथ सबका विकास और सबके विश्वास की एक बार फिर बिहार में सरकार बनी है। मौके पर जिला महामंत्री चंद्रमा सिंह, दिग्विजय सिंह उर्फ पप्पू सिंह, वरिष्ठ नेता देवीदयाल प्रसाद,युवा अध्यक्ष नागेंद्र राव, विरेन्द्र राव, मनोज राव, चंदन कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

खानपान की गलत आदतों से तेजी से बढ़ रही कोलोरेक्टल कैंसर रोगियों की संख्या

जयपुर (हिंस)। भारत में जिस तेजी से वेस्टर्न वर्ल्ड के खाने-पीने की आदतों को अपनाना शुरू किया है उसी तेजी से भारत में कोलोरेक्टल कैंसर रोगियों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। एक सामान्य भारतीय परिवार भी सप्ताह में एक से दो बार होटल, रेस्त्रो या स्ट्रीट फूड खाना पसंद करता है। साथ ही स्मोक और ग्रिल किया हुआ भोजन (बाब्रिक्यू) खाना पसंद करता है, जो कि नुकसानदायक होता है। यह कहना है कोयंबटूर के जीआई सर्जन डॉ. एस राजपांडियन का। भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की ओर से राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में चल रही इंटरनेशनल कांफ्रेंस बीएमकॉन कोर-8 दौरान देश-विदेश से आए कोलोरेक्टल कैंसर के विशेषज्ञों की ओर कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई। कांफ्रेंस के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री डॉ. शशिकांत सैनी ने बताया कि कांफ्रेंस के पहले दिन पांच लाइव सर्जरी की गई जिनका आरआईसी में लाइव टेलीकास्ट किया गया। देश के ख्याति प्राप्त जीआई सर्जन की ओर से एडवांस सर्जिकल प्रोसीजर के बारे में बताया गया। इसके साथ ही करीब 18 सेशन आयोजित हुए जिसमें यूएसए के डॉ. पारूल शुक्ला, मुंबई के डॉ. अवनीश सकलानी, अहमदाबाद से डॉ. जगदीश एम कोठारी, पुणे से डॉ. अमोल बापे और श्रीनगर से डॉ. शबनम बशीर ने शामिल हुए। कांफ्रेंस के उदघाटन समारोह के मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल एस आर मेहता, एवीएसएम, वीएसएम, पीएचएस, डायरेक्टर, जनरल मेडिकल सर्विसेज आर्मी (रिटायर्ड) ने कैंसर रोग की पहचान समय पर होने पर जोर दिया। बीएमसीएचआरसी की ओर से चलाए जा रहे स्क्रीनिंग कार्यक्रम कैंसर जांच आपके द्वार की प्रशंसा करते हुए उन्होंने इस तरह के कार्यक्रम को आज के समय में बहुत उपयोगी बताया। उद्घाटन समारोह में आरयूएचएस के वाइस चांसलर डॉ. सुधीर भंडारी और उदयपुर के डॉ. सीपी जोशी ने कांफ्रेंस के जरिए कॉलोनी और रेक्टल कैंसर विषय पर की जा रही चर्चाओं को महत्वपूर्ण बताया। सॉलिड ट्यूमर की पहचान अब लिक्विड बायोप्सी के जरिए संभव है। सॉलिड टयूमर की पहचान के लिए बॉयोप्सी आवष्य जांच होती है, लेकिन कई लोगों में इस जांच को लेकर भ्रम है कि बॉयोप्सी से कैंसर छीड़ जाता है और शरीर में फैल जाता है। ऐसे लोगों की संख्या भी काफी है जो अपने डर से बॉयोप्सी ही नहीं करवाते और उपचार से वंचित रहते है। ऐसे में लिक्विड बॉयोप्सी उनके लिए एक बड़ी राहत है। इसमें रक्त जांच के जरिए भी कैंसर की पहचान हो सकती है। हालांकि यह टेस्ट महंगा और एडवांस होने के कारण भारत में अभी बहुत ज्यादा प्रचलित नहीं हुआ है। पहले एडवांस स्टेज के कैंसर रोगियों में क्योर रेट (कैंसर मुक्त होने वाले रोगों का प्रतिशत) 5 फीसदी था, लेकिन यह अब 40 फीसदी तक पहुंच चुका है। एडवांस सर्जिकल प्रोसेस, इम्युनो थेरेपी जैसे कई नवीनतम उपचार पद्धतियों के कारण यह संभव हो पाया है। लेकिन आज भी लोगों में जागरूकता की कमी है, यही कारण है कि कैंसर रोगी आज भी पहली और दूसरी अवस्था में से ज्यादा तीसरी और चौथी अवस्था में उपचार के लिए चिकित्सक के पास पहुंचते है।

निकाय मंत्री ने कालोनीवासियों के साथ सुनी प्रधानमंत्री की मन की बात

हिसार (हिंस)। **प्रधानमं**त्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर आगे बढ़ रहा है। भारत अब विकासशील राष्ट्र से विकसित राष्ट्र की और अग्रसर है। दुनिया के अग्रणी देशों में अब हमारी गिनती होती है। यह सब प्रधानमंत्री के दृढ़ आत्मविश्वास और श्रेष्ठ भारत निर्माण के लिए उठाए गए कदमों का परिणाम है। यह बात शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने सेक्टर-14 स्थित समाजसेवी प्रमोद जैन के आवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का कार्यक्रम सुनने के बाद कही। उनके साथ आए मीडिया प्रभारी सुरेश गोयल धूपवाला, विधानसभा संयोजक रामचन्द्र गुप्ता व टेकचंद जैन भी रहे। निकाय मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि आज पंजाब केसरी लाला लाजपत राय की जयंती भी है। हम सभी उनको नमन करते हैं। हमें गर्व है कि लाला जी जैसी महान विभूति का हिसार से विशेष संबंध रहा है। यह उनका कार्य क्षेत्र भी रहा है। उन्होंने हिसार में वकालत करते हुए अनेक धार्मिक-सामाजिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है।

तेज रफ्तार ने चार नेपाली युवकों को रौंदा

सोनीपत (हिंस)। सोनीपत शहर में शनिवार को रात को मामा भांजा चौक पर तेज रफ्तार कार ने साइकिल सवार चार युवकों को रौंद दिया। इसमें चार नेपाली युवकों की मौत हो गई, एक स्कूटी चालक भी घायल हुआ जबकि कार में सवार तीन घायल हो गए हैं। शवों को सिविल अस्पताल सोनीपत में रखवाया गया है। वहीं तीन घायलों की हालत गंभीर देखते हुए पीजीआई रोहतक रेफर किया है। हादसे में मृत चारों युवक नेपाल के रहने वाले हैं। वे सोनीपत में वेटर का काम करते थे। शनिवार की रात को सोनीपत शहर में तीन साइकिलों पर सवार चार युवक जब मामा भांजा चौक पर पहुंचे तो एक अनियंत्रित कार ने साइकिल पर सवार चारों वेटरों को रौंद दिया। जिससे उनकी मौत हुई है। मृतकों की पहचान कमल, अर्जुन, दल बहादुर व अमर के रुप में हुई है।

विश्वविद्यालय, उद्योग और सरकार के साझा प्रयास से देश का विकास संभव : राज्यपाल

रांची (हिंस)। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि विश्वविद्यालय, उद्योग और सरकार के साझा प्रयास से देश का विकास संभव है। वर्तमान समय की जरूरत एवं तदनुसार उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न विषयों को विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल करना होगा। साथ ही सरकार को भी इसके अनुरूप माइक्रो लेवल पर नीति-निर्धारण करना पड़ेगा। इस प्रकार के साझा प्रयास एवं नीति-निर्धारण से ही हम विकसित देशों की श्रेणी में पहुंच सकते हैं और विकसित भारत-2047 के सपनों को साकार कर सकते हैं। राज्यपाल रविवार को रांची के नामकुम में झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय एवं एमिटी विश्वविद्यालय में संयुक्त रूप से आयोजित *यूनिवर्सिटी इंडस्ट्री गर्वनमेंट (यूआईजी) समिट 2024* को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि विकास के लिए यह आवश्यक है कि सैद्धांतिक शिक्षा को प्रायोगिक रूप से धरातल पर उतारा जाय। नवाचार (इनोवेशन) और रचनात्मकता का वातावरण हमारे शिक्षण संस्थानों एवं औद्योगिक संस्थानों में हो। इसको बढ़ावा देने के लिए सरकार की नीतियां भी कारगर हो। ऐसे वातावरण के विकसित होने से और

प्रतियोगिता एवं प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा और विद्यार्थियों में निहित प्रतिभाएं सामने आयेगी। इन प्रतिभाओं के सामने आने से विकास के नए आयाम स्थापित होंगे। पुरानी तकनीक को पुनर्भाषित करते हुए नित्य-नई तकनीक को पुर्नस्थापित करने की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि इसमें असफलता भी आयेगी लेकिन इससे घबराना नहीं है। राज्यपाल ने कहा कि भारत के विकास में नई शिक्षा नीति महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आज का यह समिट समावेशी विकास के लिए युवाओं को प्रेरित करेगा। वे आधुनिक ज्ञान के साथ-साथ पारम्परिक ज्ञान एवं तकनीक को बढ़ावा देकर संगठित उद्योग के रूप में विकसित करेंगे। विकसित भारत की परिकल्पना तभी साकार होगी जब झारखंड विकसित होगा।

नशे के लत की पहली सीढ़ी है शराब की दुकानें : साहनी

जम्मू (हिंस)। शिवसेना यूबीटी जम्मू-कश्मीर ईकाई ने धार्मिक स्थलों तथा शिक्षा संस्थानों के करीब शराब बिक्री के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए रविवार को जम्मू के जानीपुर तथा लोअर रूप नगर का दौरा कर आवाज बुलंद की। पार्टी प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने बताया कि जम्मू के अतिव्यस्त परेड चौक तथा जम्मू रेलवे स्टेशन के करीब शिव मार्किट के बाद आज उन्होंने जानीपुर के लक्कड़मंडी में एक निजि स्कूल के करीब शराब बिक्री के खिलाफ इलाके के निवासियों से विशेष तौर पर महिलाओं और युवाओं ने बातचीत की जिसपर तमाम लोगों ने कड़ा रोष प्रकट किया तथा आम जनता की कोई सुनवाई नहीं होने की बात कही। इलाके की एक महिला ने अपना नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा कि युवाओं में नशे का प्रचलन दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है शराब की आसानी से व डोर स्टेप पर उपलब्धता इसके लिए काफी हद तक जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि नशे के लत की पहली सीढ़ी शराब की दुकानें ही है। वहीं लोअर रूप नगर इलाके के लोगों ने साईबाबा मंदिर तथा जेडी, फ्लैट्स के करीब शराब बिक्री पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि अंधेरा होने पर महिलाओं का बाहर निकलना मुश्किल बन चुका है। इस शराब की दुकान के बाएं और दाएं दोनों तरफ कुछ गज की दूरी पर मंदिर है जिससे लोगों की धार्मिक भावनाएं भी आहत हो रही है। साहनी ने कहा कि जब तक धार्मिक, शिक्षा संस्थानों के करीब शराब बिक्री प्रतिबंधित नहीं किया जाता उनका अभियान जारी रहेगा। साहनी ने बताया कि कल विक्रम चौक के मां दुर्गा मंदिर के करीब शराब बिक्री के खिलाफ आवाज बुलंद की जाएगी। साहनी ने आम लोगों से इस अभियान को अपनी मंजिल तक पहुंचाने के लिए मुहिम का हिस्सा बनने की अपील की है। इसके साथ ही वंदे भारत सोशल मीडिया चौनल द्वारा निडरता के साथ सहयोग करने तथा लोगों के रोष को कैमरे में कैद करने पर धन्यवाद दिया है।

कोटा के आर्यन सिंह ने किसानों के लिए बनाया *एग्रो बोट 2.0*

कोटा (हिंस)। देश के किसानों को अपने खेत में फसलों की बुवाई, कटिंग, हार्वेस्टिंग, पैदावार और मिट्टी की उर्वरकता बढ़ाने के लिए महंगे उपकरण खरीदने की आवश्यकता नहीं रहेगी। कोटा के छात्र आर्यन सिंह ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर आधारित ऐसा सस्ता *एग्रो बोट-2.0* तैयार किया है, जिसकी मदद से किसान कहीं भी बैठकर अपनी पैदावार की प्रभावी मॉनिटरिंग कर सकेंगे। कोटा के आर्यन सिंह को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने साइंस एंड टेक्नोलॉजी क्षेत्र में नए इनोवेशन के लिए 22 जनवरी को राष्ट्रीय बाल शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया। नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 मिनट आर्यन से मिले और भारतीय किसानों के लिए बनाये गये अनूठे एग्रो बोट 2.0 की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने विश्वास दिलाया कि तुमने फसलों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अनूठा सस्ता रोबोट तैयार किया है, इसे देश के आम किसानों तक पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार मदद करेगी। प्रधानमंत्री ने मेरा साथी एप बनाने पर उसे माय जीओवी डॉट इन वेबसाइट पर ब्रांड एंबेसेडर बनाया है। एसआर पब्लिक स्कूल कोटा में कक्षा-9वीं से उसने अटल टेंकरिंग लैब में इस प्रोजेक्ट पर कार्य प्रारंभ किया था। कोरोना महामारी के दौरान मेंटर ओपी सोनी के साथ वह लगातार इस पर

काम करता रहा। 2023 में उसने एक बगीचे में सौर उर्जा के साथ इस एग्रो रोबोट का सफल परीक्षण किया। शहर के इंद्रा गांधी नगर निवासी 19 वर्षीय आर्यन सिंह ने बताया कि दादा उत्तरप्रदेश के गोरखपुर में छोटी सी खेती करते थे। ट्रेक्टर व अन्य मशीनें खरीदने के लिए उनके पास पैसे नहीं थे। तब उसने सोचा था कि वह बड़ा होकर किसानों के लिए सस्ता उपकरण तैयार करेगा। इंद्रा गांधी नगर में 20 साल से ईमित्र की दुकान चला रहे पिता जितेंद्र सिंह व मां मनसा देवी ने बताया कि आर्यन एसआर पब्लिक स्कूल में पढ़ते हुए एग्रीकल्चर में इनोवेशन करने में जुटा रहा। घर पर किताबें पढना और कंप्यूटर पर खोज करना उसकी रूचि रही। स्कूल में जाकर अटल टेंकरिंग लैब में कई घंटे बैठकर वह रोबोट तैयार करने में जुटा रहा। आर्यन बूंदी के सरकारी पॉलिटेक्नीक कॉलेज से कंप्यूटर सांइस में बीटेक कर रहे हैं। उसे 5 अंतर्राष्ट्रीय और 10 भारतीय अवार्ड मिल चुके हैं। इसमे यंग साइंटिस्ट ऑफ इंडिया अवार्ड 2020, रशियन यंग इनोवेटर अवार्ड 2021 व रशियन यूनिवर्सिटी से डिप्लोमा, कनाडा (टोरंटो) यंग इनोवेटर अवार्ड 2021 व सिल्वर मेडल, एटीएल टिंकर प्रिन्योर (शीर्ष 100 छात्र में शामिल) और एटीएल टिंकर प्रिन्योर मोस्ट कंसिस्टेंट स्टूडेंट्स में उसे चुना गया। किसान परिवार से होने के कारण उसका लक्ष्य छोटे किसानों तक सस्ता रोबोट पहुंचाने का है। अब वह आई स्टार्ट के जरिए इनक्यूबेशन ले रहा है, ताकि अपने स्टार्टअप आइडिया को बाजार तक पहुंचा सके। एआई बेस्ड एग्रोबोट को तैयार करने में 50 हजार की लागत आई है। कोटा में जबकि इसके लिए किसानों को लाखों रुपए की मशीन खरीदनी पड़ती है। आर्यन ने दावा किया कि इस सस्ते रोबोट को किसान उबड़-खाबड़ जमीन पर भी चल सकता है। गड्ढे से लेकर समतल जगहों तक ये काम करता है। साथ ही बीज बोने और फसलों की कटिंग में यह बहुत मददगार है। इसकी मदद से मिट्टी की उर्वरकता, पौधों की गणना, पानी की आवश्यकता के बारे में जान सकते ह। यह भी पता लगा सकते हैं कि कितनी फस्ल खराब हुई है, बाकी किस हालात में है। यह पूरी जानकारी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेस पर देता है। खरपतवार को अलग रंग देने के लिए उस पर तुरंत स्प्रे कर दिया जाता है, ताकि जब खेत में जाए तो उन पौधों को तुरंत उखाड़ कर अलग किया जा सके। यह रोबोट फसलों में कीट पतंगे, टिड्डी दल या फिर किसी जानवर के प्रवेश की जानकारी देता है। इसमें लगे सिक्यूरिटी कैमरे से पता चलता है कि खेत में किसी व्यक्ति ने प्रवेश किया है या जानवर ने। एसआर पब्लिक स्कूल के निदेशक अंकित राठी ने बताया कि डीएसटी व नीति आयोग द्वारा देशभर में कई स्कूलों में अटल टेंकरिंग लैब खोली गई हैं। इनमें राजस्थान के कोटा शहर की एटीएल से पहले छात्र ने किसानों के लिए उपयोगी व सस्ता रोबोट तैयार कर साइंस एंड टेक्नोलॉजी में नया अनुसंधान किया है। इसी आधार पर उसे राष्ट्रीय बाल शक्ति अवार्ड से सम्मानित किया गया है। आर्यन बीटेक की पढाई में छुट्टियों में अटल टिंकरिंग लैब आकर अपने रिसर्च प्रोजेक्ट पर काम करते हैं। राठी ने कहा कि एटीएल प्लेटफार्म से हम तकनीकी संसाधन व गाइडेंस देकर बच्चों को उनकी कल्पनाओं को साकार करने का अवसर दे रहे हैं। गत वर्ष लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पहल पर कोटा में आयोजित एग्रो फिस्ट में तत्कालीन केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर आर्यन सिंह का यह रोबोट देख बहुत प्रभावित हुए थे। उन्होंने कहा था कि जब यह प्रोडक्ट लांच होगा तो वो पहला ऑर्डर स्वयं देंगे।

क्रिप्टो पर नई सरकार ही लेगी निर्णय, अंतरराष्ट्रीय कायदा-कानून बनाने के लिए होगी विचार विमर्श

नई दिल्ली।

अमेरिकी शेयर बाजार की नियामक एजेंसी ने बिटक्काइन में शेयर बाजार के जरिए निवेश की अनुमति दे कर भारत समेत उन सभी देशों को सकते में डाल दिया है जो उसके साथ मिल कर क्रिप्टोकरेंसी नियमन पर एक अंतरराष्ट्रीय कायदा-कानून बनाने के लिए विमर्श कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो संकेत मिल रहे हैं उससे ऐसा लगता है कि जी-20 के कुछ और विकसित देशों के शेयर बाजारों में बिटक्काइन जैसे दूसरी क्रिप्टोकरेंसी के विनिमय को इजाजत देने की तैयारी में है। अपनी अध्यक्षता के दौरान भारत ने इस बारे में वैश्विक सहमति बनाने की पूरी कोशिश की थी और नई दिल्ली घोषणा-पत्र में भी इसे शामिल किया गया था। सदस्य के कुछ देशों के आगे जाने के बावजूद भारत सरकार की ऐसी कोई मंशा नहीं दिखती कि वह क्रिप्टोकरेंसी को लेकर अपने मौजूदा रूख में बदलाव करे। वैसे इस बारे में आंतरिक तौर पर सरकार के भीतर लगातार विमर्श का दौर चल रहा है।

क्रिप्टोकरेंसी को लेकर भारत का फैसला - कई जानकारों का मानना है कि क्रिप्टोकरेंसी को लेकर भारत को अब फैसला करना ही होगा क्योंकि अमेरिका में निवेश की इजाजत मिलने का विश्वव्यापी असर होगा। दुनिया के सबसे बड़े आर्थिक बाजार अमेरिका ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इस प्रौद्योगिक आधारित निवेश विकल्प को पूरी तरह से बंद करने के बजाये इसके नियमन के पक्ष में है। नई दिल्ली स्थित आर्थिक शोध एजेंसी जीटीआरआई की रिपोर्ट कहती है कि अमेरिका में किये गये फैसले का वैश्विक फंड फ्लो, विदेशी कारोबार, सोने की कीमत पर भी असर होगा, ऐसे में भारत के लिए यह संभव नहीं है कि वह कोई फैसला ही नहीं करे। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि आरबीआई भी बदलेगा और नियमन के लिए कोई रास्ता निकालेगा। आरबीआइ की तरफ से इससे जुड़े जोखिम को कम करते हुए उनके नियमन के लिए प्रौद्योगिक आधारित कोई उपाय किया जा सकता है।

मनी-लांड्रिंग या संगठित अपराध में क्रिप्टो का उपयोग - आरबीआई इस बात को लेकर ज्यादा चिंतित है कि क्रिप्टोकरेंसी में निवेशकों के गुममान रहने का जो मसला है उससे मनी-लांड्रिंग या संगठित अपराध के लिए पैसा देने जैसे काम किये जा सकते हैं। अमेरिका में भी इसका कोई समाधान नहीं निकाला गया है।

न्यूज ब्रीफ

कभी मांगता था तेल कीमतों में छूट, अब अपनी शर्तों पर क्रूड खरीद रहा है भारत

नई दिल्ली। पेट्रोलियम बाजार में कभी भारत तेल उत्पादक देशों के पीछे घूमता था और उनसे विशेष छूट मांगने का आग्रह करता था। आम तौर पर इस आग्रह को खाड़ी देशों के या दूसरे क्षेत्रों के तेल उत्पादक देश कोई कान नहीं देते थे। अब हालात बदल गये हैं। अपनी बढ़ती हुई इकोनमी और कच्चे तेल की बढ़ती मांग की वजह से दुनिया भर के तेल उत्पादक देश ना सिर्फ भारत के साथ लंबी अवधि की तेल बिक्री समझौता करना चाहते हैं बल्कि दो-दो महीने की क्रेडिट (आपूर्ति अभी, भुगतान बाद में) की सुविधा देने को तैयार हैं। अपनी शर्तों पर क्रूड खरीद सकता है भारत कुछ देश भारत को यहां तक गारंटी दे रहे हैं कि वह जितना चाहे उतनी क्रूड खरीद सकता है और इसमें उसे ढुलाई खर्च में भी राहत दी जाएगी। इन देशों में सिर्फ सउदी अरब और इराक जैसे देश नहीं है बल्कि अमेरिका जैसे तेल उत्पादक देश भी हैं जो भारत के बाजार में ज्यादा पैठ के लिए कूटनीतिक रास्ता भी अपना रहे हैं। पेट्रोलियम सेक्टर के उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि फरवरी, 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पेट्रोलियम बाजार में भारत की पूछ पहले से ज्यादा बढ़ी है। जो देश 30 दिनों की भी क्रेडिट नहीं देते थे वह अपनी तरफ से 60 दिनों की क्रेडिट देने को तैयार हैं। पिछले एक वर्ष के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी अस्थिरता के बावजूद जिस तरह से कीमतें 75 से 90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर में स्थिर रही हैं। खाड़ी क्षेत्र में हालात खराब होने के बावजूद क्रूड लगातार 75 डॉलर प्रति बैरल के करीब बनी हुई है। चीन और भारत दो सबसे बड़ी खरीददार ओपेक देशों के आंकड़े बता रहे हैं कि चीन और भारत ही दो सबसे बड़ी खरीददार देश रहेंगी। इसमें चीन की आर्थिक विकास दर को लेकर आशंका है लेकिन भारत की आर्थिक विकास लगातार मजबूत बनी हुई है। भारत की आर्थिक विकास दर औसतन 7 फीसद के करीब कई वर्षों तक रह सकती है। भारत में क्रूड की खपत भी तेजी से बढ़ रही है। यह एक वजह है कि तेल उत्पादक देश भारत को एक स्थिर खरीदार के तौर पर लुभाना चाहते हैं। दूसरी तरफ यूरोपीय देशों और अन्य एशियाई देशों की इकोनमी की रफ्तार भी वर्ष 2024 में बहुत खास नहीं रहने वाली। भारत का रणनीतिक सहयोगी देश अमेरिका भी भारत के साथ क्रूड को लेकर लंबी अवधि का समझौता करना चाहता है।

जेनरेटिव एआई हमारे परिचालन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है : नेटफ्लिक्स

सैन फ्रांसिस्को। नेटफ्लिक्स ने जेनरेटिव एआई पर खतरा जताते हुए कहा है कि ऐसी टेक्नोलॉजी उनके संचालन और अन्य कंपनियों के साथ प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) के साथ दायर अपनी वार्षिक रिपोर्ट में, स्ट्रीमिंग जायंट ने कहा कि जेनेरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के डेवलपमेंट और उपयोग सहित नए टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट्स तेजी से विकसित हो रहे हैं। कंपनी ने कहा, अगर हमारे प्रतिस्पर्धियों को ऐसी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर लाभ मिलता है, तो प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करने की हमारी क्षमता और हमारे संचालन के परिणामों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। नेटफ्लिक्स ने आगे कहा कि नई और उभरती टेक्नोलॉजी का उपयोग या अपनाने से इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी दावों के प्रति हमारा जोखिम बढ़ सकता है, और एआई-जनरेटेड मेटेरियल के लिए कॉपीराइट और अन्य इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी प्रोटेक्शन की उपलब्धता अनिश्चित है। जेनेरिक एआई-निर्मित एंटरटेनमेंट के लिए अभी शुरुआती दिन है, लेकिन चीजें तेजी से बदल सकती हैं। हाल ही में वॉल स्ट्रीट जर्नल के एक आर्टिकल में कहा गया है कि व्यापक रूप से उपलब्ध एआई टूल्स स्टोरी, करेक्टर आर्क और डायलॉग का सुझाव दे सकते हैं। कुछ प्रॉम्प्ट दिए जाने पर चैटजीपीटी एक बेसिक स्क्रिप्ट भी लिख सकता है। 2022 की फिल्म एवरीथिंग एवरीव्हेयर ऑल एट वन्स को बनाने में जेनरेटिव एआई का इस्तेमाल किया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पहले से ही जेनरेटिव एआई सिस्टम मौजूद हैं जो वीडियो बना सकते हैं। एआई का उपयोग डेटा-ड्राइवन प्रेडिक्शन प्रदान करने के लिए भी किया जा रहा है कि असामान्य कहानियां दर्शकों को कैसे प्रभावित करेंगी। पिछले साल मई में, स्ट्रीमिंग सर्विस प्रोग्रामिंग से फिल्म और टीवी लेखकों की आय को लेकर राइटर्स गिल्ड ऑफ अमेरिका (डब्ल्यूजीए) ने हड़ताल कर दी, और मांग की कि प्रोडक्शन कंपनियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या इसी तरह की टेक्नोलॉजी का उपयोग करके उत्पादित मटेरियल के उपयोग को विनियमित करें।

टॉप-10 कंपनियों में 7 का मार्केट-कैप 1.6 लाख करोड़ गिरा

एचडीएफसी की वैल्यू 32,661 करोड़ गिरी, एयरटेल सहित तीन की 31,017 की करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली/मुंबई।

जनवरी के आखिरी कारोबारी हफ्ते में मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देश की टॉप-10 कंपनियों में 7 का मार्केट-कैप 1.6 लाख करोड़ गिर गया है। अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा और गणतंत्र दिवस की छुट्टी के चलते केवल 3 दिन चले कारोबारी हफ्ते में एचडीएफसी बैंक सबसे बड़ा लूजर रहा है।

इस दौरान इसका मार्केट कैप 32,661 करोड़ गिरकर 10.90 लाख करोड़ रह गया है। वहीं भारती एयरटेल इस दौरान टॉप गेनर रही। इसके मार्केट वैल्यू में 20,728 की बढ़ोतरी हुई है। कंपनी का मार्केट कैप 6.52 लाख करोड़ हो गया है।

एलआईसी का वैल्यूएशन 20,683 करोड़ गिरा

एलआईसी का मार्केट कैप 20,683 करोड़ गिरकर 5.71 लाख करोड़ रह गया है। वहीं ञ्रष्टस् का मार्केट कैप 19,173 करोड़ गिरकर 13.93 लाख करोड़ रह गया है। इसके अलावा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया आईटीसी, एचयूएल और रिलायंस इंडस्ट्री के मार्केट कैप में गिरावट रही है।

तीन कंपनियों की वैल्यू 31,017 करोड़ बढ़ी

भारती एयरटेल के अलावा इंफोसिस और आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप भी बढ़ा है। इंफोसिस का मार्केट वैल्यू 9,152 करोड़ बढ़कर 6.93 लाख करोड़ हो गया है। वहीं आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 1,137 बढ़कर 7.09 लाख करोड़ हो गया है। इन तीनों कंपनियों के मार्केट वैल्यू में टोटल 31,017 करोड़ की बढ़ोतरी हुई है।

बीते हफ्ते सेंसेक्स में 982.56 अंक की गिरावट रही

शेयर बाजार में 25 जनवरी को गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 359 अंक की गिरावट के साथ 70,700 पर बंद हुआ।

वहीं निफ्टी में भी 101 अंक की गिरावट रही थी। ये 21,352 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में तेजी और 11 में गिरावट देखने को मिली है। आईटी, फार्मा और मेटल शेयर्स में गिरावट है। बीते हफ्ते सेंसेक्स में 982.56 अंक या 1.37 प्रतिशत की गिरावट रही।

मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर, जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की टोटल नंबर को स्टॉक की प्राइस से गुणा करके किया जाता है। मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है।

मार्केट कैप = (आउटस्टैंडिंग शेयरों की संख्या) × (शेयरों की कीमत)

मार्केट कैप के फॉर्मूले से साफ है कि कंपनी की जारी शेयरों की कुल संख्या को स्टॉक की कीमत से गुणा करके इसे निकाला जाता है। यानी अगर शेयर का भाव बढ़ेगा तो मार्केट कैप भी बढ़ेगा और शेयर का भाव घटेगा तो मार्केट कैप भी घटेगा।

मार्केट-कैप कैसे काम आता है

किसी कंपनी के शेयर में मुनाफा मिलेगा या नहीं इसका अनुमान कई फैक्टर्स को देख कर लगाया जाता है। इनमें से एक फैक्टर मार्केट कैप भी होता है। निवेशक मार्केट कैप को देखकर पता लगा सकते हैं कि कंपनी कितनी बड़ी है।

कंपनी का मार्केट कैप जितना ज्यादा होता है, उसमे निवेश करना उतना ही सुरक्षित माना जाता है। डिमांड और सप्लाई के अनुसार स्टॉक की कीमतें बढ़ती और घटती हैं। इसलिए मार्केट कैप उस कंपनी की पब्लिक पर्सीवड वैल्यू होती है।

एप्पल ने 2023 में ग्लोबल स्मार्टफोन बाजार में सैमसंग से शीर्ष स्थान छीना

मुंबई।

एप्पल 2023 में पहली बार वैश्विक स्मार्टफोन उद्योग में अग्रणी बन गई. कंपनी की बाजार में हिस्सेदारी अब 20.1 प्रतिशत हो गई है. एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी. सैमसंग, जो वर्षों से वैश्विक स्मार्टफोन लीडर रहा है, 19.5 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गया।

इंटरनेशनल डेटा कॉरपोरेशन (आईडीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्मार्टफोन शिपमेंट साल दर साल 3.2 प्रतिशत घटकर 2023 में 1.17 बिलियन यूनिट रह गई.

आईडीसी की वर्ल्डवाइड ट्रैकर टीम के अनुसंधान निदेशक नबीला पोपल ने कहा, एप्पल न केवल सालाना सकारात्मक वृद्धि दिखाने वाला शीर्ष 3 में एकमात्र खिलाड़ी है, बल्कि पहली बार सालाना नंबर 1 स्थान भी हासिल करता है।

एप्पल ने बढ़ती नियामक चुनौतियों और अपने सबसे बड़े बाजार चीन में हुआवेई से नए सिरे से प्रतिस्पर्धा का सामना करने के बावजूद यह उपलब्धि हासिल की.

पोपल ने कहा, एप्पल की चल रही सफलता और लचीलापन काफी हद तक प्रीमियम उपकरणों के बढ़ते चलन के कारण है, जो अब बाजार के 20 प्रतिशत से अधिक का प्रतिनिधित्व करता है, जो आक्रामक ट्रेड-इन ऑफर और ब्याज मुक्त वित्तपोषण योजनाओं से प्रेरित है.

बाजार के शीर्ष पर रैंकिंग में समग्र बदलाव स्मार्टफोन बाजार के भीतर प्रतिस्पर्धा की तीव्रता को और उजागर करता है

आईडीसी के वर्ल्डवाइड मोबिलिटी और कंज्यूमर डिवाइस ट्रैकर्स के समूह उपाध्यक्ष रयान रीथ ने कहा, एप्पल ने निश्चित रूप से सैमसंग की रैंक में गिरावट में भूमिका निभाई है, लेकिन समग्र एंड्रॉइड स्पेस अपने आप में विविध हो रहा है. रिपोर्ट में कहा गया है कि चीनी ब्रांड शाओमी वैश्विक स्तर पर 12.5 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर है।

कंटेंट मॉडरेशन टीम के लिए 100 कर्मचारियों को नियुक्त करेगा मस्क का एक्स

सैन फ्रांसिस्को।

एलन मस्क द्वारा संचालित एक्स कथित तौर पर ऑस्टिन, टेक्सस में एक नए ट्रस्ट और सेफ्टी ऑफिस के लिए 100 फुल-टाइम कर्मचारियों को नियुक्त कर रहा है। मस्क ने कंपनी का अधिग्रहण करने के बाद ग्लोबल लेवल पर ट्रस्ट और सेफ्टी टीमों को भंग कर दिया था।टीम कथित तौर पर चाइल्ड सेक्सुअल एक्सप्लाइटेशन मॉडरेशन (सीएसईएम) से संबंधित कंटेंट पर फोकस करेगी। एक्स सीईओ लिंडा याकारिनो सीएसईएम के एक्स के संचालन के संबंध में 31 जनवरी को सीनेट न्यायपालिका समिति के समक्ष पेश होने वाली हैं। रिपोर्ट के अनुसार, एक्स टीम अन्य मॉडरेशन प्रवर्तन में भी मदद करेगी, जैसे हेट स्पीच को प्रतिबंधित करना। कंपनी ने ऐसे रोल्स के लिए जॉब लिस्टिंग पोस्ट की है और कहा है कि मॉडरेटर स्पैम और धोखाधड़ी जैसे मुद्दों की जांच करेंगे और कस्टमर सपोर्ट प्रदान करेंगे। कंपनी ने अपने लेटेस्ट ब्लॉग पोस्ट में कहा, एक्स में, हम चाइल्ड सेक्सुअल एक्सप्लाइटेशन (सीएसई) के लिए जीरो टॉलरेंस रखते हैं और हम एक्स को उन एक्टर्स के लिए अमानवीय बनाने के लिए दृढ़ हैं जो नाबालिगों का

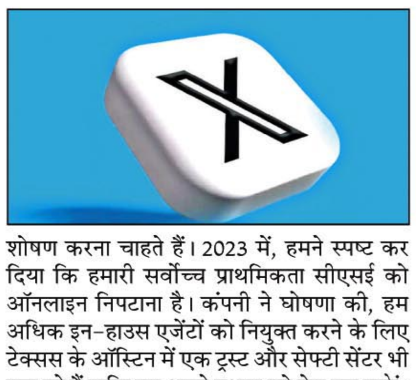

शोषण करना चाहते हैं। 2023 में, हमने स्पष्ट कर दिया कि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता सीएसई को ऑनलाइन निपटाना है। कंपनी ने घोषणा की, हम अधिक इन-हाउस एजेंटों को नियुक्त करने के लिए टेक्सस के ऑस्टिन में एक ट्रस्ट और सेफ्टी सेंटर भी बना रहे हैं ताकि हम अपने प्रभाव को तेज कर सकें। 2024 में, कंपनी ने कहा कि वह नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रेन (एनसीएमईसी) को रिपोर्ट करने के लिए प्लेटफॉर्म पर कंटेंट ढूंढने के लिए डिटेक्शन मैकेनिज्म में सुधार करेगी। 2023 में, एक्स ने अपनी सीएसई पॉलिसी का उल्लंघन करने के लिए 12.4 मिलियन अकाउंट को निलंबित कर दिया। यह 2022 में 2.3 मिलियन अकाउंट से ज्यादा है।

रियल एस्टेट में विदेशी निवेशकों द्वारा 30 प्रतिशत कम हुआ फंड फ्लो

नई दिल्ली।

भारतीय रियल एस्टेट में विदेशी निवेशकों से धन का प्रवाह पिछले साल 30 प्रतिशत गिरकर 2.73 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, लेकिन घरेलू निवेशकों से यह प्रवाह दो गुना से अधिक बढ़कर 1.51 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। वेस्टियन डेटा के अनुसार, रियल एस्टेट में कुल संस्थागत निवेश 2023 में 12 प्रतिशत घटकर 4.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जो पिछले वर्ष में 4.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। सलाहकार ने इस बात पर प्रकाश डाला कि उनके सतर्क रुख के कारण विदेशी फंड्स के निवेश में सालाना 30 प्रतिशत की गिरावट आई। आपको बताते चले कि घरेलू निवेशकों से 120 प्रतिशत की वृद्धि हुई। घरेलू निवेशकों ने पिछले साल 1,511 मिलियन अमेरिकी डॉलर (1.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर) का निवेश किया, जबकि 2022 कैलेंडर वर्ष में यह 687 मिलियन अमेरिकी डॉलर था। हालांकि, विदेशी फंडों का प्रवाह पिछले साल कम होकर 2,733 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि 2022 में यह 3,926 मिलियन अमेरिकी डॉलर था। जिस वजह से घरेलू निवेशकों की हिस्सेदारी 2022 में 14 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 35 प्रतिशत हो गई। पांच साल के निचले स्तर पर पहुंचा निवेश वेस्टियन के सीईओ श्रीनिवास राव ने कहा कि रियल एस्टेट क्षेत्र में मांग में अनिश्चितता के बावजूद, पूरे साल निवेश मजबूत रहा। घरेलू निवेशकों की आशावाद ने रियल एस्टेट बाजार को उत्साहित रखा, क्योंकि वे भारत

की विकास कहानी में विश्वास दिखाते रहे। हालांकि 2023 में निवेश पांच साल के निचले स्तर पर पहुंच गया, वेस्टियन को भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत प्रदर्शन और नियोजित बुनियादी ढांचे के विकास की एक स्वस्थ पाइपलाइन के कारण 2024 में पुनरुत्थान की उम्मीद है। विश्व अर्थव्यवस्था को स्थिर करना, भारत में मजबूत आर्थिक विकास, विशाल घरेलू उपभोक्ता आधार, कार्यालय से काम करने की नीतियों पर बढ़ता जोर, और राष्ट्रीय रसद नीति और मेक इन इंडिया पहल जैसी अनुकूल सरकारी नीतियां विदेशी और घरेलू निवेशकों को सक्रिय रूप से आकर्षित करने की संभावना है। भारत की विकास गाथा में भाग लें।

एसआईपी से तैयार कर सकते हैं बड़ा फंड

इससे म्यूचुअल फंड में जोखिम हो जाता कम

नई दिल्ली।

सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करना काफी आसान होता है। यह बचत और निवेश का एक बेहतरीन तरीका है। एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड पर पैसे लगाने को लेकर लोगों के मन में इससे जुड़ी कुछ गलतफहमियां हैं। हम आपको एसआईपी से जुड़ी कुछ खास बातें बता रहे हैं। ताकि आप भी म्यूचुअल फंड में निवेश करके आसानी से बड़ा फंड तैयार कर सकें।

लंबे समय वाला एसआईपी निवेश फायदे का सौदा होता है - म्यूचुअल फंड की कई किस्में हैं जैसे इक्विटी, डेट और हाइब्रिड फंड आदि। अक्सर देखा जाता है कि इक्विटी फंड में निवेश लंबे समय में अधिक लाभकारी साबित होता है। इसकी वजह यह है इक्विटी फंड में लंबे समय तक एसआईपी करने से शेयर बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का जोखिम कम हो जाता है। शेयर बाजार के निचले स्तर और ऊंचे स्तर का एक औसत रिटर्न बनता है और साथ ही कम्पाउंडिंग का फायदा भी मिलता है। लेकिन ऐसा नहीं है कि छोटी अवधि के लिए म्यूचुअल फंड नहीं हैं। निवेशक अपनी जरूरत और निवेश की अवधि को ध्यान में रखते हुए डेट या हाइब्रिड फंड में भी एसआईपी कर सकते हैं।

क्या एसआईपी निवेश का सबसे अच्छा तरीका है - शायद इसे निवेश का सबसे अच्छा तरीका कहना तो उचित नहीं होगा लेकिन यह नियमित आय वाले लोगों के लिए निवेश का अच्छा तरीका जरूर हो सकता है जैसे वेतनभोगी और कारोबारी जिनकी हर महीने एक निश्चित आय तय है। एसआईपी से निवेश जेब पर भारी नहीं पड़ता और छोटी- छोटी राशि लगातार निवेश करने से लम्बे समय में एक अच्छी खासी रकम जुटाई जा सकती है।

एसआईपी में फंड का चयन कितना महत्वपूर्ण है - एसआईपी के लिए सही फंड का चुनाव बहुत जरूरी है। सभी फंड एक जैसे नहीं होते। एक म्यूचुअल फंड किस तरह की प्रतिभूतियों या एसेट में निवेश करता है उस आधार पर उसमें जोखिम और रिटर्न देने की क्षमता कम या ज्यादा हो सकती है। साथ ही आपको कितनी राशि की एसआईपी करनी है यह आपको अपने वित्तीय लक्ष्य के आधार पर तय करना चाहिए।

हालांकि कई म्यूचुअल फंड में कम से कम सौ रुपए महीना की भी एसआईपी की जा सकती है लेकिन इससे शायद आपको अपना लक्ष्य हासिल करने में मदद ना मिले। इसलिए अपनी क्षमता के अनुसार जितना अधिक हो सके निवेश करें और समय के साथ एसआईपी की राशि को बढ़ाते भी रहें।

एसआईपी के जरिए इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए - इक्विटी फंड यानी ऐसे फंड जो निवेशकों के पैसों को शेयर बाजार में निवेश करते हैं। हालांकि इक्विटी म्यूचुअल फंड में जोखिम भी ज्यादा होता है लेकिन ऐतिहासिक तौर पर देखा गया है कि इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश लम्बे वक्त में अधिक रिटर्न देने की क्षमता रखता है।

एसआईपी में पैसा कब लगाना चाहिए - एसआईपी नियमित रूप से निवेश का एक तरीका है। बाजार का स्तर कुछ भी हो आप इसको जारी रख सकते हैं। अगर मंदी का दौर है तो आपको उन्हीं पैसों में अधिक यूनिट मिल जाएंगी और यदि बाजार में तेजी है तो कुछ कम यूनिट मिलेंगी और लम्बे समय में आपकी यूनिट की कीमत औसत हो जाएगी।

डेली एसआईपी में पैसा लगाना सही है या मंथली - एसआईपी में जरिए म्यूचुअल फंड्स में डेली, मंथली, क्वाटर्ली निवेश करने का विकल्प है। पिछले कुछ सालों में रिसर्च में जो फैक्ट्स सामने आए हैं उससे पता चलता है कि लम्बी अवधि में इस बात से कोई विशेष फर्क नहीं पड़ता कि आप एक महीने में कितनी बार एसआईपी कर रहें हैं यदि पूरे महीने की गई एसआईपी का योग समान है।

एसआईपी में किस समय पैसा लगाएं कि ज्यादा फायदा मिले - किस तारीख में एसआईपी करनी हैं इससे भी लम्बे समय में आपके रिटर्न पर कोई खास फर्क नहीं पड़ता। आप अपनी वेतन तिथि के करीब या जिन दिनों में आपके बैंक खाते में पैसे रहने की सम्भावना सबसे अधिक होती है आप उस दिन निवेश कर सकते हैं।

ऐतिहासिक ग्रैंड स्लैम जीतने के बाद मालामाल हुए रोहन बोपन्ना, इनाम में मिले करोड़ों रुपये

नई दिल्ली।

भारत के रोहन बोपन्ना ने अपने साथी मैथ्यू एबडेन के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत। वह पुरुष युगल इतिहास में सबसे उम्रदराज नंबर एक खिलाड़ी भी बन चुके हैं। दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने रॉड लेवर एरेना में गैर वरीय इतालवी जोड़ी सिमोन बोलेली और एंड्रिया वावसोरी पर 7-6 (7/0), 7-5 से जीत दर्ज की।

एक टीम के रूप में यह इन दोनों का पहला खिताब था और पिछले 60 ग्रैंड स्लैम के बाद बोपन्ना का पुरुष युगल में पहला खिताब था। बोपन्ना सबसे ज्यादा मैच खेलने के बाद चैंपियन बनने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। अगले सप्ताह नई रैंकिंग जारी होने पर 43 वर्षीय बोपन्ना पुरुष युगल इतिहास में सबसे उम्रदराज नंबर एक खिलाड़ी बन जाएंगे।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 के पुरुष युगल फाइनल के विजेता रोहन बोपन्ना और मैथ्यू एबडेन को कुल 730,000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की राशि मिली, जो लगभग तीन करोड़ 98 लाख भारतीय रुपये है। टेनिस के उच्च गुणवत्ता वाले खेल में, दूसरी वरीयता प्राप्त बोपन्ना और एबडेन ने एक घंटे और 39 मिनट तक चले फाइनल में सीधे सेटों में जीत हासिल की। भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने पूरे मैच के दौरान सर्विस पर अपना दबदबा बनाए रखा, अपनी पहली डिलीवरी के साथ 80 प्रतिशत (40/50) गेम जीते और एक शानदार सप्ताह में कभी भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं किया। केवल प्रतिष्ठित लिएंडर पेस और महेश भूपति ने पुरुष टेनिस में भारत के लिए बड़े खिताब जीते हैं, जबकि सानिया मिर्जा ने महिला टेनिस में ऐसा किया है। बोपन्ना के लिए यह उनका दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है, उन्होंने 2017 में कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोव्स्की के साथ फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल जीता था। 43 साल की उम्र में बोपन्ना पुरुष टेनिस में सबसे उम्रदराज ग्रैंड स्लैम चैंपियन भी बन गए। उन्होंने जीन-जूलियन रोजर के रिकॉर्ड को बेहतर किया, जिन्होंने 40 साल की उम्र में मार्सेलो अरेवोला के साथ 2022 में फ्रेंच ओपन पुरुष युगल ट्रॉफी जीती थी।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान ने भारतीय टीम के लिए जारी किया वीजा, 3-4 फरवरी को भिड़ेंगी दोनों टीमें

नई दिल्ली । नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग ने पाकिस्तान और भारत के बीच डेविस कप में विश्व ग्रुप -1 प्लेऑफ मैच खेलने के लिए सहयोगी स्टाफ सहित भारतीय डेविस कप टीम को वीजा जारी किया है। विश्व ग्रुप 1 प्ले-ऑफ मुकाबला तीन और चार फरवरी को इस्लामाबाद स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेला जाना है। नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के एक बयान में कहा पाकिस्तान उच्चायोग, नई दिल्ली ने डेविस कप खेलने के लिए सहयोगी स्टाफ सहित भारतीय डेविस कप टीम को वीजा जारी किया है। पाकिस्तान और भारत के बीच विश्व ग्रुप -1 प्लेऑफ मैच होना है। भारतीय डेविस कप टीम 1964 के बाद पहली बार पाकिस्तान की यात्रा करेगी। भारत ने 2019 में अपने सबसे हालिया तटस्थ साइट मैच में पाकिस्तान को 4-0 से हराया। इससे पहले, अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने पाकिस्तान के खिलाफ डेविस कप 2024 विश्व ग्रुप आई प्ले-ऑफ के लिए छह सदस्यीय भारतीय टेनिस टीम चुनी, जो तीन और चार फरवरी को इस्लामाबाद में होगी। मैच पाकिस्तान स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के ग्रास कोर्ट पर होंगे। पूर्व खिलाड़ी रोहित राजपाल भारतीय डेविस कप टीम के गैर-खिलाड़ी कप्तान बने रहेंगे, जबकि जीशान अली कोच होंगे। हालांकि, टीम को अनुभवी रोहन बोपन्ना की कमी खलेगी। 43 वर्षीय बोपन्ना ने सितंबर में मोरक्को के खिलाफ मैच में अपना अंतिम डेविस कप मैच खेला और भारत ने 4-1 से जीत हासिल की। डेविस कप के लिए टीम इंडिया: युकी भांबरी, रामकुमार रामनाथन, एन श्रीराम बालाजी, साकेत माइनेनी, निकी कालियांदा पूनाचा, दिग्विजय एसडी प्रज्वल देव (रिजर्व), रोहित राजपाल (कप्तान)। भारतीय टेनिस टीम का डेविस कप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1966, 1974 और 1987 में था, जब वे दूसरे स्थान पर रहे थे।

मैच फिक्सिंग के आरोपों को शोएब मलिक ने किया सिरे से खारिज

ढाका । पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शोएब मलिक ने मैच फिक्सिंग के आरोपों को सिरे से खारिज कर

दिया है। उन पर बांग्लादेश प्रीमियर लीग में मैच फिक्सिंग के आरोप लगाने के साथ ही फोरच्यून बारिशल टीम के साथ अनुबंध खत्म होने का दावा भी किया जा रहा है। इसके बाद सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों के अनुसार मैच फिक्सिंग के संदेह के कारण ही फ्रेंचाइजी ने मलिक का अनुबंध खत्म कर दिया है। 22 जनवरी को खुलना टाइगर्स के खिलाफ एक मैच के दौरान शुरूआती ओवर में तीन नोबॉल फेंके जाने के बाद यह दावा सामने आया है। इन आरोपों के बावजूद मलिक ने फ्रेंचाइजी के लिए एक और मैच खेला जिसके बाद बीपीएल 2024 का ढाका चरण समाप्त हुआ। इधर मलिक ने अपने 'एक्स अकाउंट पर लिखा- जब बात अफवाहों की हो तो मैं सतर्कता बरतने की महत्ता पर जोर देना चाहता हूं, विशेषकर हाल में जो अफवाहें चल रही हैं। उन्होंने कहा- मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मैं इन आधारहीन अफवाहों का खंडन करता हूं। सभी के लिए किसी भी जानकारी पर विश्वास करना और इस फैलाने से पहले जांच करना बहुत महत्वपूर्ण है। मलिक ने लिखा- झूठ से प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच सकता है और इससे गैर जरूरी भ्रम पैदा होता है। सच्चाई को प्राथमिकता दें और तथ्यों की समझ सुनिश्चित करने के लिए विश्वसनीय सूत्रों पर ही भरोसा करें। इसके साथ ही सोएक मलिक ने टीम के कप्तान तमीम इकबाल के साथ हुई चर्चा को भी स्पष्ट किया और कहा कि उन्होंने साथ मिलकर दुबई में एक मीडिया कार्यक्रम के लिए बांग्लादेश से उनकी अस्थायी रवानगी की योजना बनायी है। उन्होंने कहा कि मुझे दुबई में पूर्व योजना के अनुसार एक मीडिया कार्यक्रम के लिए बांग्लादेश से रवाना होना था। मैं फ्रेंचाइजी को आगामी मुकाबलों के लिए शुभकामनाएं देता हूं और अगर जरूरत पड़ी तो मैं उनके सहयोग के लिए उपलब्ध हूं।

मेदवेदेव और सिनर के बीच होगा पुरुष होगा एकल फाइनल, क्यों फेडरर से हो रही डेनिल की तुलना

मेलबर्न । इटली के यानिक सिनर और रूस के डेनिएल मेदवेदेव के बीच यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष एकल वर्ग का फाइनल खेला जाएगा। सिनर ने सेमीफाइनल में 10 बार के चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच को 6-1, 6-2, 6-7, 6-3 से पराजित कर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। मेदवेदेव ने अन्य सेमीफाइनल में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को 7-5, 6-3, 6-7, 6-7, 3-6 से हराया। मेदवेदेव ऑस्ट्रेलियाई ओपन में दो बार उपविजेता रह चुके हैं। मेदवेदेव 2021 में यूएस ओपन जीत चुके हैं और छठी बार किसी ग्रैंडस्लैम के फाइनल में पहुंचे हैं। दूसरी ओर 17वीं बार किसी ग्रैंडस्लैम में हिस्सा ले रहे सिनर ऑस्ट्रेलियाई ओपन के एकल फाइनल में पहुंचने वाले इटली के पहले खिलाड़ी हैं। उनकी तुलना फेडरर से की जा रही है जो अपने पहले 16 ग्रैंडस्लैम में कभी सेमीफाइनल में नहीं पहुंचे और फिर विंबलडन में अपना पहला ग्रैंडस्लैम जीता था।

वेस्टइंडीज ने 8 रन से जीता डे-नाइट टेस्ट

ऑस्ट्रेलिया को 21 साल बाद हराया, शमार जोसेफ ने झटके 7 विकेट; सीरीज 1-1 से बराबर

ब्रिसबेन।

वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को डे-नाइट टेस्ट में 8 रन से हरा दिया। ब्रिसबेन के द गाबा स्टेडियम में टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 207 रन पर ऑलआउट किया। वेस्टइंडीज ने कंगारू टीम को 216 रन का टारगेट दिया था।

वेस्टइंडीज ने 36 साल बाद बिसबेन में ऑस्ट्रेलिया को हराया। इससे पहले 1988 में टीम को जीत मिली थी। टीम से शमार जोसेफ ने 7 विकेट लिए। उन्होंने जोश हेजलवुड का विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को ऑलआउट किया। शमार जोसेफ प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। स्टीव स्मिथ 91 रन बनाकर दूसरी पारी में नॉटआउट रहे।

वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 311 और दूसरी पारी में 193 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी 9 विकेट पर 289 रन के स्कोर पर डिक्लेयर की थी। दूसरे टेस्ट में जीत के साथ वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया में 2 टेस्ट की सीरीज को 1-1 से बराबर कर लिया। पहला टेस्ट ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीता था।

शमार जोसेफ ने मैच 8 विकेट झटके - 24 साल के तेज गेंदबाज शमार जोसेफ ने दूसरी पारी में 68 रन देकर 7 विकेट झटके। वह बैटिंग के दौरान मिचेल स्टार्क की यॉर्कर से इंजर्ड हुए, जिसके बाद उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा था। वह दूसरी पारी में उस वक्त बॉलिंग करने आए, जब ऑस्ट्रेलिया ने 2 ही विकेट के नुकसान पर 100 रन का स्कोर पार कर लिया था।

जोसेफ ने बॉलिंग पर आते ही 7 ओवर में 6 विकेट झटक लिए। उन्होंने दूसरे सेशन में जोश हेजलवुड को भी बोल्ड किया और वेस्टइंडीज को ऐतिहासिक टेस्ट जिता दिया। वेस्टइंडीज से दूसरी पारी में अल्जारी जोसेफ ने 2 और जस्टिन ग्रीव्स ने एक विकेट लिया।

शमार ने पहली पारी में एक विकेट लिया था, इस तरह उन्होंने मैच में 8 विकेट निकाले। उन्होंने पहले टेस्ट में ही डेब्यू कर 5 विकेट लिए थे।

वेस्टइंडीज ने 21 साल बाद ऑस्ट्रेलिया को टेस्ट हराया - वेस्टइंडीज ने 21 साल बाद ऑस्ट्रेलिया को कोई टेस्ट मैच हराया। टीम ने 2003 में आखिरी बार

अपने ही देश में सेंट जॉन्स स्टेडियम में 3 विकेट से मुकाबला जीता था। तब से टीम ने 20 टेस्ट खेले, 16 में उन्हें हार मिली और 4 टेस्ट ड्रॉ हो गए। वेस्टइंडीज को अब जाकर ऑस्ट्रेलिया से जीत मिल सकी।

ऑस्ट्रेलिया में वेस्टइंडीज ने 26 साल बाद टेस्ट जीता है। टीम को आखिरी बार फरवरी 1997 में पर्थ के मैदान पर जीत मिली थी, तब टीम ने 10 विकेट से मुकाबला जीता था। तब से टीम ने ऑस्ट्रेलिया में 17 टेस्ट खेले, 15 में टीम को हार मिली, जबकि 2 ही मुकाबले ड्रॉ हो सके थे।

पिंक बॉल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की पहली हार - ऑस्ट्रेलिया पहली बार पिंक बॉल टेस्ट में हारा है। टीम ने टेस्ट इतिहास का पहला पिंक बॉल डे-नाइट मैच खेला था। उन्होंने नवंबर 2015 में न्यूजीलैंड को हराया। तब से टीम ने कुल 11 डे-नाइट टेस्ट खेले और सभी में जीत हासिल की थी लेकिन अब उन्हें हार मिली। ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले दिसंबर 2022 में वेस्टइंडीज को ही एडिलेड में डे-नाइट टेस्ट हराया था।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले सेशन में गंवाए 6 विकेट - ऑस्ट्रेलिया ने चौथे दिन के पहले सेशन में 60/2 के स्कोर से अपनी पारी आगे बढ़ाई। स्टीव स्मिथ और कैमरन ग्रीन ने टीम को 100 रन के पार पहुंचा दिया। दूसरी पारी में इंजर्ड होने के बाद रिटायर्ड हर्ट हुए शमार जोसेफ फिर बॉलिंग करने आ गए। उन्होंने 7 ओवर के अंदर 6 विकेट झटके और ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 8 विकेट के नुकसान पर 175 रन कर दिया। सेशन खत्म होने तक टीम ने 8 विकेट पर 187 रन बनाए।

स्टीव स्मिथ 91 रन बनाकर नॉटआउट - ऑस्ट्रेलिया से स्टीव स्मिथ दूसरी पारी में इकलौते बैटर रहे, जिन्होंने फिफ्टी लगाई। वह ओपनिंग से लेकर आखिर तक टिके रहे और 91 रन बनाकर नॉटआउट रहे। उनके अलावा ऑस्ट्रेलिया से कैमरन ग्रीन ही 42 रन बना सके। बाकी बैटर्स कुछ खास नहीं कर सके।

तीसरे दिन वेस्टइंडीज 193 पर ऑलआउट - डे-नाइट टेस्ट के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को दूसरी पारी में 193 रन पर ऑलआउट कर दिया। कर्क मैकेंजी ने 50 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने दिन का खेल खत्म होने तक 2 विकेट पर 60 रन बना लिए।

इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट डब्लूपीएल से बाहर

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज खेलेंगी, आरसीबी ने नादिन डी क्लार्क को शामिल किया

नई दिल्ली।

इंग्लैंड विमेंस टीम की कप्तान और ऑलराउंडर हीथर नाइट डब्लूपीएल (विमेंस प्रीमियर लीग) से बाहर हो गई हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए भारतीय लीग से नाम वापस लिया है।

नाइट आरसीबी की टॉप प्लेयर्स में से एक है। उन्होंने पिछले सीजन में बेंगलुरु की ओर से 8 मैचों में 135 रन बनाए और 4 विकेट लिए। फ्रैंचाइज ने नाइट की जगह साउथ अफ्रीका की ऑलराउंडर नादिन डी क्लार्क को टीम में शामिल किया। डब्लूपीएल के सीजन-2 की शुरुआत 23 फरवरी से होगी। टूर्नामेंट का ओपनिंग मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा। लीग करीब 4 सप्ताह तक चलेगी। वहीं, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच मुकाबले 19 मार्च से 7 अप्रैल तक होंगे।

नादिन डी क्लार्क ने 46 टी-20 खेले - साउथ अफ्रीका की ऑलराउंडर नादिन डी क्लार्क को कुल 46 टी-20 मैचों का अनुभव है। क्लार्स राइट हैंड बल्लेबाजी के साथ ही मीडियम पेस बॉलिंग करती है। उन्होंने 46 मैचों में कुल 419 रन बनाए और 35 विकेट लिए हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिए टीम से जुड़ेंगी - मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नाइट ने इस साल बांग्लादेश में होने वाली टी-20 वर्ल्ड कप के लिहाज से इंग्लैंड के साथ जुड़ने का मन बनाया है। इसमें समान सैलेरी भी एक हिस्सा है। डब्लूपीएल में प्लेयर्स की सैलेरी 30 लाख रुपए से लेकर 3.2 करोड़ रुपए तक है, जबकि कुछ खिलाड़ी अपनी फ्रेंचाइजी और इंग्लैंड दोनों की कोर टीम में शामिल हैं। इंग्लैंड की विमेंस टीम की मैच फीस में हालिया बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल उनकी सैलेरी मेंस टीम के बराबर कर दी गई है। माना जाता है कि कप्तान के रूप में नाइट ने खुद को पूरे न्यूजीलैंड दौरे के लिए उपलब्ध रखा है।

बाइक स्टंट का लुत्फ उठाएगी दुनिया! भारत में पहली बार होने जा रही है ऐसी करतबों से भरी रेसिंग लीग

नई दिल्ली।

'मौत का कुआं' तो भारत में आप सभी ने कभी-ना-कभी देखा ही होगा। जहां कुछ समय पहले तक सर्कस में ये एक लाइमलाइट शो के तौर पर दिखाया जाता था। इस शो में स्टंटमैन बाइक पर सवार होकर दोनों हाथ छोड़े, ऐसे खतरनाक स्टंट करते हुए बाइक चलाते थे, जिसे देखकर हर किसी की रूह कांप उठती थी, लेकिन कुछ ऐसे हादसे हुए जिसके बाद सर्कस में ये शो बंद ही कर दिया गया। फैंस इस मौत के कुएं के बंद होने के बाद सर्कस या मेले में खुलकर उतना आनंद नहीं ले पाते थे, जितना पहले हुआ करता था, लेकिन बदलते समय के साथ चीजें बदल रही है और उनके नामों में भी परिवर्तन देखने को मिल रहा है। बता दें कि फैंस अब भी 'मौत का कुआं' शो देख सकते हैं। जी हां, बाइक रेसिंग के शौकीनों के लिए बड़ी खुशखबरी है। देश में मोटरस्पोर्ट्स को बढ़ोत्तरी देने के लिए एक ऐसी लीग बनाई गई है, जिसका नाम इंडियन सुपरक्रॉस रेसिंग लीग है। ये ऐसी पहली लीग है, जिसमें फैंस रोमांच, मनोरंजन और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक्शन का लुत्फ उठा सकते हैं। इंडियन सुपरक्रॉस रेसिंग लीग के बारे में जानें कुछ रोचक बातें इंडियन सुपरक्रॉस मोटरसाइकिल रेसिंग लीग एक ऐसी लीग है, जिसमें बाइक रेसर्स को अपना स्टंट और टैलेंट दिखाने का मौका मिलता है। इस लीग के लिए ऑफ-रोड ट्रैक तैयार किया गया है, जिसमें ट्रैक मिट्टी, रेत, कूदने के लिए टीले और तीखे मोड़ से

बने होते हैं, जो रेसर्स की स्किल और बाइक के कंट्रोल को परखते हैं। रेस के दौरान हवा में रेसर्स बाइक उछलाते हुए स्टंट करते हैं और ये नजारा किसी थ्रीलर फिल्म से कम नहीं होता। भारत की पहली फ्रेंचाइजी आधारित सुपरक्रॉस लीग है, जिसमें 6 टीमें- दिल्ली डेयरडेविल्स, मुंबई स्टॉमर्स, पुणे फाइटर्स, बेंगलुरु टाइगर्स, हैदराबाद रेड रैप्टर्स और अहमदाबाद रॉयल्स की टीमें शामिल है। खास बात ये है कि इस लीग में भारतीय बाइक रेसर्स ही नहीं बल्कि, दुनिया के दिग्गज सुपरक्रॉस चैंपियन भी हिस्सा ले रहे हैं। आईएसआरएल का पहला सीजन के पहले इवेंट का आगाज 28 जनवरी को पुणे में होगा, जिसमें सभी टीमें आपस में एक दूसरे से भिड़ेगी। ये लीग भारतीय मोटरस्पोर्ट्स इंडस्ट्री के लिए एक गेम-चेंजर साबित हो सकती है।

असम के चाय विक्रेता की बेटी पंचमी को उम्मीद है कि केवाईआईजी पदक उन्हें मीराबाई के खिलाफ मुकाबले का मौका देगा

चेन्नई।

धेमाजी में जियाधोल चारियाली के आसपास काम करने वाले लोगों को दोपहर का भोजन भी परोसने वाली छोटी सी चाय की दुकान पर एक और थका देने वाले दिन का अंत हो रहा था। अचानक, चेन्नई से आया एक फोन कॉल इस दुकान के मालिक लुहित सोनोवाल और उनकी पत्नी बुधेश्वरी सोनोवाल को गर्व की भावना से भर देता है, लेकिन साथ ही यह कॉल उन्हें थोड़ा चिंतित भी कर देता है इसका कारण यह है कि उनकी सबसे छोटी बेटी पंचमी सोनोवाल ने चेन्नई में जारी खेलो इंडिया गेम्स 2023 में महिलाओं की 49 किलोग्राम भारोत्तोलन प्रतियोगिता में रजत पदक जीता लेकिन उसके बाद उन्हें अस्पताल भी ले जाना पड़ा। पंचमी, जो स्नैच (70 किग्रा) में युवा राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक के रूप में चेन्नई गई थी, को कुल 167 किग्रा वजन उठाकर दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। इस प्रक्रिया में महाराष्ट्र की भारोत्तोलकों आरती तातगुंती और सौम्या दलवी ने अंततः क्रमशः 170 किलोग्राम और 175 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण और कांस्य पदक जीता। पंचमी ने कहा, मैं दोनों श्रेणियों में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाना चाहती थी लेकिन अंततः वह मेरा दिन नहीं था। मैं पदक समारोह में शामिल नहीं हो सकी, लेकिन एक और केआईवाईजी पदक पाकर खुश हूं। पंचमी ने कहा, यह (गिरना) दर्दनाक था, और मैं मुश्किल से चल पा रही थी। एक्स-रे से पुष्टि हुई कि कोई फ्रैक्चर नहीं था। अभी भी थोड़ा दर्द है, लेकिन उम्मीद है कि मैं कुछ दिनों में ठीक हो जाऊंगी। जूनियर नेशनल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण, सीनियर वर्ग में रजत और पिछले महीने अंतर-राज्य प्रतियोगिता में एक और स्वर्ण जीतने के बाद, यह 18 वर्षीय

असमिया भारोत्तोलक का खेलो इंडिया यूथ गेम्स में चौथी हिस्सेदारी में दूसरा पदक था। लुहित और बुधेश्वरी के लिए, खेल में उनकी सबसे छोटी बेटी की उपलब्धियां अब एक आम बात हो गई है। पंचमी ने कहा, मेरे माता-पिता को मेरी प्रतियोगिताओं के बारे में पता नहीं है। उनके लिए, अगर मैं पदक जीतती हूं, तो यह एक उपलब्धि है, और अगर मैं असफल भी होती हूं, तो भी वे मेरा समर्थन करते रहेंगे। जाहिर सी बात है कि उनका खेल से कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन उन्होंने हमेशा मुझे सर्वोत्तम सपोर्ट और देखभाल प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया है। जब मुझे अस्पताल ले जाया गया तो वे थोड़े चिंतित थे लेकिन अब वे ठीक हैं। पंचमी तीन बहनों में सबसे छोटी है, जिनमें से दो की शादी हो चुकी है, और एक भाई संतोष (सोनोवाल) है, जो ऑटो-रिक्शा चालक है। संतोष का एक नौ साल का बेटा है, जिसे पंचमी एक खिलाड़ी के रूप में विकसित करना चाहती है। पंचमी ने कहा, जब भी मैं घर पर होती हूं, मेरा भतीजा मेरी ट्रेनिंग में गहरी दिलचस्पी लेता है। वह अभी सिर्फ 9 साल का है और मैं चाहती हूं कि वह एक खिलाड़ी बने और यह सुनिश्चित करे कि वह स्वतंत्र होना सीखे और बहुत कुछ हासिल करे। पंचमी को इस खेल को अपनाने के लिए कुछ दोस्तों ने प्रेरित किया, जो नियमित रूप से अपना दोपहर धेमाजी के बटघरिया स्पोर्ट्स क्लब में बिताते थे। उन्होंने जल्द ही भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) गुवाहाटी एनसीओई के लिए ट्रायल पास कर लिया और 2017 में जूनियर कैंप में जगह बनाई। हालांकि, इससे पहले कि वह एसएआई केंद्र में अपने लिये निर्धारित अवधि पूरा कर पाती, कोविड-19 आ गया।

भारत की 3 उभरती प्रतिभाएं जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान की हकदार

नई दिल्ली।

पिछले कुछ वर्षों में असाधारण रूप से प्रतिभाशाली युवा भारतीय क्रिकेटरों की एक फौज विभिन्न घरेलू आयोजनों में धूम मचा रही है, जिससे लाखों क्रिकेट प्रेमियों की आशाएं और अपेक्षाएं बढ़ रही हैं। तमिलनाडु के शाहरुख खान ने भारतीय क्रिकेट में प्रमुख हस्तियों पर छाप छोड़ने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, और खुद को घरेलू क्रिकेट परिदृश्य में प्रमुख फिनिशरों में से एक के रूप में स्थापित किया है। तमिलनाडु के लिए उनके शानदार प्रदर्शन के बाद इस बल्लेबाज को आईपीएल 2021 से पहले पंजाब किंग्स ने 5.25 करोड़ रुपये में खरीदा था, जिसने मुश्ताक अली खिताब में उनकी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अगले साल उन्हें उसी फ्रेंचाइजी ने 9 करोड़ रुपये में खरीदा।

बल्लेबाज को 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ उद्घाटन वनडे अंतर्राष्ट्रीय के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था।जब शिखर धवन, ऋतुराज गायकवाड़, श्रेयस अय्यर और नवदीप सैनी का कोविड परीक्षण सकारात्मक आया था, लेकिन वह मैच जीतने में असफल रहे। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण नहीं करने के बावजूद, तमिलनाडु के आक्रामक बल्लेबाज के लिए संभावनाएं आशाजनक दिख रही हैं। उन्होंने लाल गेंद के प्रारूप में भी अपना कमाल दिखाया था जब उन्होंने 2022 सीजन में दिल्ली के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान तमिलनाडु के लिए 148 गेंदों में 10 छक्कों और 20 चौकों की मदद से 194 रनों की शानदार पारी खेली थी। अपने बड़े फ्रेम और पावर-हिटिंग के साथ खासकर निचले क्रम में वह अंतर्राष्ट्रीय पदार्पण के हकदार हैं। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में शाहरुख ने 11 मैचों में 69.72 की स्ट्राइक रेट के साथ कुल 592 रन बनाए हैं। उन्होंने 47 लिस्ट ए मैचों में

120.36 की स्ट्राइक रेट के साथ 902 रन बनाए हैं। टी20 फॉर्मेट में शाहरुख के नाम 83 मैचों में 133.52 का स्ट्राइक रेट रखते हुए 928 रन दर्ज हैं।

निशांत सिंधु: 19 साल की उम्र में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में दो साल से भी कम अनुभव के साथ निशांत सिंधु ने आने वाली पीढ़ी के लिए एक संभावित ऑलराउंडर के रूप में शुरुआती संभावनाएं प्रदर्शित की हैं। हरियाणा के लिए अंडर14 और अंडर 16 स्तरों पर उनके प्रदर्शन ने उन्हें 2022 विश्व कप के लिए भारतीय अंडर19 टीम में जगह दिलाई। जहां उन्होंने 16.83 की औसत और 3.09 की इकॉनमी रेट से छह विकेट हासिल किए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने बल्ले से भी महत्वपूर्ण योगदान दिया और 46.66 की औसत और 93 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 140 रन बनाए। इस सराहनीय प्रदर्शन के कारण उन्हें 2023 आईपीएल सीजन के लिए सीएसके टीम में शामिल किया गया, जिससे उनकी क्षमता और स्थापित हुई। किसी भी मैच में भाग नहीं लेने के बावजूद एमएस धोनी और रवींद्र जडेजा की कंपनी के संपर्क से उनके विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की उम्मीद है। सीएसके द्वारा उन्हें बरकरार रखना इस विश्वास को रेखांकित करता है कि सिंधु अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जड़ेजा के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। विभिन्न टूर्नामेंटों में उल्लेखनीय प्रदर्शन जिसमें एसीसी मेन्स इमर्जिंग कप में अग्रणी विकेट लेने वाला गेंदबाज होना और मौजूदा विजय हजारे ट्रॉफी में बल्ले और गेंद दोनों से योगदान देना, सिंधु के बढ़ते कद की पुष्टि करता है। 2022-23 रणजी ट्रॉफी में हरियाणा के लिए उनका उत्कृष्ट योगदान, जहां उन्होंने 15 विकेट लिए और 33.91 की औसत से 407 रन बनाए, घरेलू सर्किट में असाधारण युवा ऑलराउंडरों में से एक के रूप में उनकी स्थिति को और मजबूत किया।

साई किशोर: साई किशोर ने कई वर्षों तक घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। फिर भी उन्हें सीनियर भारतीय टीम में जगह देने के लिए शायद ही कभी विचार किया गया हो। उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के बावजूद, जब बीसीसीआई ने एशियाई खेलों के लिए चीन में दूसरी पंक्ति की टीम भेजने का विकल्प चुना। हालांकि, अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में खुद को स्थापित करने के लिए उन्हें अभी और अवसरों की आवश्यकता है। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उन्होंने 33 मैचों में 124 विकेट लेकर एक प्रभावशाली गेंदबाजी रिकॉर्ड बनाया है। 57 टी20 मैचों में हिस्सा लेते हुए उन्होंने 5.50 की किफायती दर बनाए रखते हुए 63 विकेट हासिल किए हैं। लिस्ट ए क्रिकेट में उन्होंने 54 मैचों में 92 विकेट हासिल किए हैं।

पॉपुलर होगा एथेलीस्योर स्टाइल

किसका मन नहीं करता कि अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ ऐसा पहनें जिसमें स्टाइल भी हो और कंफर्ट भी। पर ये सोचना जितना आसान हैं, अपने कपड़ों को स्टाइल के साथ पहनना उतना ही मुश्किल और किसी तरह नए-नए स्टाइल अपना भी लें तो उन स्टाइलिश कपड़ों की देखरेख काफी भारी पड़ती है। लेकिन अब यह मुश्किल आसान करने के लिए एक खास प्रोडक्ट आ चुका है। यह है पीएंडजी का प्रोडक्ट एरियल। एरियल ने इंटरनेशनल डिजाइनर के साथ मिलकर एथेलीस्योर यानी की एथलेटीक और लेजर स्टाइल के कपड़े निकाले हैं। अब आप सोच रहे होंगे की यह नया नाम क्या है? आपको बता देते हैं एथेलीस्योर फैशन इंडस्ट्री में लेटेस्ट ट्रेंड हैं। इसमें स्पोर्ट्स वियर और रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले कपड़ों के स्टाइल को मिलाकर एक नया क्लोदिंग रेंज तैयार किया जाता है। मशहूर ब्रिटिश फैशन डिजाइनर जाइल्स डीकन के इस रेंज को बाजार में उतारने से पहले पी एंड जी ने लोगों की पसंद के मुताबिक पहने जाने वाले कपड़ों पर एक सर्वे किया। सर्वे के मुताबिक 71 प्रतिशत लोग ऐक्टिविटीज इंस्पायर्ड कपड़े पहनना पसंद करते हैं। 27 प्रतिशत लोगों का मानना है कि लेगिंग्स उनको काफी आरामदायक लगती है। 56 प्रतिशत लोग यात्रा के दौरान पहने जाने वाले लोग कपड़ों की खास रेंज चाहते हैं। इस सर्वे के नतीजों को ध्यान में रखकर ही इंटरनेशनल डिजाइनर जाइलज डीकन ने एथेलीस्योर की पूरी क्लोदिंग रेंज तैयार की है। फैशन एक्सपर्ट्स की मानें तो एथेलीस्योर स्टाइल 2020 में सबसे ज्यादा पॉपुलर हो जाएगा। योगा पैंट्स, इंडियन और वेस्टर्न कपड़ों के साथ पहने जाने वाली लेगिंग्स और जग्गिंग्स इन्ही कपड़ों के उदाहण हैं।

गणित के हिसाब से शादी की उम्र...

शादी जिंदगी भर का बंधन है और इसका फैसला सोच-समझकर करना चाहिए। शादी की सही उम्र वही होती है, जब आप इसके लिए पूरी तरह से तैयार हों, लेकिन गणित इस बारे में कुछ और कहता है। गणित कहता है शादी की सही उम्र 28 ओर 32 के बीच है। इस उम्र में तलाक की आशंका सबसे कम होती है। इस उम्र तक आते-आते आप मानसिक, शारीरिक और सामजिक रूप से मजबूत हो चूके होते हैं और यही क्वॉलिटी आपको अच्छा जीवनसाथी बनाती हैं। उटाह यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के मुताबिक जो लोग 28 और 32 के बीच शादी करते हैं वह अपनी शादी सफलता के साथ निभाते हैं। यह एक नया परिवर्तन है।

आमतौर पर माना जाता रहा है कि देर से शादी करना, शादी को निभाने काबिल बनाता है। यह अध्ययन लोगों के मानसिक बदलाव को दर्शाता है। टीन ऐज में शादी करने से अधिकतर लोगों की पसंद-नपसंद में बदलाव आता है, जिसकी वजह से तलाक होते हैं। बढ़ती उम्र यानी 28, 30 और 40 से पहले कि उम्र में व्यक्ति शांत और स्थिर हो जाता है और यही उसे अच्छा जीवनसाथी बनाने में सहायक होते हैं। यह शोध दी जनरल प्रो-मैरिज इंस्टीट्यूट आफ फैमिली स्टडीज द्वारा प्रकाशित किया गया है।

पॉप कलर्स के वूलन्स..

विंटर्स में वूलन्स में जो ट्रेंड सबसे ज्यादा चलन में है, वह है पॉप कलर्स। यानी ब्राइट कलर्स के वूलन्स। पीला ब्राइट ओवरकोट आप पर तब अच्छा लगेगा, जब आप इसके साथ डार्क कलर की एसेसरी इस्तेमाल करेंगी। आप हैंडबैग और फुटवियर का कलर भी डार्क रख सकती हैं। आजकल स्लिमफिट वूलन कुर्तियां भी चलन में हैं। आप इन्हें डेनिम के साथ कैरी कर सकती हैं। यह आपको कैजुअल लुक देगा, इसलिए इसके साथ आपको ज्यादा एसेसरीज की जरूरत नहीं। मेकअप सिंपल रखें। यदि ऑफिस के लिए ब्राइट कलर कैरी करना चाहती हैं तो कोट या जैकेट सबसे अच्छा विकल्प है। इसके साथ आप हैंडबैग, ब्रेसलेट कैरी कर सकती हैं। फुटवियर में हाई हील कैरी करें और कलर डार्क चुनें। इसके साथ ज्वैलरी भी मैच कराई जा सकती है। कोट के साथ बालों को खुला न रखें। ईवनिंग आउट या फिर पार्टीज के लिए आप निटेड पुलओवर चुनें। यह आपके स्टाइल स्टेटमेंट को निखार देगा।इस पर ट्राइबल ज्वैलरी या एथनिक ज्वैलरी अच्छी लगेगी। पुलओवर पसंद नहीं तो आप श्रग भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

खतरनाक है डॉक्टर गूगल...

कई लोग सर्च इंजन गूगल को डॉक्टर समझकर उस पर छोटी-मोटी बीमारी के लिए दवाएं सर्च करने लग जाते हैं। यह सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है क्योंकि हो सकता है जिस बीमारी के लक्षणों के चलते आप गूगल पर उसका इलाज खोज रहें हैं वे लक्षण किसी और बिमारी के हों। ऐसे में अगर कोई बिना डॉक्टर की सलाह के गूगल पर अपनी बीमारी के लक्षण के अनुसार दवाई लेना शुरू कर देगा तो यह स्वास्थ्य के लिए घातक हो सकता है। एक और खतरा सामने आया है वह यह कि एशिया में 90 फीसदी डॉक्टर्स भी गूगल और इंटरनेट सर्च के आधार पर मरीजों का इलाज कर रहे हैं।

वर्तमान दौर में लोग अपने जीवन से जुड़े हर सवालों का जवाब सर्च इंजन गूगल पर ढूंढते हैं, लेकिन जहां तक स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारियों की बात है, तो लोग गूगल को अपना चिकित्सक मानकर मुफ्त में मुसीबत मोल लेते हैं। हालात यह है कि शरीर में एक छोटी सी फुंसी को वे कैंसर और सिरदर्द को ब्रेन ट्यूमर समझकर मानसिक अवसाद तक के शिकार हो जाते हैं।

शरीर में किसी प्रकार की समस्या होने पर गूगल पर उसके बारे में टोह लेने में कोई समस्या नहीं है, लेकिन इसके बाद लोगों को यह पता नहीं होता कि उन्हें कहां पर रुकना है। सही तरीका तो यही है कि जब चिकित्सक किसी को किसी बीमारी की पुष्टि कर दे, तब सर्च इंजन पर जाकर उससे संबंधित जानकारियां जुटाना फायदे का सौदा हो सकता है, लेकिन चिकित्सक के पास जाने के बजाय लक्षणों के आधार पर अपना इलाज खुद करना खतरनाक साबित हो सकता है।

युवाओं में है चलन

सबसे बड़ी समस्या यह है कि इंटरनेट पर अथाह सूचनाएं मौजूद हैं, जो सही भी हो सकती हैं, लेकिन जब हमारी बीमारी का लक्षण किसी दूसरी बीमारी के लक्षणों से मेल खाता है, तब भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इसीलिए बीमारी की सही जांच बेहद जरूरी है। कई युवा ऐसे हैं जो अपनी छोटी से छोटी शारीरिक समस्या के समाधान के लिए इंटरनेट से चिपके रहते हैं। 25-40 वर्ष आयु वर्ग के लोग लक्षणों के आधार पर इंटरनेट पर बीमारी का पता लगाने के चक्कर में पड़ रहते हैं, जिसका कोई परिणाम नहीं निकलता, सिवाय वे चिंतित होकर अपने स्वास्थ्य को और बिगाड़ते हैं।

मुफ्त में परेशानी

लोगों को इस बात से सावधान होना चाहिए कि वे ऐसा कर मुफ्त में परेशानी मोल लेते हैं।

छोटी से छोटी बीमारी के लक्षणों को भयंकर बीमारी मानकर वे मानसिक अवसाद की स्थिति में चले जाते हैं, क्योंकि विभिन्न रोगों के लक्षणों में अक्सर समानता होती है। डॉक्टरों के मुताबिक गूगल को चिकित्सक मानने के जाल से लोगों को सावधान रहना चाहिए, क्योंकि इससे कुछ अच्छा होने के बदले आपका बड़ा नुकसान हो सकता है।

इस अध्ययन में यह भी खुलासा हुआ है कि तीन में एक डॉक्टर इलाज के दौरान अपने हाथ में मोबाइल फोन अथवा टैबलेट रखता है तथा कोई भी समस्या होने पर इलाज सर्च कर लेते हैं। इस अध्ययन में सामने आया है

इलाज के दौरान मोबाइल

कि एक डॉक्टर एक दिन में कम से कम 6 प्रोफेशनल सर्च करता है। इसमें चौंकाने वाली बात यह भी है कि 58 फीसदी फिजिशंस कंप्यूटर पर नेट सर्च कर इलाज कर रहे हैं। वहीं 14 फीसदी अभी भी प्रकाशित माध्यम पर भरोसा कर रहे हैं।

डॉक्टर भी गिरफ्त में

भले ही यह बात चौंकाने वाली लगे लेकिन सच है, कि एशिया में 90 फीसदी से अधिक डॉक्टर्स गूगल और इंटरनेट सर्च के आधार पर मरीजों का इलाज कर रहे हैं। एशियाभर में हुए एक अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है। हालांकि इसें डिजिटल क्रांति कहें या मेडिकल क्षेत्र की बेबसी, लेकिन रेफरेंस ड्यूरिंग ट्रीटमेंट एंड सर्जरी के तहत किए गए एक अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है। स्टडी में यह बात सामने आई है कि डॉक्टर्स इलाज के दौरान गूगल और इंटरनेट बीमारी का उपाय खोजते हैं।

ब्यूटी स्पॉट को लेकर सावधान...

चेहरे या शरीर के किसी अन्य हिस्से पर दिखने वाले तिल या मस्से हमेशा ब्यूटी स्पॉट नहीं होते। अगर 20 की उम्र के बाद ऐसे तिल या मस्से शरीर के किसी भी हिस्से में निकलते हैं तो उनके प्रति सचेत रहना बेहद जरूरी है, क्योंकि वो खतरे की घंटी हो सकते हैं। इस समस्या के बारे में जानना बेहद जरूरी है। फिल्म अभिनेत्री रेखा के होठों के ऊपर का तिल और रति अग्निहोत्री के चेहरे का तिल अनायास ही लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यह सच है कि चेहरे के किसी विशिष्ट स्थान का ब्यूटी स्पॉट आकर्षण का केंद्र होता है, लेकिन अगर आपके चेहरे पर अचानक से ही कोई तिल निकल आये तो आपको खुश नहीं होना चाहिए, बल्कि सावधान हो जाना चाहिए।

कब मिले डॉक्टर से

कई बार अचानक ही चेहरे पर तिल और मस्सा निकलने लगता है। अगर जन्म के समय से ही आपके चेहरे पर मस्सा या तिल है तो वह हानिकारक नहीं होता, लेकिन अचानक से ही चेहरे पर बहुत ज्यादा तिल निकलने लगे तो यह खतरे की निशानी हो सकते हैं। जैसे ही आपके चेहरे पर तिल या मस्सा निकले तो आप उसका निरीक्षण करें। अगर उसमें बदलाव होने लगे तो फिर तुरंत ही त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क करें। इस बात का पता चल जाने पर कि आपके चेहरे पर निकला ब्यूटी मार्क हानिकारक है, उसे निकाल कर शरीर के दूसरे हिस्सों में होने वाले संक्रमण को रोका जा सकता है।

निगरानी जरूरी

अधिकतर ब्यूटी स्पॉट 20 साल तक की उम्र में निकल जाते हैं, जो आमतौर पर हानिकारक नहीं होते, लेकिन अगर 20 साल के बाद अचानक से ही आपके चेहरे पर ब्यूटी स्पॉट यानी तिल या मस्सा निकले तो उसकी निगरानी जरूरी है। यह जरूरी नहीं कि आपके शरीर पर ब्यूटी स्पॉट खतरे की निशानी ही हो, लेकिन डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है।

कैंसर का कारण तो नहीं

तिल या मस्से को कई बार लोग बिना किसी चेकअप के लेजर तकनीक से हटवा लेते हैं, जो गलत है। तिल या मस्से को हटवाने से पहले जांच करवा लेनी चाहिए, ताकि पता चल सके कि वह कैंसर का कारण तो नहीं। जब चेहरे पर कोई तिल या मस्सा निकलता है तो छोटे आकार में हल्के भूरे रंग का होता है, लेकिन समय के साथ यह अलग आकार और रंग में बदल सकता है। यह बदलाव ब्यूटी स्पॉट के रूपरंग पर निर्भर करता है। जो मोल्स जन्म के समय से ही शरीर पर होते हैं, उन्हें कंजेनिटल मोल्स के तौर पर जाना जाता है। एक प्रतिशत लोग ही ऐसे होते हैं, जिनके शरीर पर जन्म के समय कोई तिल या मस्सा होता है। आगे चल कर यह त्वचा संबंधी समस्या का कारण बन सकता है, लेकिन यह जरूरी नहीं है।

धूप से बचाव जरूरी

जब चेहरे पर एक साथ बहुत सारे तिल या मस्से निकल आएं तो इसे एक्वायर्ड मोल्स के नाम से जाना जाता है। यह बहुत ज्यादा धूप में रहने की वजह से भी हो जाते हैं। इससे बचने के लिए धूप से बचाव जरूरी है। ये खतरनाक नहीं होते। कई बार चेहरे पर असामान्य आकार के स्पॉट नजर आने लगते हैं, जो या तो गहरे भूरे रंग के होते हैं या फिर लाल रंग के। इनका आकार बढ़ता जाता है। अगर आपके चेहरे पर इस तरह के निशान नजर आएं तो डॉक्टर से संपर्क करें।

ये पाबंदियां दिलचस्प हैं...

देश बड़ा हो या छोटा, हर किसी के अपने ही कायदे-कानून है। इन कानूनों को तोड़ने पर सजा का प्रावधान भी है।

कई देशों ऐसे भी हैं जहां कुछ चीजों के इस्तेमाल पर पाबंदी लगाई गई है जो सच में हैरान करने वाली हैं। केवल हमारे ही देश में नहीं बल्कि दुनियाभर में तरह तरह की चीजों पर पाबंदियां हैं। आज हम आपको ऐसी बैन की हुई चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं।

माथे पर त्यौरी चढ़ाना

इटली के महानगर मिलान में माथे पर त्यौरी चढ़ाने पर सख्त मनाई है। यहां चेहरे पर हर समय स्माइल होना बहुत ही जरूरी है। केवल अस्पताल और शोक सभा में ऐसा न करने की छूट है। इस नियम को तोड़ने पर जुर्माना लग सकता है।

समोसे पर रोक

सोमालिया में जाकर आप टेस्टी समोसा नहीं खा सकते। यहां पर ट्रैंगल शेप के इस टेस्टी समोसे पर रोक इसलिए क्योंकि इसकी आकृति ईसाइयों के पवित्र ट्रिनिटी जैसी है। इसे पकाने, खाने, खरीदने पर सजा हो सकती है।

जॉगिंग पर पाबंदी

बुरुंडी के राष्ट्रपति ने 2014 को जॉगिंग करने पर यह कह कर रोक लगा दी कि समाज विरोधी गतिविधियां छिपाने के लिए लोग इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। यहां तक कि समूह में जॉगिंग करने वाले कई सदस्यों को जेल में भी डाल दिया गया है।

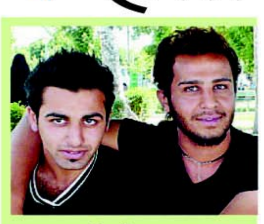

स्पाइकी हेयरकट करने पर रोक

ईरान में बाल खड़े करने पर रोक है। ईरानी युवक इन दिनों लोकप्रिय स्पाइकी हेयर कट यानी की बालों को खड़े करने वाले हेयरस्टाइल के अलावा पोनीटेल और टैटू भी नहीं बनवा सकते हैं। उनका मानना है कि ऐसे हेयरस्टाइल शैतान की पूजा और समलैंगिक व्यवहार को प्रदर्शित करता है।

वीडियो गेम पर पाबंदी

ग्रीस में वर्ष 2002 में सरकार ने गैर कानूनी रूप से जुआ खेलने वालों पर काबू पाने के लिए इलैक्ट्रॉनिक और सॉफ्टवेयर की मदद से खेली जाने वाली गेम पर पाबंदी लगा दी थी, जिसके तहत वीडियो गेम खेलना अवैध है।

फ्लश पर पाबंदी

स्विजरलैंड में किसी भी अपार्टमैंट बिल्डिंग में रात के 10 बजे के बाद टॉयलेट फ्लश करना मना है। वहां की सरकार इसे ध्वनि प्रदूषण मानती है। वैसे यह रोक सच में हैरान करने वाली है।

शुगर स्तर कम करने में मदद करता है जीरा

जीरा न सिर्फ भोजन के स्वाद को बेजोड़ बनाता है बल्कि कई बीमारियों में भी बहुत लाभदायक होता है। डायबिटीक लोगों के लिए जीरा अत्यंत लाभकारी है। यह खून में शुगर स्तर को कम करने में मदद करता है। जीरे में आयरन भरपूर मात्रा में होता है जिससे यह खून की कमी यानी एनीमिया को दुरुस्त करता है और रक्त में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है।

यह शरीर में ऑक्सीजन का सभी हिस्सों में पहुंचना सुचारू करता है। दमे के मरीजों को इसके भरपूर लाभ मिलते हैं। इसमें थायमोजयीनॉन नामक एक खास तत्व होता है जो दमे को रोकने बहुत कारगर है। भारतीय पाक कला में मसालों के इस्तेमाल का अलग ही महत्व है। मसाले न सिर्फ स्वाद बढ़ाने का काम करते हैं बल्कि ये स्वास्थ्य के लिए भी बेजोड़ होते हैं। हमारे खाने में कई पकवान तो इन मसालों के नाम पर ही जाने जाते हैं जैसे ज्यादातर पसंद किया जाने वाला जीरा राइस। सही समझे आप, जीरे में कई तरह के गुण छुपे हुए हैं जिनसे आपकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं दूर हो सकती हैं। जीरा काला, सफेद और मटमैले रंग में उपलब्ध होता है। जीरे के स्वास्थ्य संबंधी गुण इसे न केवल भारतीय खाने का अहम हिस्सा बनाते हैं बल्कि पुराने समय में यह रोमन, ग्रीक और मिस्र संस्कृति का भी खास हिस्सा था। इतना खास कि यह करंसी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। जीरा शरीर के सभी अंगों के लिए बहुत फायदेमंद है क्योंकि इसकी तासीर गर्म होती है और इसके उपयोग से कई प्रकार के लाभ होते हैं। हमारे शरीर में विभिन्न कारणों से गंदगी आ जाती हैं जिन्हें शरीर पसीने और फुंसियों के रूप में बाहर निकालता है। जीरे का नियमित इस्तेमाल शरीर की शोधन करने की प्रक्रिया को तेज करता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)